@Qpatrika @qaumipatrika hindi instagram.com/qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
शुक्रवार, 5 दिसम्बर 2025

VISIT: www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 19 अंक 31 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

रूस और भारत ने दोनों देशों की 'दोस्ती' को समय की कसौटी पर खरा बताया

• राजनाथ सिंह ने कहा, रूस के साथ हमारा द्विपक्षीय रक्षा सहयोग काफी बढ़ा

एजेंसी
नई दिल्ली। भारत की यात्रा पर आए रूसी रक्षा मंत्री आंद्रेई बेलौसोव के साथ राजनाथ सिंह ने गुरुवार को मानेकशॉ सेंटर में बैठक की। 22वीं भारत-रूस अंतर-सरकारी आयोग की मंत्रिस्तरीय बैठक में रक्षा मंत्रियों ने दोनों देशों की दोस्ती को समय की कसौटी पर खरा बताया। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि भू-राजनीतिक अनिश्चितता के बावजूद हमारा आपसी सहयोग अच्छी रफ्तार से आगे बढ़ रहा है। हमारे सशस्त्र बलों और विशेषज्ञों के बीच भी हमारी रक्षा साझीदार बढ़ रही है।बैठक की सह अध्यक्षता करते हुए राजनाथ सिंह ने रूसी प्रतिनिधिमंडल का स्वागत करते हुए कहा कि आप सभी लोग द्विपक्षीय रक्षा सहयोग पर चर्चा करने और उसे बढ़ावा देने के लिए इतनी दूर भारत आए। उन्होंने कहा कि रूस भारत का समय की कसौटी पर खरा उतरने वाला विशेष अधिकार प्राप्त और रणनीतिक साझेदार है और

2000 में भारत-रूस रणनीतिक साझेदारी की घोषणा पर हस्ताक्षर होने के बाद से हमारा द्विपक्षीय रक्षा सहयोग काफी बढ़ा है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि हम पिछले महीने मॉस्को में ट्रेड और इकोनॉमिक कोऑपरेशन पर इंडिया-रशिया वर्किंग ग्रुप की 26वीं मीटिंग के सफल आयोजन और रूस के नेतृत्व वाले यूरेशियन आर्थिक संघ के साथ मुक्त व्यापार समझौते के लिए बातचीत शुरू होने का स्वागत करते हैं। हम 23वीं भारत-रूस वार्षिक शिखर सम्मेलन के लिए रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के भारत दौरे का भी बेसब्री से इंतजार कर रहे थे, जो आज पूरा हो गया है।

रक्षा मंत्री सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और रूसी राष्ट्रपति पुतिन के बीच बैठक दोनों देशों के बीच स्पेशल प्रिविलेज्ड पार्टनरशिप को और मजबूत करेगी। रूस के रक्षा मंत्री आंद्रेई बेलौसोव ने बैठक में दोनों देशों के बीच समय की कसौटी पर खरी दोस्ती पर बात की। बेलौसोव ने राजनाथ सिंह के नेतृत्व में आए भारतीय प्रतिनिधिमंडल से बात करते हुए कहा कि दोनों देश आपसी सम्मान पर आधारित दोस्त हैं। उन्होंने कहा कि यहां आते समय जब हम कार में अलग-अलग बिंदुओं पर बात कर रहे थे, तो हम इस बात पर सहमत हुए कि दोनों देश गहरी परंपरा से बंधे हैं, जो रूसी और भारतीय देशों के लिए बहुत खास है। उन्होंने भारत पहुंचने पर मिली मेहमाननवाजी को भी सराहा।

> बेलौसोव ने कहा कि दोनों देशों के रिश्ते सामरिक हैं और भारत के साथ साझेदारी दक्षिण एशियाई इलाके में संतुलन के लिए अहम फैक्टर है।

जेपी नड्डा ने की रूस के स्वास्थ्य मंत्री मिखाइल मुराश्को से मुलाकात

• स्वास्थ्य मंत्री मिखाइल मुराश्को से मुलाकात के दौरान स्वास्थ्य क्षेत्र से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की

एजेंसी
नई दिल्ली। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने गुरुवार को संसद भवन में रूस के स्वास्थ्य मंत्री मिखाइल मुराश्को से मुलाकात की। यह मुलाकात स्वास्थ्य क्षेत्र की प्रमुख प्राथमिकताओं की चर्चा पर केंद्रित रही और दोनों पक्षों ने द्विपक्षीय सहयोग को और बढ़ाने पर सहमति व्यक्त की। भारत और रूस ने सभी के लिए सुलभ, किफायती और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा को आगे बढ़ाने के लिए अपनी साझा प्रतिबद्धता की पुष्टि की। गुरुवार को मुलाकात के बाद केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री जे पी नड्डा ने एक्स पर कहा कि रूस के स्वास्थ्य मंत्री मिखाइल मुराश्को से मुलाकात के दौरान स्वास्थ्य क्षेत्र से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की और स्वास्थ्य क्षेत्र में द्विपक्षीय सहयोग एवं साझेदारी बढ़ाने पर सहमति व्यक्त की। दोनों पक्षों ने किफायती एवं गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा तक पहुंच के साझा दृष्टिकोण को आगे बढ़ाने की प्रतिबद्धता दोहराई।

राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री मोदी ने स्वराज कौशल के निधन पर जताया शोक

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को पूर्व विदेश मंत्री स्वर्गीय सुषमा स्वराज के पति और मिजोरम के पूर्व राज्यपाल स्वराज कौशल के निधन पर दुख व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि स्वराज कौशल के योगदान को हमेशा याद रखा जाएगा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट कर लिखा कि मिजोरम के पूर्व राज्यपाल, पूर्व संसद सदस्य और एक प्रतिष्ठित कानूनी विशेषज्ञ स्वराज कौशल के निधन के बारे में जानकर दुख हुआ। उनके योगदान को हमेशा याद रखा जाएगा। उनकी बेटी और सांसद बांसुरी स्वराज, परिवार के अन्य सदस्यों और प्रशंसकों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना व्यक्त करती हूं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने एक्स पर लिखा, ''स्वराज कौशल के गुजर जाने से दुख हुआ। उन्होंने एक वकील और ऐसे इंसान के तौर पर अपनी अलग पहचान बनाई, जो कानूनी पेशे का इस्तेमाल जरूरतमंदों की जिंदगी बेहतर बनाने में करते थे।'' उन्होंने आगे लिखा कि वे भारत के सबसे कम उम्र के राज्यपाल बने और अपने कार्यकाल के दौरान मिजोरम के लोगों पर गहरी छाप छोड़ी।

दिल्ली-एनसीआर में वायु गुणवत्ता बेहद खराब, दिल्ली में एक्यूआई 304

एजेंसी
नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर में वायु प्रदूषण लगातार बेहद खराब बना हुआ है। राजधानी दिल्ली में शुक्रवार सुबह वायु गुणवत्ता सूचकांक 304 दर्ज किया गया। इसके अलावा राजधानी के आसपास के इलाकों में भी प्रदूषण गंभीर स्तर पर है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के अनुसार, बागपत में 307, गाजियाबाद में 302, ग्रेटर नोएडा में 285, गुरुग्राम में 293, हापुड़ में 336 और नोएडा में 308 का वायु गुणवत्ता सूचकांक दर्ज हुआ। सभी शहरों में वायु गुणवत्ता बेहद खराब से गंभीर श्रेणी में बनी हुई है। मौसम विभाग के अनुसार, 5 दिसंबर को आसमान मुख्यतः साफ रहेगा। सुबह हल्का कोहरा रहेगा और अलग-अलग स्थानों पर शीत लहर का प्रभाव देखने को मिलेगा। दिल्ली में अधिकतम तापमान 22 से 24 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 4 से 6 डिग्री सेल्सियस के बीच रहेगा। हवा दिनभर उत्तर-पश्चिम दिशा से 10 से 12 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से चलेगी। मौसम विभाग के अनुसार 6 दिसंबर को आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। सुबह हल्का कोहरा रहेगा। दिल्ली में अधिकतम तापमान 23 से 25 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 7 से 9 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है। दिन और रात में हवा उत्तर-पश्चिम दिशा से 15 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से चलेगी। सीपीसीबी के मानदंडों के अनुसार, 0 से 50 तक एक्यूआई अच्छा, 51 से 100 संतोषजनक, 101 से 200 मध्यम, 201 से 300 खराब, 301 से 400 बेहद खराब और 401 से 500 गंभीर माना जाता है। दिल्ली में कुल वायु प्रदूषण में वाहनों का योगदान 20.45 प्रतिशत, पराली जलाने का 1.97 प्रतिशत, निर्माण और ध्वंस गतिविधियों का 3.10 प्रतिशत और आवासीय क्षेत्रों का 5.30 प्रतिशत है।

राष्ट्रीय बागवानी बोर्ड की 33वीं बैठक

• उत्पादों के संबंध में विशेष रणनीति बनाने पर जोर

एजेंसी
नई दिल्ली। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि किसानों के हित में, जल्दी खराब होने वाले बागवानी उत्पादों के संबंध में विशेष रणनीति बनाने की आवश्यकता है ताकि इनकी सेल्फ लाइफ बढ़े, किसानों को नुकसान नहीं हो। इसके साथ किसानों को नुकसान से बचाने के लिए अवेयरनेस प्रोग्राम भी चलाए जाने चाहिए।

गुरुवार को कृषि भवन में राष्ट्रीय बागवानी बोर्ड (एनएचबी) के निदेशक मंडल की 33वीं बैठक की अध्यक्षता करते हुए शिवराज सिंह ने बागवानी क्षेत्र की उत्पादकता, गुणवत्ता और प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाने हेतु कई रणनीतिक सुझाव दिए। उन्होंने गुणवत्तापूर्ण पौध सामग्री,

फसलोत्तर प्रबंधन, उत्पादकता वृद्धि पर विशेष ध्यान देने को कहा। बैठक में केंद्रीय कृषि राज्य मंत्री रामनाथ ठाकुर भी उपस्थित थे। इस मौके पर केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह ने निर्देश दिया कि योजनाओं का क्रियान्वयन समयबद्ध, पारदर्शी और किसान-केंद्रित हो तथा किसानों को सब्सिडी भी समय पर दी जाएं, इस संबंध में कोई शिकायत नहीं आना चाहिए। उन्होंने कहा कि योजनाओं से, समान रूप से सभी राज्यों में हमारे छोटे किसानों को ज्यादा से ज्यादा लाभ पहुंचना चाहिए, उनकी आय बढ़ना चाहिए, विशेषकर पूर्वोत्तर के राज्यों के किसानों को भी फायदा मिलना चाहिए। शिवराज सिंह ने कहा कि पूरे समन्वय के साथ किसानों को बाजार, कोल्ड-चेन नेटवर्क और मूल्य संवर्धन के अवसरों से जोड़ने वाली व्यवस्था को सुदृढ़ करना जरूरी है।

केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह ने राष्ट्रीय बागवानी बोर्ड द्वारा तैयार गुड एग्रीकल्चर प्रैक्टिस, जैविक खेती मॉडल और उन्नत बागवानी तकनीकों पर आधारित तकनीकी प्रकाशनों का विमोचन किया। ये संसाधन किसानों, उद्यमियों व कृषि विशेषज्ञों के लिए एक उपयोगी संदर्भ सामग्री सिद्ध होंगे। बैठक में केंद्रीय कृषि सचिव डॉ. देवेश चतुर्वेदी, आईसीएआर के महानिदेशक डॉ. मांगीलाल जाट सहित कृषि, विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी, बागवानी उद्योग से जुड़े गैर-आधिकारिक सदस्य उपस्थित रहे। राष्ट्रीय बागवानी बोर्ड, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के अंतर्गत एक स्वायत्त संगठन है, जो देशभर में वाणिज्यिक बागवानी और कोल्ड-चेन अवसंरचना के सुदृढ़ विकास के लिए कार्यरत है।

रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन दिल्ली पहुंचे

• पीएम मोदी ने किया स्वागत

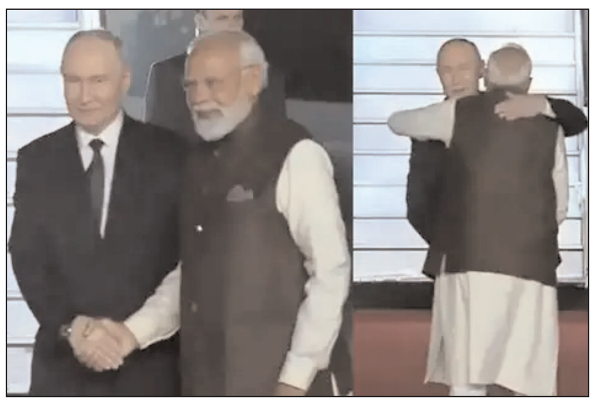

एजेंसी
नई दिल्ली । रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन दो दिवसीय आधिकारिक दौरे के लिए भारत पहुंच गए है । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एयरपोर्ट पर पुतिन का गले मिलकर स्वागत किया । यूक्रेन के साथ युद्ध होने के बाद उनका यह पहला भारत दौरा है। दो देशों के राष्ट्राध्यक्षों के बीच कई समझौते होने की उम्मीद है। भारत सरकार के सूत्र के अनुसार, रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन का यह दौरा आर्थिक सहयोग को मजबूत करने में बहुत मददगार होगा। राष्ट्रपति पुतिन के साथ बिजनेसमैन का एक बड़ा ग्रुप भी भारत आ रहा है। भारत को रूस के साथ व्यापार को बेहतर बनाने की उम्मीद है।

राज्यसभा में नियम 267 के दुरुपयोग पर सभापति ने जताई चिंता

• आठ मौकों पर चर्चा केवल सर्वसमति से हुई थी।

एजेंसी
नई दिल्ली। राज्यसभा में गुरुवार को नियम 267 के तहत चर्चा की मांग को लेकर सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच बहस देखने को मिली। नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने सदन में महत्वपूर्ण मुद्दों पर तुरंत चर्चा न होने को लेकर गहरी आपत्ति जताई और कहा कि सरकार लगातार संवेदनशील विषयों को टाल रही है। राज्यसभा के सभापति सीपी राधाकृष्णन ने मल्लिकाअर्जुन खड़गे की आपत्तियों पर प्रतिक्रिया देते हुए सभापति सीपी राधाकृष्णन कहा कि यह व्यवस्था उन्होंने नहीं की है बल्कि पहले से सदन द्वारा अपनाई जा चुकी है। उन्होंने स्पष्ट किया कि नियम 267 का उद्देश्य केवल उसी दिन सूचीबद्ध कार्य से संबंधित किसी नियम को विशेष परिस्थिति में स्थगित करना है, न कि असूचीबद्ध विषयों पर चर्चा की मांग करना। सभापति ने याद दिलाया कि उन्होंने सदस्यों की मांग पर नियम 267 के नोटिसों की समीक्षा का वादा किया था, और अब इस संबंध में अपने अवलोकन प्रस्तुत कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि नियम 267 को अक्सर लोकसभा की स्थगन प्रस्ताव

की तरह उपयोग करने की कोशिश की जाती है, जबकि राज्यसभा में ऐसी कोई संवैधानिक या प्रक्रियागत व्यवस्था नहीं है। नियम 267 का उपयोग केवल सूचीबद्ध कार्य से जुड़े मामलों के लिए किया जा सकता है। सभापति ने बताया कि वर्ष 2000 में इस नियम में संशोधन किया गया था, जब नियम समिति के अध्यक्ष तत्कालीन उपराष्ट्रपति कृष्णकांत थे और इसमें डॉ. मनमोहन सिंह, प्रणब मुखर्जी, अरुण शौरी, वेंकैया नायडू सहित कई वरिष्ठ सदस्य शामिल थे। समिति ने पाया था कि नियम 267 का उपयोग असूचीबद्ध विषयों पर चर्चा के लिए हो रहा है और इसे सीमित करने की जरूरत है। इसीलिए नियम में संशोधन कर इसकी परिधि केवल सूचीबद्ध कार्य तक कर दी गई थी। सभापति के अनुसार, 1988 से 2000 के बीच नियम 267 के तहत चर्चा केवल तीन बार हुई और वर्ष 2000 के बाद अब तक एक भी औपचारिक चर्चा इस नियम के तहत नहीं हुई है।

पांच साल में एक हजार शहरी केंद्रों का होगा डिजिटल मानचित्रण

सोशल मीडिया ने भी प्रत्येक नागरिक को एक मंच प्रदान किया है।

एजेंसी
नई दिल्ली। भूमि संसाधन विभाग के सचिव मनोज जोशी ने कहा कि सरकार अगले पांच वर्षों में देश के एक हजार शहरी केंद्रों का व्यापक डिजिटल मानचित्रण करेगी और हाई-प्रिसीजन मैपिंग के जरिए शहरी भू-अभिलेखों को पूरी तरह सटीक बनाया जाएगा। आने वाले महीनों में 157 शहरों का उच्च-स्तरीय सर्वे पूरा कर लिया जाएगा, जिससे शासन, अवसंरचना विकास और डिजिटल अर्थव्यवस्था को नई गति मिलेगी। उन्होंने जियोस्मार्ट इंडिया 2025 के तीसरे दिन आयोजित सत्र में शहरी भूमि आधुनिकीकरण और भू-स्थानिक तकनीक पर राष्ट्रीय विशेषज्ञों की चर्चा में कहा कि भारत तेजी से एकीकृत और वास्तविक समय में उपलब्ध डिजिटल मैपिंग के दौर में प्रवेश कर रहा है।जोशी ने कहा कि सभी राज्यों को इस अभियान से जोड़ा गया है और बड़े राज्यों में 10-10 पायलट शहर तथा छोटे राज्यों में 1-2 शहर चिन्हित किए गए हैं। पारंपरिक टेप-आधारित सर्वेक्षण अब

प्रभावी नहीं है और संपत्ति लेन-देन पूरी तरह लैटीट्यूड-लॉन्गिट्यूड आधारित डिजिटल स्केच पर आधारित होना चाहिए। राजस्व विभागों को हाथ से बने नक्शों की जगह जीआईएस-लिंक्ड रजिस्ट्रेशन सिस्टम अपनाने की जरूरत है। भूमि अभिलेख विभाग के संयुक्त सचिव कुणाल सत्यार्थी ने बताया कि सरकार 57 शहरों में प्रोकार्ड नामक एकीकृत स्वामित्व रिकॉर्ड तैयार करने के बड़े पायलट की शुरुआत कर रही है, जिसमें नगर निकाय टैक्स रिकॉर्ड, पंजीयन दस्तावेज और अन्य अभिलेखों को एक प्लेटफॉर्म पर जोड़ा जाएगा। भारत पहली बार ड्रोन, एयरक्राफ्ट और हेलीकॉप्टर की मदद से 5 सेंटीमीटर सटीकता वाली एरियल इमेज तैयार कर रहा है, जिससे सर्वेक्षण की रफ्तार कई गुना बढ़ी है। सत्यार्थी ने पर्वतीय राज्यों में मैपिंग की चुनौतियों का भी उल्लेख किया और कहा कि सरकार लिडार और उन्नत इमेजिंग तकनीक का उपयोग कर कठिन इलाकों में भी सटीक नक्शे तैयार कर रही है।

राहुल गांधी के दावे पर अनिल बलूनी का पलटवार, कांग्रेस सांसद की विदेशी मेहमानों संग शेयर की फोटो

एजेंसी
नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद अनिल बलूनी ने गुरुवार को लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के उस बयान पर पलटवार किया, जिसमें उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार विदेशी नेताओं को विपक्षी नेता या नेता प्रतिपक्ष से मिलने नहीं देती। उन्होंने बताया कि राहुल गांधी ने पिछले एक-डेढ़ साल में ही कम से कम पांच विदेशी मेहमानों/राष्ट्राध्यक्षों से मुलाकात की। इसके साथ ही अनिल बलूनी ने राहुल गांधी की विदेशी मेहमानों और अलग-अलग राष्ट्राध्यक्षों से मुलाकात की कई फोटो भी शेयर की। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने ऐसे वक्त में यह आरोप लगाया है, जब रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन दो दिवसीय भारत दौरे पर आए हैं। भाजपा सांसद अनिल बलूनी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, ''राहुल गांधी जी, इतना सफेद झूठ तो मत बोलिए। पिछले एक-डेढ़ साल में ही आपने कम से कम पांच विदेशी मेहमानों/राष्ट्राध्यक्षों से मुलाकात की है। ये तस्वीरें झूठी तो नहीं हो सकती राहुल गांधी जी।''उन्होंने आगे एक्स पोस्ट में राहुल गांधी के दावे को गलत बताते हुए बताया, 'बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना जीः 10 जून, 2024, मलेशिया के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम जीः 21 अगस्त,

2024, मॉरिशस के प्रधानमंत्री नवीनचंद्र रामगुलाम जीः 16 सितंबर, 2025, न्यूज़ीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन जीः 8 मार्च, 2025, एलओपी ने 1 अगस्त, 2024 को वियतनाम के पीएम से भी मुलाकात की।' उन्होंने आगे लिखा, 'ऊपर दिए गए फैक्ट्स से साफ पता चलता है, राहुल गांधी जी, कि आप केवल और केवल झूठ बोल रहे हैं। हालांकि, आप जब भी विदेशी धरती पर जाते हैं, तो हमेशा भारत, भारत के लोकतंत्र और भारत के संविधान को बदनाम ही करते हैं। 'इसके साथ भाजपा सांसद अनिल बलूनी ने बताया, ''किसी विजिट के दौरान, विदेश मंत्रालय आने वाले गणमान्य अतिथि के लिए सरकारी अधिकारियों और सरकारी बॉडीज के साथ मीटिंग ऑर्गनाइज करता है। सरकार के बाहर मीटिंग ऑर्गनाइज करना विजिटिंग डेलिगेशन पर निर्भर करता है। राहुल गांधी ने पहले भी कई विदेशी मेहमानों से मुलाकातें की हैं।'' इससे पहले राहुल गांधी ने संसद परिसर में मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि बाहर से आने वाले डेलिगेशन के साथ एलओपी की मीटिंग होती है, ये ट्रेडीशन है, हमेशा से होता आया है। लेकिन, केंद्र सरकार बाहर से आने वाले डेलिगेट्स से कहती है कि एलओपी से न मिलें। ये हर बार किया जा रहा है। हिंदुस्तान का प्रतिनिधित्व सिर्फ सरकार नहीं, विपक्ष भी करता है, फिर भी सरकार नहीं चाहती कि विपक्ष बाहर के लोगों से मिले।

राष्ट्रपति मुर्मु ने पूर्व राष्ट्रपति आर वेंकटरमन की जयंती पर दी श्रद्धांजलि

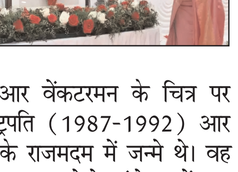

एजेंसी
तिरुवनंतपुरम। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने पूर्व राष्ट्रपति आर. वेंकटरमन की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। राष्ट्रपति सचिवालय के अनुसार, राष्ट्रपति ने केरल के तिरुवनंतपुरम स्थित लोक भवन पहुंचकर आर वेंकटरमन के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की। देश के आठवें राष्ट्रपति (1987-1992) आर वेंकटरमन 4 दिसंबर 1910 को तमिलनाडु के राजमदम में जन्मे थे। वह वकील, स्वतंत्रता सेनानी और कांग्रेस के नेता थे। भारत छोड़ो आंदोलन में भाग लेने के लिए दो वर्ष जेल गए।

तेज रफ्तार कार हाईवे पर ट्रक में घुसी, चार डॉक्टरों की हुई दर्दनाक मौत

अमरोहा (एजेंसी)। यूपी के अमरोहा जिले के रजबपुर क्षेत्र में दिल्ली-लखनऊ राष्ट्रीय राजमार्ग पर तेज रफ्तार कार खड़े हुए ट्रक से टकराने के कारण चार चिकित्सकों की मौत हो गई। पुलिस के मुताबिक बीती देर रात करीब साढ़े 10 बजे अतरासी इलाके के पास यह दुर्घटना हुई। पुलिस के अनुसार टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार ट्रक के नीचे फंसकर बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गयी। घटनास्थल पर पहुंची पुलिस ने कटर से कार को काटकर शवों को बाहर निकाला। पुलिस ने बताया कि मृतकों की पहचान दिल्ली के निवासी आयुष शर्मा, श्रेष्ठ पंचोली, कोलकाता के निवासी अर्नव चक्रवर्ती और त्रिपुरा के रहने वाले सप्तऋषि के रूप में हुई है। पुलिस ने चारों शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिए हैं।

एसिड अटैक मामले में 16 साल बाद भी ट्रायल... अत्याधिक देरी पर भड़के सीजेआई

नई दिल्ली (एजेंसी)। 2009 के एसिड अटैक मामले में सुप्रीम कोर्ट ने ट्रायल में अत्यधिक देरी पर चिंता व्यक्त कर कड़ा रुख अपनाया है। साल 2009 में एक महिला पर हुए एसिड अटैक का मामला, जिसका ट्रायल 16 साल बाद भी (खबर के अनुसार) चल रहा है। उन्होंने कहा कि अगर राष्ट्रीय राजधानी (दिल्ली) इसतरह के मामलों को हैंडल नहीं कर सकती है, तब कौन करेगा। उन्होंने शर्म की बात और सिस्टम का मज़ाक बताया। बेंच (सीजेआई सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची) ने सभी हाई कोर्ट के रजिस्ट्रार जनरल से एसिड अटैक केस में लंबित ट्रायल का डेटा चार हफ़्तों के अंदर जमा करने का निर्देश दिया है। याचिकाकर्ता ने बताया कि ट्रायल अब दिल्ली के रोहिणी में अंतिम सुनवाई के चरण में है। वह अपने केस के साथ-साथ अन्य एसिड अटैक सर्वाइवर्स की मदद भी कर रही हैं। सीजेआई ने याचिकाकर्ता को ट्रायल में तेजी लाने के लिए आवेदन दायर करने और मामले की सुनवाई रोज़ाना करने को कहा। याचिकाकर्ता ने एसिड अटैक सर्वाइवर्स की बुरी हालत (जैसे एसिड पीने को मजबूर होना, आर्टिफिशियल फीडिंग ट्यूब पर निर्भरता) का जिक्र किया और उन्हें दिव्यांगों की कैटेगरी में रखने की मांग की, ताकि उन्हें वेलफेयर स्कीम्स का लाभ मिल सके। बेंच ने केंद्र से इस अर्जी पर जवाब मांगा है। सुप्रीम कोर्ट ने 16 साल से चल रहे एसिड अटैक ट्रायल की धीमी गति पर न्यायिक व्यवस्था की कड़ी आलोचना की है और देश भर के हाई कोर्ट से लंबित मामलों का डेटा मांगा है, साथ ही पीड़ितों को दिव्यांग कैटेगरी में शामिल करने की मांग पर केंद्र से जवाब मांगा है।

धर्मेंद्र की संपत्ति को लेकर चर्चा, सनी ने कहा... सभी बच्चों को उनकी संपत्ति में समान अधिका

मुंबई (एजेंसी)। दिग्गज अभिनेता धर्मेंद्र का निधन 24 नवंबर 2025 को उनके मुंबई स्थित घर पर निधन हो गया था। उनकी अनुमानित संपत्ति जो कि करीब 450 करोड़ रुपये है, जिसमें फार्महाउस, बंगला, स्टूडियो, प्रोडक्शन हाउस, रेस्टोरेंट और अन्य निवेश शामिल हैं। इसके बंटवारे को लेकर चर्चा जोरों पर है। बालीवुड के हीमैन धर्मेंद्र ने दो शादियां की थी इसके बाद उनके दो परिवार है। पहली पत्नी प्रकाश कौर से अभिनेता सनी देओल, बॉबी देओल, बहन अजीता और विजेता। जबकि दूसरी पत्नी हेमा मालिनी से ईशा और अहाना देओल शामिल है। इसके अलावा उनके 13 नाती-पोते भी है। बात दें कि हेमा और उनकी बेटियों का धर्मेंद्र की प्रेयर मीट में शामिल न होना, परिवार के भीतर संभावित मतभेदों की खबरों को हवा देता है। साथ ही, हेमा मालिनी के 45 साल की शादी में पहली पत्नी वाले घर कभी न जाने का जिक्र है, जिसके कारण अंतिम समय में वे धर्मेंद्र से नहीं मिल पाईं। लेकिन परिवार के एक करीबी सूत्र के अनुसार, सनी देओल ने स्पष्ट किया है कि धर्मेंद्र के सभी बच्चों को उनकी संपत्ति में समान अधिकार प्राप्त होगा। सनी का कहना है कि वे किसी भी हालत में ईशा और अहाना के हिस्से को नुकसान नहीं पहुंचने देने वाले है। उन्होंने कहा कि यह धर्मेंद्र की भी आखिरी इच्छा थी। संपत्ति के बंटवारे को लेकर सोशल मीडिया पर खूब चर्चा हो रही है। अब यह देखना होगा कि उनकी इच्छा और सनी देओल के आश्वासन के अनुरूप विरासत को न्यायपूर्ण तरीके से कैसे विभाजित किया जाता है।

800 करोड़ के ऑनलाइन सट्टेबाजी धोखाधड़ी मामले में दो आरोपी गिरफ्तार

मुंबई (एजेंसी)। सूरत पुलिस के साइबर अपराध प्रकोष्ठ ने 800 करोड़ के ऑनलाइन सट्टेबाजी धोखाधड़ी मामले में दो आरोपियों को मुंबई हवाई अड्डे से गिरफ्तार किया है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि जतिन ठक्कर उर्फ जॉन रैपर (27) और दीपकुमार ठक्कर (24) को अदालत में पेश किया, जहां से उन्हें छह दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया गया। साइबर अपराध प्रकोष्ठ ने इससे पहले सूरत के कतारगाम इलाके में छापेमारी कर मीत शाह, यश शिंदे, ऋषिकेश सपकाल, नीलेश सोलंकी और परेशकुमार मोदी को ऑनलाइन सट्टेबाजी पोर्टल या मंच के जरिए लोगों को ठगने के आरोप में गिरफ्तार किया था। पुलिस अधिकारी ने बताया कि आरोपी कथित तौर पर 149 बैंक खातों का उपयोग कर रहे थे और इन खातों के संबंध में पूरे भारत में 417 शिकायतें दर्ज कराई गई हैं। जतिन और दीपकुमार के फरार होने पर सूरत पुलिस ने उनके खिलाफ लुकआउट सर्कुलर (एलओसी) जारी किया था।

भारत के खिलाफ युद्ध छेड़ने और हथियार खरीदने के आरोप में 5 को आजीवन कारावास

कोलकाता (एजेंसी)। कोलकाता की एक कोर्ट ने जमात-उल-मुजाहिदीन बांग्लादेश के पांच सदस्यों को जिनमें से दो बांग्लादेशी नागरिक हैं, भारत के खिलाफ युद्ध छेड़ने और इस उद्देश्य के लिए हथियार खरीदने का दोषी पाया और उन्हें आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक आतंकवादी समूह जमात-उल-मुजाहिदीन बांग्लादेश (जेएमबी) के कार्यकर्ता भारत के कई राज्यों में बम विस्फोट जैसी गतिविधियों को अंजाम देने की योजना बना रहे थे। कोलकाता पुलिस की एसटीएफ ने सितंबर 2016 में पश्चिम बंगाल और असम से छह आरोपियों को विस्फोटक, आईईडी, भारत में विस्फोट करने की उनकी योजना के दस्तावेजों और अन्य सामग्रियों के साथ गिरफ्तार किया था। सिटी सत्र अदालत के विशेष न्यायाधीश रोहन सिन्हा ने छह आरोपियों में से पांच को दोषी करार दिया और उन्हें आजीवन कारावास की सजा सुनाई। कोर्ट ने बांग्लादेशी नागरिकों अनवर हुसैन फारुक और मोहम्मद रुबेल, पश्चिम बंगाल के बर्धमान निवासी मौलाना यूसुफ एसके और असम निवासियों मोहम्मद साहिदुल इस्लाम और जबीरुल इस्लाम को दोषी करार देते हुए सजा सुनाई है। छठे आरोपी बर्धमान निवासी अब्दुल कलाम को सबूतों के अभाव में बरी कर दिया गया।

वायु प्रदूषण पर बोलीं सोनिया गांधी- मुझ जैसे बुजुर्गों को हो रही परेशानी, कुछ करना सरकार की जिम्मेदारी

–संसद परिसर में विपक्ष ने किया जोरदार प्रदर्शन

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली-एनसीआर में लगातार वायु गुणवत्ता बिगड़ी हुई और इसे लेकर आज यहां संसद परिसर में विपक्ष ने राजनीतिक तापमान बढ़ा दिया। विपक्षी सांसदों ने मकर द्वार के सामने मास्क, पोस्टर और स्लोगन के साथ जोरदार विरोध प्रदर्शन करते हुए सरकार से त्वरित और ठोस कदम उठाने की मांग की। इस प्रदर्शन में कांग्रेस नेत्री सोनियां गांधी भी शरीक हुईं और वायु प्रदूषण के लिए सरकार को घेरा।

यहां सोनिया गांधी ने कहा, कि वायु प्रदूषण के कारण छोटे बच्चे परेशान हैं, मुझ जैसे बुजुर्गों को परेशानी हो रही। कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी ने प्रदर्शन में शामिल होते हुए कहा, कुछ करना सरकार की ज़िम्मेदारी है। छोटे बच्चे परेशान हैं, और मेरे जैसे बुज़ुर्ग लोगों के लिए भी यह मुश्किल है। सरकार को त्वरित कार्रवाई करनी चाहिए। संसद परिसर में विपक्ष के सांसदों ने मास्क और स्लोगन लिखे पोस्टर लेकर जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। वहीं सोनिया गांधी के बयान को विपक्ष की उस बढ़ती नाराजगी के रूप में देखा जा रहा है, जो दिल्ली की विषाक्त

हवा और केंद्रीय व राज्य सरकारों की निष्क्रियता पर केंद्रित है।

इसी बीच वायनाड से सांसद प्रियंका गांधी ने कहा, कि आखिर किस मौसम का मजा लें? खासतौर पर तब जबकि लोग सांस तक ठीक से नहीं ले पा रहे हों। उन्होंने कहा, बाहर देखिए क्या स्थिति बनी हुई है। छोटे बच्चे, बुजुर्ग सांस नहीं ले पा रहे हैं। हर साल स्थिति बिगड़ती जा रही है, हर साल सिर्फ बयानबाजी होती है। कोई ठोस कार्रवाई नहीं होती। हमने सरकार से कहा है कि कार्रवाई करे, हम उसके साथ खड़े हैं। यह कोई राजनीतिक मामला नहीं है। उन्होंने वायु गुणवत्ता को राष्ट्रीय स्वास्थ्य संकट बताया और इसे संसद में शीर्ष प्राथमिकता से उठाने की आवश्यकता दोहराई।

स्थगन प्रस्ताव दिया

कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी ने बताया, कि उन्होंने सदन में काम रोको प्रस्ताव दिया है। उनके अनुसार, दिल्ली में एक्यूआई 400 है, लोग बुरी स्थिति में हैं। बच्चों को सांस लेने में मुश्किल हो रही है। यह स्वास्थ्य की दृष्टि से एक बड़ी आपदा है। इस पर सदन में विस्तृत चर्चा होनी चाहिए।

दोनों सरकारें फेल : अजय माकन

कांग्रेस नेता अजय माकन ने दिल्ली और केंद्र सरकार दोनों पर सीधा हमला बोला। उन्होंने कहा, दिल्ली में, दिल्ली सरकार और केंद्र सरकार दोनों जिम्मेदार हैं। कोई भी अब ब्लेम गेम नहीं खेल सकता। जब तक दिल्ली में पब्लिक ट्रांसपोर्ट में सुधार नहीं होगा, प्रदूषण का मुद्दा हल नहीं होगा। कांग्रेस के 15 साल में हालात नियंत्रण में थे, लेकिन बीजेपी और आप दोनों दिल्ली में प्रदूषण रोकने में फेल हो गए हैं।

प्रदूषण पर कड़ा राजनीतिक दबाव

दिल्ली-एनसीआर में एक्यूआई लगातार 'बहुत खराब' से 'गंभीर' श्रेणी में बना हुआ है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ बार-बार चेतावनी दे रहे हैं कि स्थितियां बच्चों, बुजुर्गों और सांस संबंधी रोगियों के लिए बेहद खतरनाक हैं।

यूपी में कांग्रेस का समाजवादी पार्टी से टूटा नाता ! कांग्रेस ने पंचायत चुनाव अकेले लड़ने का किया ऐलान

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश में कांग्रेस पार्टी के एक फैसले से सूबे की राजनीति गरमा गयी है। दरअसल, पंचायत चुनाव से पहले कांग्रेस ने समाजवादी पार्टी से किनारा कर लिया है। इसके पीछे वजह यह है कि कांग्रेस पार्टी ने अकेले पंचायत चुनाव लड़ने का फैसला किया है। बताया जाता है कि यूपी कांग्रेस सांसदों की राहुल गांधी के साथ हुई बैठक में यह फैसला लिया गया है। यूपी कांग्रेस प्रभारी अविनाश पांडे ने कहा कि आने वाले पंचायत चुनाव में पार्टी अकेले चुनाव लड़ेगी। कहा जा रहा है कि बिहार विधानसभा चुनाव में मिली करारी हार के बाद कांग्रेस पार्टी अलग से पंचायत चुनाव लड़ने का फैसला किया। हालांकि कांग्रेस पार्टी के इस फैसले से अब इंडिया अलायंस के भविष्य पर सवाल उठने लगे हैं। वहीं राजनीतिक जानकार कांग्रेस के इस फैसले को उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव से पहले एक नए प्रयोग के रूप में देख रहे हैं। उल्लेखनीय है कि, बीते दिनों उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री व समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव ने कहा था कि कांग्रेस और समाजवादी पार्टी 2027 का विधानसभा चुनाव साथ मिलकर लड़ेगी। हमारा गठबंधन जारी रहेगा। मगर, कांग्रेस पार्टी के इस फैसले ने सभी को चौका दिया है। हालांकि, कांग्रेस के इस निर्णय पर समाजवादी पार्टी की तरफ से कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है। गौरतलब है कि लोकसभा चुनाव 2024 में सपा-कांग्रेस के गठबंधन प्रदेश की 80 सीटों से 43 सीटें अपने खाते में की थी।

झांसी की एसआईआर लिस्ट में अमिताभ बच्चन का नाम, मचा हड़कंप

– मकान नंबर 54 में दर्ज है नाम लेकिन वहां मंदिर मिला

झांसी (एजेंसी)। यूपी इन दिनों एसआईआर प्रक्रिया चर्चाओं में हैं। आए दिन इसको लेकर कुछ न कुछ चौंकाने वाली मामले सामने आ रहे हैं। अब एक और अजब-गजब मामला सामने आया है। जहां एसआईआर सूची में फिल्म अभिनेता अमिताभ बच्चन और उनके पिता हरिवंश राय बच्चन का नाम दर्ज मिला है, जिसको लेकर अब हड़कंप मचा गया है। सवाल उठ रहे हैं कि आखिर ऐसे नाम सूची में कैसे पहुंचे?

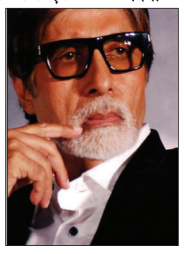

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अमिताभ बच्चन ओरछा गेट बाहर के खुशीपुरा इलाके की वोटर लिस्ट में उनका नाम और मकान नंबर 54 दर्ज है। साफतौर से ये भी बताया गया है कि अमिताभ बच्चन ने साल 2003 में वोट भी डाला था, साथ ही लिस्ट के मुताबिक अमिताभ बच्चन की उम्र 76 साल की है। इसको लेकर जब पड़ोसियों ने बताया तो हर कोई हैरान रह गया। पड़ोसियों ने कहा कि हमने अमिताभ बच्चन को सिर्फ फिल्मों में देखा है।

रिपोर्ट के मुताबिक एसआईआर लिस्ट में अमिताभ बच्चन के नाम के साथ जो मकान नंबर-54 दर्ज है वह मकान नंबर सुरेंद्र कुमार (76) पुत्र राजेश कुमार के नाम दर्ज पाया गया है। दोनों मतदाताओं का नाम लिस्ट में 543 और 544वें नंबर पर देखा गया है। वहीं पूरा मामले में यूटर्न तब आया जब मकान नंबर 54 की जगह यहां मंदिर मिला। नाम सामने आते ही प्रशासन में खलबली मच गई। विभाग में घमासान और जांच की मांग तेज हो गई है। फिलहाल विभाग में जवाबदेही को लेकर चर्चाएं तीखी हो गई हैं और मामला गर्माता जा रहा है।

सीएम रेंवत के बयान पर बीजेपी का आरोप, हिंदू-विरोधी राजनीति कर रहे है और मुस्लिम लीग जैसी सोच

हैदराबाद (एजेंसी)। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए.रेवंत रेड्डी के हिंदू देवी-देवताओं पर दिए गए बयान से विवाद पैदा हो गया है। सीएम रेड्डी ने कांग्रेस की अंदरूनी बैठक में पार्टी के भीतर विभिन्न विचारधाराओं और समूहों को समायोजित करने की प्रक्रिया को समझाने के लिए हिंदू धर्म में देवी-देवताओं की विविधता का उदाहरण दिया। उन्होंने कहा कि हिंदुओं के तीन करोड़ देवी-देवता हैं, और हर परिस्थिति के लिए अलग देवता माने जाते हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार, उन्होंने विभिन्न देवताओं के उदाहरण दिए, जैसे अविवाहितों के लिए हनुमान, दो बार शादी करने वालों के लिए अलग देवता, शराब पीने वालों के लिए अलग देवता, आदि। सीएम रेंवत के बयान पर भाजपा और बीआरएस (बीआरएस) दोनों ने इस बयान पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त देकर मुख्यमंत्री से माफी की मांग की है। भाजपा ने आरोप लगाया है कि कांग्रेस हिंदू-विरोधी राजनीति कर रही है और मुस्लिम लीग जैसी सोच के साथ काम कर रही है। भाजपा के

राष्ट्रीय प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने हिंदू देवी-देवताओं का अपमान और अर्बन नक्सली मानसिकता का उदाहरण बताया। उन्होंने कांग्रेस पर हिंदू आस्थाओं पर बार-बार हमला करने का आरोप लगाया और हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री के राधे-राधे अभिवादन पर आपत्ति जताने की घटना का भी उल्लेख किया। भाजपा ने कांग्रेस सांसद इमरान मसूद के जिहाद संबंधी टिप्पणी के समर्थन और कांग्रेस सांसद रेणुका चौधरी की भौं-भौं वाली प्रतिक्रिया पर भी निशाना साधा, इसे कांग्रेस के मुस्लिम लीग एजेंडा का हिस्सा बताया। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता संबित पात्रा ने इस बयान को आपत्तिजनक और घृणित बताते हुए कांग्रेस के भीतर हिंदू-विरोधी भावनाओं का जहर उजागर होने की बात कही।

इसके बाद में मुख्यमंत्री रेड्डी ने दावा किया कि भाजपा उनके बयान को तोड़-मरोड़ रही है। उन्होंने कहा कि उन्होंने यह बात कांग्रेस के भीतर की आंतरिक विविधता को समझाने के लिए कही थी ताकि नए डीसीसी अध्यक्ष सभी को साथ लेकर चल सकें। यह विवाद तब सामने आया है जब तेलंगाना की नई कांग्रेस सरकार संगठन को मजबूत करने और व्यापक समूहों तक पार्टी की विचारधारा पहुँचाने की कोशिश कर रही है। यह घटना तेलंगाना की राजनीति में एक तीखी बहस का विषय बन गई है, जिसमें विपक्षी दल कांग्रेस पर हिंदू भावनाओं को ठेस पहुँचाने और मुस्लिम तुष्टिकरण का आरोप लगा रहे हैं।

राहुल गांधी की नागरिकता को दाखिल परिवाद पर सुनवाई आज

नई दिल्ली(एजेंसी)। रायबरेली (ईएमएस)। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और रायबरेली से कांग्रेस सांसद राहुल गांधी की ब्रिटिश नागरिकता को लेकर रायबरेली की एमपी-एमएलए कोर्ट में दाखिल परिवाद पर कल कोर्ट सुनवाई करेगा। बेंगलुरु के रहने वाले भाजपा नेता एस. विग्नेश शिशिर ने हाईकोर्ट के अधिवक्ता विंदेश्वरी पांडेय के माध्यम से बुधवार को प्रार्थना पत्र दिया था। इस पर कोर्ट ने शहर कोतवाली पुलिस से प्रकरण की रिपोर्ट तलब की है।

एस. विग्नेश शिशिर ने राहुल गांधी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 318, 335, 340, 236, 237, 61, 148,147, 152, 238, 336, 351, 354,359, 241 सहित पासपोर्ट अधिनियम व विदेशी अधिनियम की विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कराने का प्रार्थना पत्र विशेष न्यायाधीश डा. विवेक कुमार के समक्ष दाखिल किया है। कोर्ट ने न्यायालय ने

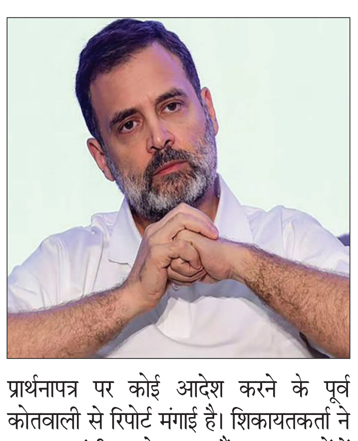

प्रार्थनापत्र पर कोई आदेश करने के पूर्व कोतवाली से रिपोर्ट मंगाई है। शिकायतकर्ता ने राहुल पर गंभीर आरोप लगाए हैं। कुछ धाराओं में आजीवन कारावास से लेकर मृत्युदंड तक के प्रावधान है। दोहरी नागरिकता, फर्जी पासपोर्ट, गोपनीय सूचना दुश्मनों को पहुंचाना, बेनामी संस्था बनाने जैसे गंभीर आरोप है। कोर्ट ने प्रकीर्ण वाद में दर्ज कर सुनवाई के लिए कल पांच दिसम्बर की तिथि नियत की है।

भाजपा कार्यकर्ता एस विग्नेश शिशिर ने बताया कि एमपी-एमएलए कोर्ट में सांसद राहुल गांधी के खिलाफ ब्रिटिश नागरिकता को लेकर एप्लीकेशन दी गयी है। कोर्ट से इस मामले में मुकदमा दर्ज करने की मांग की है। इस मामले में न्यायालय ने कोतवाली पुलिस रायबरेली से रिपोर्ट मांगी है। जांच की रिपोर्ट भी जल्दी मिल जाएगी। इस मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और सीबीआई पहले से जांच कर रही है। शिशिर ने कहा कि भारत की राजनीति में पहली बार ऐसा हुआ कि कोई विदेशी नागरिक हमारे संसद में 20 साल से बैठे हैं। इस मामले में जल्द ही सुनवाई होगी और फैसला भी सुनाया जाएगा। ब्रिटिश सरकार से भी पासपोर्ट आ गया है। भारतीय सरकार से भी हमें जानकारी मिली है। जो भी डॉक्यूमेंट न्यायालय मांगेगा या पुलिस मांगेगी, उसमें पूरी सहायता करने के लिए हम पूर्ण रूप से तैयार हैं।

बिहार चुनाव की नाराजगी के बाद झारखंड में उबाल: हेमंत सोरेन भाजपा के साथ जा सकते हैं?

रांची (एजेंसी)। बिहार विधानसभा चुनाव में महागठबंधन की करारी हार के बाद झारखंड की सियासत में भूचाल आ गया है। वजह है झारखंड मुक्ति मोर्चा (जेएमएम) की नाराजगी। बिहार चुनाव में जेएमएम को एक भी सीट नहीं दी गई थी, जिससे पार्टी बेहद खफा है। अब मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन अपनी पत्नी कल्पना सोरेन के साथ दिल्ली में डेरा डाले हुए हैं। राजनीतिक गलियारों में तेज चर्चा है कि जेएमएम एनडीए के साथ जा सकती है और झारखंड में नई सरकार बन सकती है।

2024 के झारखंड विधानसभा चुनाव में महागठबंधन ने शानदार प्रदर्शन किया था। 81 में से 56 सीटें जीती थीं - जेएमएम 34, कांग्रेस 16, राजद 4 और वाम दल 2। बीजेपी को सिर्फ 20 सीटें मिली थीं। अगर जेएमएम महागठबंधन छोड़कर बीजेपी के साथ आती है तो सिर्फ दो दलों की सीटें (34 + 20 = 54) ही बहुमत के जादुई आंकड़े 42 से कहीं ऊपर पहुँच जाएंगी। अगर पूरा एनडीए जेएमएम के साथ आता है तो तस्वीर और मजबूत होगी। बीजेपी (20) + जेएमएम (34) + आजसू (1) + एलजेपी (1) + जेडीयू (1) = कुल 57 सीटें। यानी भारी बहुमत। इससे मौजूदा महागठबंधन सरकार अपने आप गिर जाएगी और हेमंत सोरेन एक बार फिर मुख्यमंत्री बन सकते हैं, इस बार बीजेपी के समर्थन से। सियासी जानकार मानते हैं कि बिहार में नीतीश कुमार की जीत और राजद की हार के बाद जेएमएम को लगा कि कांग्रेस-राजद के साथ रहने से उसका भविष्य सुरक्षित नहीं है। बिहार में सीट न मिलना आखिरी झटका साबित हुआ। यही वजह है कि हेमंत सोरेन दिल्ली में बीजेपी के शीर्ष नेतृत्व से लगातार संपर्क में बताए जा रहे हैं। हालांकि जेएमएम के प्रवक्ता सुप्रियो भट्टाचार्य ने साफ इनकार किया है। उन्होंने कहा, यह सिर्फ अफवाह है। हम महागठबंधन के साथ हैं और रहेंगे। मगर दिल्ली में सोरेन दंपती की मौजूदगी और बंद कमरों में चल रही बैठकों ने सारी अटकलों को हवा दे दी है। अगर यह उलटफेर हुआ तो झारखंड की राजनीति में पिछले दस साल का सबसे बड़ा सियासी धमाका होगा। देखना यह है कि हेमंत सोरेन पुरानी दोस्ती निभाते हैं या नया गठबंधन चुनते हैं।

जीव दया और कबूतर बचाव अभियान के तहत जैन समुदाय 7 दिसंबर को मुंबई में मार्च निकालेगा

मुंबई (एजेंसी)। जैन समुदाय 7 दिसंबर को मुंबई में एक बड़ा मार्च निकालेगा। जीव दया और कबूतर बचाव अभियान की शुरुआत जैन मुनि नीलेशचंद्र विजय महाराज के नेतृत्व में शुरू किया जाएगा। यह मार्च कोलाबा जैन मंदिर से शुरू होगा और लालबाग, भायखला, डोंगरी, लोअर परेल होते हुए दादर कबूतरखाना जैन मंदिर और दूसरे बड़े जैन मंदिरों तक जाएगा। मार्च के दौरान जैन समुदाय में जागरूकता पैदा करने के लिए प्रवचन और कई तरह के कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। अभियान को बड़े पैमाने पर समर्थन देने की अपील भी की जाएगी। खबर है कि नीलेशचंद्रजी महाराज जीव दया और कबूतर बचाव आंदोलन को और मजबूत करने के लिए दादर में फिर से अनशन करने की तैयारी कर रहे हैं। सरकार का ध्यान खींचने के लिए जैन समुदाय के आक्रामक रुख अपनाने की संभावना है। नीलेशचंद्र महाराज कहते हैं कि जैन समाज ने किसी के मंदिर या घर तोड़कर जैनालय नहीं बनाया। यह जैन समाज शांतिप्रिय समाज है। लेकिन हमारे विले पार्ले का मंदिर बुलडोज़र से गिरा दिया गया, तो उन्होंने गैर-कानूनी मस्जिदें क्यों नहीं गिराईं? दो नेता मुझसे मिले हैं, उन्होंने कहा कि हम 15 दिन बाद कोई हल निकालेंगे, लेकिन बात नहीं बनी। देवेंद्र फडणवीस के साथ जो गद्दार नेता समाज को तोड़ रहे हैं, उनकी खैर नहीं है। मेरी जान भी चली जाए, तो भी मैं उन्हें नहीं छोड़ूंगा। मुझे जो मैसेज देना था, वह मैंने देवेंद्र फडणवीस को दे दिया है। जो भी हिंदी के हित में कुछ करेगा, हम उसका साथ देंगे। क्या जैन समाज आने वाले चुनाव लड़ेगा? इसपर जैन मुनि नीलेशचंद्र जी ने कहा, हां, मैं पूरे भारत में अभियान शुरू करूंगा, हर समाज की एक पार्टी होती है। तो जैन समुदाय के लिए कोई पार्टी क्यों नहीं है, हमें कुछ चीज़ों के लिए इधर-उधर भागना पड़ता है। हमें सड़कों पर उतरना पड़ता है। हम एक शांतिप्रिय और प्यार करने वाला समुदाय हैं। हम किसी के झगड़ों में नहीं पड़ते। हम लड़ाई-झगड़ों में नहीं पड़ते। जब विदर्भ में बाढ़ आई थी, तो मैंने वहां दो करोड़ रुपये भेजे, हमने देवेंद्र फडणवीस को चेक दिया, हमने महाराष्ट्र के लोगों के लिए दिया, ऐसे कई उदाहरण हैं।

बाबरी से मिलती-जुलती मस्जिद बनाने का दावा करने वाले कबीर टीएमसी से निलंबित

कोलकाता (एजेंसी)। बाबरी से मिलती जुलती मस्जिद बनाने का दावा कर रहे विधायक हुमायूं कबीर को टीएमसी ने निलंबित कर दिया है। कबीर ने 6 दिसंबर को मुर्शिदाबाद जिले में मस्जिद की नींव रखने की बात कही थी। इसके बाद से ही प्रशासन अलर्ट था। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक टीएमसी विधायक कबीर के इस फैसले से सीएम ममता बनर्जी नाराज थीं। हालांकि इस पर आधिकारिक तौर पर कुछ नहीं कहा गया है।

पुतिन का दौरा अहम, तकनीक-ऊर्जा सहयोग और यूक्रेन युद्ध पर हो सकती है चर्चा

–पूर्व राजनयिक त्रिगुणायत ने कहा– कंपनियों को सामरिक रिश्तों का लाभ उठाना चाहिए।

नई दिल्ली (एजेंसी)। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन गुरुवार को दो दिवसीय दौरे पर भारत आ रहे हैं। पुतिन की यात्रा को लेकर पूर्व भारतीय राजनयिकों का मानना है कि परमाणु प्लांट से जुड़े विषय, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और तकनीक के अलावा पुतिन और पीउम मोदी के बीच द्विपक्षीय वार्ता में यूक्रेन युद्ध पर भी चर्चा हो सकती है। पूर्व राजनयिक अनिल त्रिगुणायत ने कहा कि रूस हर मुश्किल वक्त में भारत के साथ खड़ा रहा है। इस कड़ी में 25 साल पहले यह तय हुआ कि समय-समय पर दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय वार्ताएं होंगी। उसी आधार पर पुतिन भारत आ रहे हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अनिल त्रिगुणायत ने कहा कि पिछले 25 सालों में भारत-रूस संबंध बहुत मजबूत हुए हैं। पीएम मोदी और राष्ट्रपति पुतिन के बीच आपसी समझ भी काफी अच्छी है। रूस-यूक्रेन युद्ध पर त्रिगुणायत ने कहा कि संभावना है कि पुतिन बातचीत में पीएम मोदी से यूक्रेन के विषय पर बात कर सकते हैं। पीएम मोदी ने हमेशा युद्धविराम की बात की है। रूस-यूक्रेन की लड़ाई इसलिए चिंताजनक है, क्योंकि इसका असर पूरी दुनिया पर पड़ रहा है।

त्रिगुणायत ने कहा कि एनर्जी सिक्योरिटी में रूस की बहुत बड़ी भूमिका है। उसके चलते भारत के ऊपर कुछ अतिरिक्त शुल्क भी लगा है। हालांकि, भारत ने इतना ध्यान नहीं दिया है। उन्होंने कहा कि मेरा मानना है कि द्विपक्षीय वार्ता में इस पर भी चर्चा हो सकती है। अगर रूस अपने सरप्लस को रणनीतिक तरीके से भारत में निवेश करना चाहे तो वह उसके लिए बहुत बड़ा अवसर है। इसी तरह भारतीय कंपनियों के लिए भी यह बड़ा मौका है। कंपनियों को भी सामरिक रिश्तों का लाभ उठाना चाहिए।

वहीं, पूर्व राजनयिक वीना सिकरी ने कहा कि ऐसा लगता है कि पुतिन का यह एक बहुत ही अहम दौरा है। इसके पीछे कई कारण हैं। दुनिया भर में जियोपॉलिटिकल हालात बहुत नाजुक हैं। दो युद्ध चल रहे हैं, जो अभी खत्म नहीं हैं, बल्कि तनाव बना हुआ है। इसके अलावा भारत पर अमेरिका की तरफ से ज्यादा टैरिफ को लेकर काफी दबाव है, जिसका ज्यादातर हिस्सा उस एनर्जी से जुड़ा है जो भारत रूस से खरीद रहा है। सिकरी ने कहा कि रूस की ओर से विकसित सुखोई-57 स्टील्थ फाइटर जेट बहुत अहम है और भारत सरकार इस पर गंभीरता से विचार कर रही है।

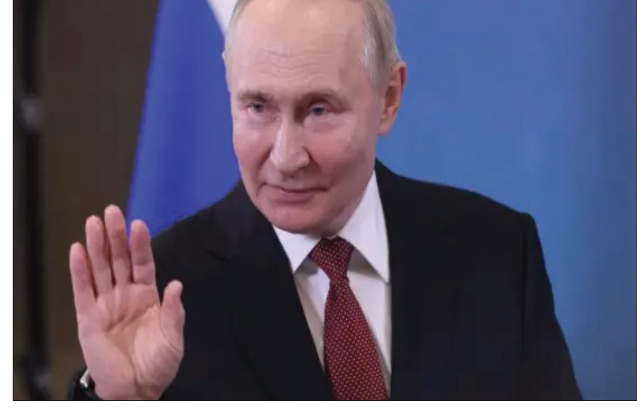

केक काटने जा रहे युवक को मारी गोली, 18 दिन पहले मिली थी जीवन में बड़ी खुशी

नई दिल्ली। दिल्ली के शाहदरा इलाके में बर्थडे मनाने जा रहे एक युवक की चंद ही मिनटों पहले गोली मारकर हत्या कर दी। मृतक की शिनाख्त गगन आही (27) के रूप में हुई है। गगन में घर में बर्थडे केक काटने की तैयारी कर रहा था। इस बीच उसके दो जानकार युवक घर पहुंचे। आरोपियों ने उसे कॉल कर बाहर बुलाया। बाद में गला लगाकर विश करने के दौरान सिर में गोली मार दी। बाद में आरोपी हवा में 2-3 राउंड गोलियां चलाकर मौके से फरार हो गए। सूचना मिलते ही जिला पुलिस उपायुक्त समेत वरिष्ठ पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंच गए। क्राइम टीम व एफएसएल को मौके पर बुला लिया गया। पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर एक आरोपी कुणाल (27) को गिरफ्तार कर लिया है। वारदात में इस्तेमाल बाइक को भी बरामद कर लिया गया है। छानबीन के दौरान पुलिस को पता चला है कि गगन का आरोपियों से दो दिन पहले किसी क्लब में झगड़ा हुआ था। कहासुनी के बाद जमकर विवाद हुआ था। उसी सिलसिले में बातचीत करने के लिए आरोपी गगन के घर पहुंचे थे। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि दोनों ही आरोपी गगन के जानकार हैं। पकड़े गए आरोपी से पूछताछ की जा रही है। शाहदरा जिला के पुलिस उपायुक्त प्रशांत गौतम ने बताया कि गगन अपने परिवार के साथ नवीन शाहदरा में रहता था। इसके परिवार में पिता रवि कुमार के अलावा मां, पत्नी व 18 दिन का बेटा है। इसी साल फरवरी में गगन की शादी हुई थी। गगन का प्रॉपर्टी के अलावा फाइनेंस का काम करता था। शुक्रवार रात को वह घर पहुंचा था। शनिवार उसका जन्मदिन था। पत्नी व परिजनों ने रात करीब 12.00 बजे केक काटने की तैयारी की हुई थी। इस बीच रात करीब 11 बजे बाइक सवार दो युवक उसके घर पहुंचे। उन्होंने कॉल कर गगन को बुलाया। दोनों ही उसके जानकार थे। गगन के बाहर आते ही दोनों उसे एक ओर ले गए। इस बीच एक युवक ने उसे बर्थडे विश करने के लिए गले लगा लिया। दूसरे युवक ने पिस्टल निकालकर उसकी कनपटी से सटाकर गोली मार दी। गगन वहीं गिर गया। दोनों युवक हवा में गोली चलाते हुए मौके से फरार हो गए। गोली चलने की आवाज सुनकर परिजन बाहर निकले तो देखा कि गगन की लाश वहां पड़ी थी। बाद में करीब 11.09 बजे पुलिस को सूचना दी गई। खबर मिलते ही पुलिस घटना स्थल छोटू हलवाई शॉप, बी-ब्लॉक, नवीन शाहदरा पहुंची। पुलिस ने औपचारिकताएं पूरी करने के बाद शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। जन्मदिन वाले दिन गगन के शव का पोस्टमार्टम हुआ। बाद में शव परिवार के हवाले कर दिया गया। पुलिस ने एक आरोपी कुणाल को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस उपायुक्त ने बताया कि गगन शाहदरा थाने का घोषित बदमाश था। उसके खिलाफ छेड़छाड़, झगड़ा करने और अवैध हथियार के चार मामले दर्ज थे। पांच दिन पहले ही वह झगड़े के मामले में गिरफ्तार हुआ था। बाद में उसे जमानत पर छोड़ दिया गया था। पुलिस पकड़े गए आरोपियों से पूछताछ कर मामले की छानबीन कर रही है। बाकी आरोपियों की तलाश की जा रही है। हत्या का मामला दर्ज कर एक आरोपी कुणाल को गिरफ्तार कर लिया गया है, वारदात में इस्तेमाल बाइक बरामद कर ली गई है।

डीएमआरसी ने पुलबंगश में बिना रुकावट रेड लाइन के नीचे बनाई टनल

नई दिल्ली। रेल सेवा में बिना कोई रुकावट डाले दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन (डीएमआरसी) ने अपने चौथे फेज के विस्तार के तहत पुलबंगश में रेड लाइन के नीचे टनल बनाने में सफलता प्राप्त कर ली है। यह टनल मैजेंटा लाइन के जनकपुरी वेस्ट-आरके आश्रम मार्ग एक्सटेंशन का हिस्सा है, जो पुलबंगश और सदर बाजार को जोड़ता है।

डीएमआरसी के अधिकारियों के अनुसार, इस टनल का निर्माण अत्यधिक तकनीकी चुनौतीपूर्ण था, लेकिन इसके बावजूद रेड लाइन पर चल रही ट्रेन सेवाओं को बिना किसी रुकावट के जारी रखा गया। टनल बोरिंग मशीन (टीबीएम) ने एलिवेटेड वायडक्ट के ठीक नीचे काम किया, जिससे पूरी प्रक्रिया को और भी जटिल बना दिया। इस निर्माण में सुरक्षा को प्राथमिकता दी गई थी, क्योंकि रेड लाइन का स्ट्रक्चर बैलेंस्ड कैंटिलीवर स्पैन के साथ खुली नींव पर स्थित था, जिसके तहत टनलिंग के लिए कई अतिरिक्त सुरक्षा उपायों की जरूरत थी। इसके लिए खास तौर पर ज़मीन को मजबूत करने के लिए ट्यूब-ए-मैनचेट (टीएएम) ग्राउटिंग तकनीक का इस्तेमाल किया गया। डीएमआरसी ने इस प्रक्रिया के दौरान जमीन की हलचल, घाट के ओवरब्रिज और आसपास की इमारतों की स्थिति पर रियल टाइम निगरानी की। अधिकारियों ने बताया कि डाउनलाइन टनल पूरी हो चुकी है और अप-लाइन टनल पर भी इसी तरह के सावधानीपूर्वक काम किए जा रहे हैं। डीएमआरसी के अधिकारियों ने यह भी बताया कि यह ऑपरेशन बेहद महत्वपूर्ण था, क्योंकि रेड लाइन पर हर दिन लगभग सात लाख यात्री सफर करते हैं और किसी भी प्रकार की रुकावट से भारी परेशानी हो सकती थी।

शकरपुर स्कूल ब्लॉक-2 में सीवर जाम और अतिक्रमण से बेहाल ज़िंदगी

पूर्वी दिल्ली। शकरपुर स्थित स्कूल ब्लॉक-2 के निवासी अतिक्रमण, सीवर जाम और कूड़े की समस्या से परेशान हो गए हैं। यहां नहीं, कॉलोनियों में पीने के लिए सीवर का पानी आने से उनका जीना मुहाल हो गया है। ऐसे में उन्हें पानी मजबूरन खरीद कर पीना पड़ रहा है। इसके अलावा, गलियों में गाद पड़ी रहती है। साथ ही, कॉलोनियों में शौचालयों की सुविधा नहीं होने से राहगीरों को परेशान होना पड़ रहा है। वहीं, इलाके में पुलिस की गश्त नहीं होने से बदमाशों के हौसले बुलंद हो गए हैं। आरोप है कि इन तमाम समस्याओं को लेकर प्रशासन से कई बार शिकायत की गई है, लेकिन वे उनकी समस्याओं को अनदेखा कर देते हैं। अमर उजाला संवाद कार्यक्रम में रविवार को रवि दत्त त्यागी, अशोक शर्मा, अंशुल वर्मा, जगदीश कुमार, अमित कुमार, आदित्य त्यागी, अनिल त्यागी, लक्ष्मी चंद त्यागी, कृष्ण कुमार झा, राहुल त्यागी और सुंदर लाल समेत अन्य लोगों ने बताया, लोगों के घरों में सीवर का पानी आ रहा है, जिसे पीकर लोगों के स्वास्थ्य खराब हो रहे हैं। गंदे पानी की सप्लाई की वजह से उन्हें पानी खरीदना पड़ रहा है। कई लोगों को मजबूरन अपने घरों में आरओ लगाने पड़े हैं। ऐसे में उनके घरों का बजट बिगड़ रहा है। इसके अलावा कॉलोनियों में जो सीवर की पाइपलाइन डाली गई है, वो बहुत पुरानी हो चुकी है। सीवरों के अंदर गाद जमी हुई है, जिसकी वर्षों से सफाई नहीं की गई है। ऐसे में सीवर का पानी गलियों में बहता रहता है। इससे आवाजाही करने वाले लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। इसके अलावा लोगों ने पूरी गलियों में कब्जा कर लिया है। यहां तक की लोगों को फुटपाथ पर चलने के लिए जगह भी नहीं मिलती है। साथ ही, इलाके में शौचालयों की सुविधा न होने से स्थानीय लोगों और राहगीरों दोनों को परेशान होना पड़ रहा है। इलाके में जो शौचालय बना हुआ है, वे भी बदहाल पड़ा हुआ हैं। वहीं, आरोप है कि पुलिस की गश्त नहीं होने से इलाके में वारदात की घटनाएं बढ़ती जा रही हैं।

PUBLIC NOTICE

I, Amit Kumar S/O Bihari Bhagat R/O D-428, Gali No.-1, Gagan Vihar, Bhopura, Sahibabad, Ghaziabad, Uttar Pradesh-201005, declare that name of my father and mother has been wrongly written as Laxmi And Bahadur Singh in my all Educational Documents and name of my father has been wrongly written as Bahadur Singh in my Pan Card No-GMAPK1849B. the actual name of my father and mother are Laxmi Devi And Bihari Bhagat, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE

I Joginder S/O: Matu Ram, HOUSE NO-442, Bhogipur (161), PO: Garhi Rajlu, DIST: Sonipat, Haryana-131101 have changed my name to Joginder Singh for all future purposes.

NAME CHANGE

I Qamruddin S/o Shoukat Ali, R/o Dhokpuri Tanda, Rampur, Uttar Pradesh-24492 have changed my name to Kamruddin for all future purposes.

NAME CHANGE

I Sunita Rani W/O Hari Dass Singla R/o C-13/77 Sector - 3 Rohini North West Delhi, Delhi -110085 have changed my name to Sunita Singla for all future purposes.

सार्वजनिक सूचना

यह समस्त जनसाधारण को सूचित किया जाता है कि श्री दया किशन, पुत्र श्री प्रभाती लाल, निवासी 1702, कटरा मुलतानी बस्ती, जुलाहन, सदर बाज़ार, दिल्ली तक्क, नॉर्थ दिल्ली-110006, तथा उनकी पत्नी श्रीमती शारदा देवी, पत्नी श्री दया किशन, उपर्युक्त पते पर निवासरत, ने अपने पुत्र श्री शुभम एवं पुत्रवधू श्रीमती भावना को अपनी समस्त चल-अचल (movable & immovable) संपत्तियों से अभिभावकत्व/उत्तराधिकार से वंचित (Debar) कर दिया है। उक्त दोनों व्यक्तियों के झगड़ालू, अभद्र एवं अहंकारी व्यवहार के कारण, श्री दया किशन एवं श्रीमती शारदा देवी ने उनसे सभी संबंध पूर्णतः समाप्त कर लिए हैं। जनता को यह भी अवगत कराया जाता है कि आज की तिथि से मेरे मुवक्किल श्री दया किशन एवं श्रीमती शारदा देवी का श्री शुभम या श्रीमती भावना द्वारा किए गए किसी भी कार्य, लेन-देन, ऋण, देयता या अवैध गतिविधि से कोई संबंध नहीं होगा। कोई भी व्यक्ति उनसे अपनी जिम्मेदारी और जोखिम पर ही किसी प्रकार का व्यवहार या लेन-देन करे।

VISHAL KR. SINGH (ADVOCATE)
(D/3778/20)
Chamber No. 505,
Lawyers Chamber Block,
Dwarka Courts Complex,
Dwarka Sector-10, New Delhi - 110075

NAME CHANGE

I, Prince Puchar S/o Keshav Chander Puchar, R/o G-903A, Signature Global The Rosellia, Dhanawas (119), Wazirpur, Gurgaon - 122505, Haryana have changed my name to Prince Puchaar for all intends and purposes.

NAME CHANGE

I, AMIT KUMAR TEKARIA S/O RAM NIWAS R/O Quarter No – 4 , Ground Floor Type – 2 Police Station Subzi Mandi Malka Ganj North Delhi Delhi - 110007 have changed the name of my minor daughter TIYA aged 12 years and she shall hereafter be known as TIYA TEKARIA .

NAME CHANGE

I, AMIT KUMAR TEKARIA S/O RAM NIWAS R/O Quarter No – 4 , Ground Floor Type – 2 Police Station Subzi Mandi Malka Ganj North Delhi Delhi – 110007 have changed the name of my minor daughter NITYA aged 5 years and she shall hereafter be known as NITYA TEKARIA .

NAME CHANGE

I hitherto known as BEENA D/O MAMCHAND W/O AMIT KUMAR TEKARIA R/O Quarter No – 4 , G/F , Type – 2 Police Station , Subzi Mandi, Malka Ganj, North Delhi , Delhi – 110007 have changed my name and shall hereafter be known as BEENA TEKARIA .

NAME CHANGE

I, NEETU W/O ARUN KUMAR SONI R/O House Number - C - 84 /B Block - C , Saurabh Vihar Jaitpur Extension , Badarpur , PO: Badarpur , Dist : South Delhi , Delhi - 110044 have changed the name of my minor son ADVIL SONI aged 5 years and he shall hereafter be known as ADVIK SONI .

NAME CHANGE

I, Varun Pradeep Hedaoo S/O Pradip Baburao Hedaoo R/O C4 Type 4, Tower 5, East Kidwai Nagar, South West Delhi 110023 Have Changed My Name to Varun Pradip Hedaoo for All Future Purposes.

NAME CHANGE

I HAR KOUR W/O PREM SINGH R/O H.N0-5H/6, NIT-5 FARIDABAD-121001 HAVE CHANGE MY NAME TO HAR KAUR ARORA FOR ALL PURPOSE

NAME CHANGE

I, JYOTI URE JASODA W/o Bharat Bhushan R/o 105, New Four Storyed, Vishal Enclave, Tagore Garden, Delhi-110027, have changed my name to JYOTI permanently

NAME CHANGE

I, KANCHAN SHARMA W/o Late Sh. Sunil R/o M-146, S/F, Guru Har Kishan Nagar, United Tile Adhesive, Main Road, Paschim Vihar, Delhi-110087, have changed my name to KANCHAN BALA permanently

NAME CHANGE

I, Chirag Kumar Ravindra Kumar Mittal S/O Ravindra Kumar Ved Prakash Mittal R/o A014, Dlf New Town Heights, Sector 90, Gurgaon, Haryana - 122505 have changed my name to Chirag Mittal permanently.

सार्वजनिक सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे मुवक्किल श्री नीरज शहरावत उर्फ नीरज कुमार, पुत्र ईश्वर सिंह, निवासी ग्राम व पोस्ट सदरपुर, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश 201001, एक आवासीय प्लाट संख्या 53, क्षेत्रफल 60 वर्ग गज, खसरा संख्या 668, स्थित उन्नति विहार, ग्राम मटियाला, कालकाग़ी, गोविंदपुरम, परगना डासना, तहसील व जिला गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश, के मालिक व काबिज खतौनी फसली वर्ष 1426-1431 द्वारा मालिक व काबिज है। कथित संपत्ति भार मुक्त है, न किसी प्राधिकरण द्वारा अधिगृहित है न ही कोई मामला किसी न्यायालय मे लंबित है। वर्तमान में, मेरे मुव्विकल कथित सम्पत्ति को श्रीमती सुरावसा पत्नी श्री रामपाल को बेच रहे है जो आधार हाउसिंग फाइनेन्स लि0, शाखा आर डी सी, राज नगर, गाजियाबाद, उत्तरप्रदेश, के द्वारा फाइनेन्स किया जा रहा है। यदि किसी व्यक्ति को उक्त कथित सम्पत्ति के संबध में कोई आपत्ति हो तो अधोहस्ताक्षरी या आधार हाउसिंग फाइनेन्स लि0 के समक्ष इस प्रकाशन के 7 दिनों के भीतर अपनी आपत्ति उचित कागजात के साथ रखे / संपर्क करे, अन्यथा कथित सम्पत्ति के संबंध में दावा अवैध व व्यर्थ माना जायेगा।

रूपेश कुमार रौशन अधिवक्ता
डी-803, नन्दग्राम,
गाजियाबाद, उ0 प्र0 201003
roushan.rupesh@gmail.com

NAME CHANGE

I, RAJKUMAR PRASAD YADA Father of No-14680083P Rank-HAV Name-BIPIN KUMAR Presently residing at VILL-AMDAHA, PO-BARI MANGHGAI, TEH-HAVALI KHARAGPUR, DIST-MUNGER, BIHAR-811213, have changed my name from RAJKUMAR PRASAD YADA to RAJ KUMAR YADAV for all future purposes and in my son's service records my date of birth wrongly mentioned as 01/07/1965 instead of my correct date of birth as 01/01/1966 vide Affidavit dated 04/12/2025 before Notary Public Delhi.

NAME CHANGE

I, SABITA DEVI Mother of No-14680083P Rank-HAV Name-BIPIN KUMAR Presently residing at VILL-AMDAHA, PO-BARI MANGHGAI, TEH-HAVALI KHARAGPUR, DIST-MUNGER, BIHAR-811213, have changed my name from SABITA DEVI to SAVITA DEVI for all future purposes and in my son's service records my date of birth wrongly mentioned as 01/07/1970 instead of my correct date of birth as 01/01/1972 vide Affidavit dated 04/12/2025 before Notary Public Delhi.

NAME CHANGE

I Ishrat Jahan W/O Abdul Rehman R/O. H.No-201, Gali No-8, B-Block, Phase-2, Bhagirathi Vihar Delhi 110094 have changed my name to Ishrat.

NAME CHANGE

I Abdul Rahman S/O Ishak R/O. H.No-201, Gali No-8, B-Block, Phase-2, Bhagirathi Vihar Delhi 110094 have changed my name to Abdul Rehman.

NAME CHANGE

I hitherto known as KRISHANA DEVI alias KRISHNA DEVI D/o SARDAR SINGH W/O DEVENDER SINGH R/O B - 2/33 , Sector -20 , Rohini , North West Delhi , Delhi - 110086 have changed my name and shall hereafter be known as KRISHNA DEVI.

सार्वजनिक सूचना

आम जनता को सूचित किया जाता है कि मेरे मुवक्किल श्री संजय और उनकी पत्नी माला, निवासी सी.पी.ओ.-122, मदनगीर अंबेडकर नगर, नई दिल्ली 110062, ने अपने बेटे सूरज और उसकी पत्नी तेजल के लापरवाह और बुरे व्यवहार के कारण उनसे अपने सभी संबंध तोड़ लिए हैं। मेरे उपरोक्त मुवक्किल ने अपने बेटे और उसकी पत्नी को अपनी सभी चल-अचल संपत्तियों से भी वंचित कर दिया है। उनके साथ लेन-देन करने वाला कोई भी व्यक्ति अपने जोखिम और ज़िम्मेदारी पर ऐसा करेगा और मेरे उपरोक्त मुवक्किल अपने बेटे और उसकी पत्नी द्वारा किए गए किसी भी कार्य, कर्म या लेन-देन के लिए ज़िम्मेदार नहीं होंगे।

केशव भारद्वाज
अधिवक्ता वा कानूनी सलहाकार

NAME CHANGE

I, NO-14678087M Rank-HAV Name-BHUWAL PRASAD YADAV residing at VILL-SHIVPUR, PO-VINDHY-ACHAL, DIST-MIRZAPUR, UTTAR PRADESH-231307, have changed my wife's name from ANEETA KUMARI to ANEETA YADAV for all future purposes vide Affidavit dated 04/12/2025 before Notary Public Delhi.

NAME CHANGE

I, NO-14678087M Rank-HAV Name-BHUWAL PRASAD YADAV residing at VILL-SHIVPUR, PO-VINDHY-ACHAL, DIST-MIRZAPUR, UTTAR PRADESH-231307, have changed my mother's name from CHAMELA DEVI to CHAMELI for all future purposes vide Affidavit dated 04/12/2025 before Notary Public Delhi.

PUBLIC NOTICE

Notice is hereby given to the General Public that Mr. Kishan Lal S/o Mr. Satpal, is the owner of Property ID No. P07006660598, Plot No. S/50, area measuring 40 Sq. Yds., out of Mu. No. 31//5, 6, 15, 16/1, 32//10, 11, situated at Waka Mauza Ballabgarh, Tehsil Ballabgarh, & District Faridabad, Haryana, by virtue of Regd. GPA dated 06.09.2021, duly registered in the SRO- V Ghaziabad, vide Doc No. 10096, in Book No. 4, Volume No. 1528, on Pages No. 243-258, ATS & Regd. Will, executed by Mr. Dilip Singh S/o Mr. Sipahi, and same to be sold to Mrs. Munni Devi W/o Mr. Bishnu Chaudhary and same to be finance by SMFG India Home Finance Company Ltd., General public hereby informed that if anybody has any charge/interest/title in the said property or any kind of dispute kindly inform the undersigned in writing on the below mentioned address within 07 days of the present.

Rahul Raj, Advocate,
SG Associates (Law Firm)
B-01, Plot No. 20, Kaushambi,
Ghaziabad-201010.
E-MAIL:sgassociatespl@gmail.com,
Ph: 0120-4968888, 8130309204.

NAME CHANGE

It is for general information that I, VINAY KUMAR W/o POONAM DEVI residing at VILLAGE-SARDEPUR, PO- GHATAMPUR, DIST-KANPUR NAGAR UP 209206, and presently residing at QUARTER NO.E-405 METRO HOUSING COMPLEX, SARITA VIHAR, NEW DELHI 110076 declare that name of my wife has been wrongly written as POONAM YADAV in my minor daughter's namely ANSHIKA YADAV aged 10 years in her educational documents. The actual name of my wife are POONAM DEVI respectively which may be amended accordingly It is certified that I have complied with other legal requirements in the connection.

NAME CHANGE

It is for general information that I, VINAY KUMAR S/o Shri RAJ KUMAR residing at VILLAGE-SARDEPUR, PO- GHATAMPUR, DIST-KANPUR NAGAR UP 209206, and presently residing at QUARTER NO.E-405 METRO HOUSING COMPLEX, SARITA VIHAR, NEW DELHI 110076 declare that name of mine, my minor daughter, my wife has been wrongly written as VINAY YADAV, POONAM, JANVI in my minor daughter's namely JANVI YADAV aged 13 years in her Educational Documents, Service Book. The actual name of mine, my minor daughter, my wife are VINAY KUMAR, POONAM DEVI, JANVI YADAV respectively which may be amended accordingly. It is certified that I have complied with other legal requirements in the connection.

PUBLIC NOTICE

BE IT KNOWN THAT MY CLIENT SH. SHAILENDER KAPOOR, S/O LATE SH. INDERJIT R/O WZ-256F/11, INDERPURI, CENTRAL DELHI-110012, HAVE SWORE THAT HE DEBARRED AND DISINHERITED HIS DAUGHTER NAMELY BHAWANA KAPOOR D/O SH.SHAILENDER KAPOOR R/O WZ-256F/11, INDERPURI, CENTRAL DELHI-110012, AS HE DISOWNED HER FROM HIS PROPERTIES, BOTH MOVABLE AND IMMOVABLE, MY CLIENT HAVE NO CONTROL OVER HIS SAID DAUGHTER WHO HAVE NO RESPECT AND REGARD FOR MY CLIENT HAVE NO RELATIONS WITH HER. IF ANY ONE DEALS WITH HER IN ANY MANNER WITH HER HE/SHE WILL BE SOLE RESPONSIBLE OF ANY ACT, DEED OR THINGS AND ANY CONSEQUENCES.

CHAND RAVI Advocate
Chamber No.874,
Patiala House Court, New Delhi

NAME CHANGE

I, MADHU BALA W/O NAVEEN YADAV R/O H.NO-3140,NEAR AMITY SCHOOL,SECTOR-46, GURGAON, HARYANA-122003,HAVE CHANGED MY NAME TO MADHU YADAV FOR ALL FUTURE PURPOSES

NAME CHANGE

I, DIKSHA DAFOUTI D/O NARENDER SINGH DAFOUTI R/O 109, B-BLOCK, SHYAM VIHAR, PHASE-1,DINDAR PUR, NAJAFGARH, SOUTH WEST DELHI, DELHI-110043,HAVE CHANGED MY NAME TO DIKSHA FOR ALL FUTURE PURPOSES

NAME CHANGE

I, Ish Kumar Lakhanpal, S/o Rajender Kumar, R/o House No. 1025, Pocket-1, Sector-C, Vasant Kunj, South Delhi – 110070, have changed my name to Ish Kumar for all future purposes. Henceforth, Ish Kumar and Ish Kumar Lakhanpal refer to the same person.

NAME CHANGE

I, SANGEETA KUSHWAHA wife of NO-14660333K, Rank-HAV, Name-PAPPU KUSHWAHA residing at VPO-SARAIYA MAHANTH PATTI, TEHSIL-KASIA, DIST-KUSHINAGAR, UTTAR PRADESH-274401, have changed my name from SANGEETA KUSHWAHA to SANGITA KUSHWAHA for all future purposes, in my husband's service record my date of birth wrongly mentioned as 10/07/1985 instead of my correct date of birth as 12/07/1986 Vide Affidavit dated 04/12/2025 before Notary Public Delhi.

NAME CHANGE

I, FAREED AHMED QURESHI S/O RAIS AHMED R/O C-98/43 GALI NO 2 CHAUHAN BANGER, DELHI 110053. have changed my name to FAREED AHMED for all future purpose

NAME CHANGE

I, AABIDA PARVEEN W/O NAZIM MALIK R/O C-1234 GALI NO 14/3 CHAUHAN BANGER, SEELAMPUR DELHI 110053. have changed my name to ABIDA PARVEEN for all future purpose.

NAME CHANGE

I, CHITRA W/O DIN DAYAL MITTAL R/O H NO D-32 FIRST FLOOR PITAMPURA NORTH WEST DELHI 110034. have changed my name to CHITRA MITTAL for all future purpose. It is for general information that I, KAMAL JIT SINGH NIJJAR son of BISHAN SINGH, resident of H NO-C-8/255, YAMUNA VIHAR, BHAJAN PURA, DELHI-110053 declare that name of my wife has been wrongly mentioned as GURDEEP KAUR in my Service Record. The actual name of my wife is GURDEEP KAUR NIJJAR respectively, which may be amended accordingly. It is certified that I have complied with other legal requirements in this connection

NAME CHANGE

It is for general information that I, KAMAL JIT SINGH NIJJAR son of BISHAN SINGH, resident of H NO-C-8/255, YAMUNA VIHAR, BHAJAN PURA, DELHI-110053 declare that name of my wife has been wrongly mentioned as GURDEEP KAUR in my Service Record. The actual name of my wife is GURDEEP KAUR NIJJAR respectively, which may be amended accordingly. It is certified that I have complied with other legal requirements in this connection

NAME CHANGE

I, JAGDISH KHANNA S/O RAM LUBHAYA KHANNA R/O 181, STATE BANK NAGAR, PASCHIM VIHAR, DELHI-110063 have changed my name to JAGDISH KUMAR KHANNA for all future purpose.

PUBLIC NOTICE

It is for general information that I, ROHIT KOUL son of late Shri Tej Kumar Kaul, resident of E-106, Satisar Apartments, Plot No.6, Dwarka Sector-7, Dwarka, New Delhi-110075, declare that name of my father has been wrongly written as Tej Krishan Koul in my aadhar card . The actual name of my father is Tej Kumar Kaul, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE

I, KM Kahakashan Khanam W/o Mohd Aijaz R/o B-390, F/F Right Side, Gali No.13, North Ghonda, Delhi-110053 have changed my name to Kehkashan Khanam.

NAME CHANGE

I JAI KUMAR S/O ANIL KUMAR YADAV R/O HOUSE NO. C-79 STREET NO-2 BHAJANPURA NORTH EAST DELHI 110053 HAVE CHANGED MY NAME TO JAI KUMAR YADAV

NAME CHANGE

I, RAM SABDH S/o Bans Raj Prajapati R/o L-192, Shastri Nagar, Delhi-110052, have changed my name to RAM SHABD PRAJAPATI permanently.

NAME CHANGE

I, LAL MONEY DEVI W/o Ram Shabd Prajapati R/o L-192, Shastri Nagar, Delhi-110052, have changed my name to LAL MANI DEVI permanently

NAME CHANGE

I,Sushma Kumari Jain w/o Virender Kumar Jain R/o 523, Jain Ghati, Inside Jundla Gate, Karnal, Haryana-132001 have changed my name to Sushma Jain for all future purposes

NAME CHANGE

I, KHAZAN SINGH S/O DARSHAN SINGH R/O H NO A-1, NEW MIG HOUSES SECTOR-G MAYUR VIHAR PHASE – III NEW DELHI 110096. have changed my name to KHAZAN SINGH PELIA for all future purposes.

NAME CHANGE

I KM. MINU SINGHAL W/O S M GARG R/O D- 153/C RAJ NAGAR - 2 PALAM COLONY NEW DELHI BBAGDOLA DELHI- 110077 I have changed my name to MEENU GARG Permanently for all Future purpose

NAME CHANGE

I, JC-698270A Rank-SUB Name-TAJUDDIN AHMAD Presently residing at VILL-BASANT, PO-BISHUNPUR UMAPAT BASANT, TEH-AURAI, PS-AURAI, DIST-MUZAFFARPUR, BIHAR-843117, have changed my name from TAJUDDIN AHMAD to TAJUDDIN AHMED for all future purposes vide Affidavit dated 04/12/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, JC-698270A Rank-SUB Name-TAJUDDIN AHMED Presently residing at VILL-BASANT, PO-BISHUNPUR UMAPAT BASANT, TEH-AURAI, PS-AURAI, DIST-MUZAFFARPUR, BIHAR-843117, have changed my father's name from JAN MOHMAMD to JAN MOHAMMAD MADARI for all future purposes vide Affidavit dated 04/12/2025 before Notary Public, Delhi.

PUBLIC NOTICE

Information is given to general public at large that our clients Home First Finance Company India Ltd. was financed the said FREEHOLD RESIDENTIAL M.I.G. FLAT NO. S-5 ON SECOND FLOOR, (REAR RHS) (WITH ROOF RIGHTS) AREA MEASURING 600 SQ. FT., BUILT UP PLOT NO. B-13, SITUATED AT D.L.F. DILSHAD EXTENSION-II HADBAST IN THE VILLAGE BRAHAMPUR ALIAS BHOPURA PARGANA LONI TEHSIL & DISTT. GHAZIABAD, U.P. Vide loan no. LAI-00270518 , along with under custody (1) Original Sale Deed dated 29.12.2008 executed by M/s. Painsi Builders Pvt. Ltd. in favour of Sh. Raj Kumar Sharma & Smt. Pooja as Doc no. 11275, book No.1, Vol no. 5439, Page no. 197-248, SRO-III Ghaziabad., (2) Original Sale Deed dated 16.06.2014 executed by Sh. Raj Kumar Sharma & Smt. Pooja in favour of Sh. Ravi Kumar & Smt. Lalita Garg as Doc no. 5096 Vol no. 10321 Page no. 219-252, SRO-III Ghaziabad., and same were submitted with Home First Finance Company India Ltd. by MOHD. TASLEEM, the documents were misplaced from the possession of Home First Finance Company India Ltd and online FIR Reference No - LR No. 3401789/2025 already lodged by Home First Finance Company India Ltd on dt. 04.12.2025 P.S. Crim Branch Delhi and any persons found / received the above-mentioned property docs than to be informed to Home First Finance Company India Ltd. Branch: Vaishali Ghaziabad. Uttar Pradesh - 201010. or underwriting Advocate.

[NAVEEN KUMAR VERMA]
Advocate
F-211,sector-3 Vaishali Ghaziabad
Uttar Pradesh-201010, Contact at 09958871432

NAME CHANGE

I Sonia W/o Joginder Singh R/o H No-48-C-D, Kh No-32/19, Nilothi Extn, Abchal Nagar, Nangloi, PO: Nangloi, DIST: West Delhi, Delhi - 110041 have changed my name to Ravinder Kaur for all future purposes.

NAME CHANGE

I, Asmeena Begum, W/O Naik Mohammad is residing at Room No. 31 SNCOS Mess, 13 BRD, AF Palam New Delhi 110010, have changed my name from Asmeena Begum to Asmeena Begum alias Shabnam vide Affidavit dated 04-12-2025

NAME CHANGE

I SHAKILA BANO W/O AMANULLA R/O VILLAGE KAITHRA BULANDSHAHR KAHIRA UTTAR PRADESH 203001 , I have changed my name to SHAKEELA Permanently for all the Future purpose

NAME CHANGE

I, Farha W/o Raisuddin R/o H.No.616, First Floor, Chowk Dujana House, Bazar Matia Mahal, Jama Masjid, Delhi-110006 have changed my name to Farha Naaz.

NAME CHANGE

I, SELVI SHUNMUGAPRIYA wife of No.-15219224L, Rank-GNR, Name-MUTHU PANDI S residing at 2/48A, MIDDLE STREET, NORTH PANAVADALI, VILL-VADAKKU-PANAIVADALI, PO-PANAVADALICHATRAM, DIST-TIRUNELVELI, TAMIL NADU-627953, have changed my name from SELVI SHUNMUGAPRIYA to SHUNMUGAPRIYA T for all future purposes vide Affidavit dated 04/12/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, No. 4189004W, Rank- EX-HAV Name-RAMESH KUMAR S/o RAM NIWAS residing at VPO-SIRSALI, TEHSIL-CHURU, DISTT-CHURU, RAJASTHAN-331029, have changed my mother's name from PHULI DEVI to PHULVATI YADAV for all future purposes, in my Army service record my mother's date of birth wrongly mentioned as 01/07/1950 instead of her correct date of birth as 11/10/1952 Vide Affidavit dated 04/12/2025 before Notary Public Delhi.

NAME CHANGE

I,Gulnaaz w/o Mahe Alam R/o 291, Gali No-9, Zakir Nagar, Jamia Nagar, Okhla, Delhi-110025 have changed my name to Gulnaz Parveen for all future purposes

NAME CHANGE

I AASHNI D/O BHIKKI SAH R/O 314 , BANK COLONY BAHADURGARH JHAJJAR HARYANA -124507, I have changed my name to AASHNI SAH Permanently for all Future purpose

NAME CHANGE

I RAHUL S/O MAHESH KUMAR R/O G-754 SAVITRI PUBLIC SCHOOL SANGAM VIHAR , MEHROULI DELHI-110062, I have changed my name to RAHUL KUMAR Permanently for all Future purpose

NAME CHANGE

I Pramod Kumar S/o Rajendra Prasad R/o T4 705, Riddhi Siddhi Apartment, Sector 99 Po Dhankot Gurgaon, Haryana - 124505 have changed my name to Pramod Kumar Sharma for all future purposes.

NAME CHANGE

I Fatima W/0 Fahim Add.D-925 Jaitpur Khadda Colony Ext. Badarpur new Delhi 110044 Changed my name Meenu

DATE OF BIRTH CHANGE

I, SULOCHANA mother of No.2613948A Rank- HAV Name-GANESH KUMAR G residing at VILL-BODIPETTAI, PO-AGARAM, DIST-VELLORE, TAMIL NADU-635804, in my son's service records my date of birth wrongly mentioned as 08/12/1965 instead of my correct date of birth as 04/02/1969 vide affidavit dated 04/12/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

It is for general information that I, Vijay Joshi S/o Bala Datt Joshi R/o 00, Halduchaur Jaggi Lalkuan, Halduchour, Nainital, Uttarakhand - 263139, declare that name of my father and mother has been wrongly written as B D Joshi and Rekha Joshi respectively in my 10th & 12th Class Marks Statement Cum Certificate. The actual name of my father and mother are Bala Datt Joshi and Rama Joshi respectively, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE

I Rohit Singh S/o Prem Singh R/o B-211-12, Sainik Vihar, Kankar Khera, Meerut, Uttar Pradesh - 250001, have changed my name to Ajay Singh.

NAME CHANGE

I, Mintu Yadav S/O Dharam Singh R/O 2406,24th floor MIG Sun Kiaan, Atal Chowk , Sector 14, Vasundhara, Vasundhra, PO: Vasundhra, Dist: Ghaziabad Uttar Pradesh -201012, have changed my name and shall hereafter be known as Yashmit Nahariya

NAME CHANGE

I, Gautam Devi alias Gautami Devi D/O Ram Prakash Yadav W/O Sanjay Kumar Yadav R/O -184-A,Khasra No-163, Modern Railway City , Near Gol Market, Chhapraula , Gautam Buddha Nagar Uttar Pradesh -201009, have changed my name and shall hereafter be known as Gautami Devi

सार्वजनिक सूचना

यह सूचित किया जाता है कि कुकरेजा हॉस्पिटल एण्ड हार्ट सेंटर, सी-1, विशाल एन्कलेव, राजौरी गार्डन, नई दिल्ली-27 संगठन के दस्तावेज अवधारण नीति के अंतर्गत सन् 2020 के मरीजो के मेडीकल रिकार्ड नष्ट करने जा रहा है। यदि इस वर्ष का कोई मरीज अपने रिकार्ड की कापी लेना चाहता है तो 011-45675000 पर फोन करें या 30 दिन के अंदर हॉस्पिटल मे मिलें।

NAME CHANGE

I, hitherto known as NANHI DEVI W/O TULSI RAM R/O R- 11 Jharera Village, Delhi Cantt South West Delhi, Delhi-110010 have changed my name and shall hereafter be known as SITA DEVI

PUBLIC NOTICE

It is for general information that I Samsa Khatun W/O: Late Shah Mohammad, R/O C-264, Abul Fazal Enclave -2, Shaheen Bagh, Jamia Nagar, South Delhi, Delhi, 110025, declare that name of my minor daughter has been wrongly written as Safeena in my minor daughter namely Safeena Parveen aged 15 years in her school record . The actual name of my minor daughter is Safeena Parveen , respectively which may be amended accordingly.

NAME CHANGE

I Bimal Kumar S/O Lt. Sh. Dharam Dutt Shastri, R/o 2046, 1st Floor eldeco county, Opp. Jurassic Park, Sector 19, Sonipat, Sonipat, Haryana 131001 have changed my name to Bimal Kumar Kaushik for all future purposes.

NAME CHANGE

I Sudesh Kaushik W/o Bimal Kumar Kaushik R/o 2046 1st floor, Eldeco county, Opp. Jurassic Park, Sector 19, Sonipat, Sonipat, Haryana 131001 have changed my name to Sudesh Kumar Kaushik for all future purposes.

PUBLIC NOTICE

GENERAL PUBLIC IS HEREBY INFORMED THAT (1.) ORIGINAL SALE DEED DATED 17.08.1990 EXECUTED BY MR. CHIDDA SINGH AND MR. RAM RATAN IN FAVOUR OF SHRIRAM PRAKASH AND MR. VAKEEL, (2.) ORIGINAL PARTITION DEED / SUIT EXECUTED BETWEEN MR. SHRIRAM PRAKASH AND MR. VAKEEL, (3.) ORIGINAL NOTARIZED GPA, ATS AND WILL DATED 17.09.1996 EXECUTED BY MR. VAKEEL IN FAVOUR OF MRS. TARA DEVI, (4.) ORIGINAL INTERMEDIATE CHAIN EXECUTED BETWEEN MRS. TARA DEVI TO MRS. SANTOSH & (5.) ORIGINAL NOTARIZED GPA, ATS AND WILL DATED 22.12.2012 EXECUTED BY MRS. SANTOSH IN FAVOUR OF HER HUSBAND NAMELY MR. RAKESH KUMAR ALL EXECUTED FOR "PLOT BEARING NO. 12, ADMEASURING 25 SQ. YARDS OUT OF KHASRA NO. 1267, SITUATED AT PREM VIHAR PHASE-2, VILLAGE LONI, PARGANA LONI, TEHSIL & DISTRICT GHAZIABAD, U.P-201102 (SAID PROPERTY)" HAVE BEEN LOST BY THE CURRENT OWNER MR. UDAL SINGH S/O MR. NEM SINGH, R/O, H. NO. 261, ST. NO. 08, SHAHID BHAGAT SINGH COLONY, KARAWAL NAGAR, DELHI-110094. AND SAID OWNER MR. UDAL SINGH PURCHASED THE SAID PROPERTY VIDE SALE DEED DT. 15.03.2013 EXECUTED BY MR. RAKESH KUMAR IN FAVOUR OF MR. UDAL SINGH (DOC. NO. 11696, IN BOOK NO. 1, VOL. NO. 23943, ON PAGES 01-16, ON DT. 15.03.2013, SRO-4-GHAZIABAD). NOW MR. AMAN SHARMA S/O MAHENDRA KUMAR R/O G4/48-A, GF, KH. NO. 38/2, GALI N. 4, 5TH PUSTA, SONIA VIHAR, DELHI IS GOING TO PURCHASE THE SAID PROPERTY, FROM OWNER / SELLER MR. UDAL SINGH, WHICH WILL BE MORTGAGED WITH TRU HOME FINANCE LIMITED AS SECURITY AGAINST HOUSING LOAN FOR PURCHASING OF SAID PROPERTY. PLEASE SUBMIT THE ABOVE SAID ORIGINAL DOCUMENTS IF FIND BY ANY PERSON. ALSO PLEASE CONTACT WITH WRITTEN OBJECTION LETTER WITH RELEVANT DOCUMENTS WITH UNDERSIGNED IF HAVING ANY OBJECTION IN RESPECT OF SAID PROPERTY WITHIN 10 DAYS OF THIS PUBLICATION. ITS USE BY ANYONE IS ILLEGAL.

ADITYA VERMA, ADVOCATE
E-16, MANSAROVAR PARK,
SHAHDARA, DELHI-110032
MOBILE NO. 9999042521

अभियुक्त की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा **84 BNSS** देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि **1.सहजाद पुत्रः खुरशीद, पताः** अमन गार्डन शमशान घाट वाली गली, लोनी, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश, **2.अनवर पुत्रः नवाब, पताः** सामने कुवालुल इस्लाम मस्जिद, नियर राजा मस्जिद इकराम नगर, लोनी गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश, **FIR No. 23560/2023, U/s 379/411/34 IPC,** थानाः वेलकम, दिल्ली के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि इन्होने किया है) और इन पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **सहजाद और अनवर** मिल नहीं रहें हैं और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **सहजाद और अनवर** फरार हो गयें हैं (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहें हैं)। इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **FIR No. 23560/2023, U/s 379/411/34 IPC,** थानाः वेलकम, दिल्ली के उक्त अभियुक्त **सहजाद और अनवर** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **05.01.2026** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
दीपाक्षी राणा
न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी-03
कमरा नं. 19, पहली मंजिल,
कड़कड़डूमा कोर्ट, शाहदरा, दिल्ली

DP/16304/NE/2025
(Court Matter)

अभियुक्त की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 Cr.P.C. देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त नाम **मोहम्मद आमिर पुत्रः** इस्लाम **पताः** 2 रावली रोड मुरादनगर नियर 1 मिनार मस्जिद गाजियाबाद यूपी ने **CC No. 3508/2023 U/s 25 P&S Act थानाः महरौली, दिल्ली,** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है), और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **मोहम्मद आमिर,** मिल नहीं रहा हैं और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **मोहम्मद आमिर,** फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा हैं)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **CC No. 3508/2023 U/s 25 P&S Act थानाः महरौली, दिल्ली,** के उक्त अभियुक्त **मोहम्मद आमिर,** से अपेक्षा की जाती है कि वे इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **05.01.2026** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
सुश्री पूजा कुमारी
जेएमएफसी-01, कमरा नंबर 25
साकेत कोर्ट, नई दिल्ली

DP/15846/SD/2025
(Court Matter)

कौमी पत्रिका

संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।

Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002

फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300

E - mail address : qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in

R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472

Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

मंडल स्तरीय बाल महोत्सव-2025 में बच्चों ने दी रंगारंग प्रस्तुति

एजेंसी
गुरुग्राम। हरियाणा राज्य बाल कल्याण परिषद की ओर से तीन दिवसीय मंडल स्तरीय बाल महोत्सव-2025 का यहां स्वतंत्रता सेनानी हॉल में शुभारंभ हुआ। मुख्य अतिथि हरियाणा राज्य बाल कल्याण परिषद चंडीगढ़ की मानद महासचिव सुषमा गुप्ता ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कमलेश शास्त्री, मंडल बाल कल्याण अधिकारी, गुरुग्राम ने की। मुख्य अतिथि का स्वागत एवं सम्मान सुरेखा हुड्डा, जिला बाल कल्याण अधिकारी, गुरुग्राम द्वारा किया गया। महोत्सव के पहले दिन रेवाड़ी, गुरुग्राम एवं नारनौल जिलों के जिला स्तर पर प्रथम व द्वितीय स्थान प्राप्त बच्चों ने ग्रुप डांस (समूह 1, 2, 3, 4) एवं सोलो सॉन्ग (समूह 2, 3, 4) की विभिन्न प्रतियोगिताओं में उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। निर्णायक मंडल में नरेंद्र, मोटी शर्मा, वंशिका, मानसी, नमिता, मोहित शर्मा, डॉ. संदीप मेहरा, वीरेन्द्र सेहरा शामिल रहे। मंच संचालन सतीश कुमार एवं मनोज कुमार (शिक्षाविद्) द्वारा किया गया। कार्यक्रम में बाल गृह के बच्चे, जिला बाल कल्याण परिषद गुरुग्राम का समस्त स्टाफ तथा अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि द्वारा निर्णायक मंडल के सदस्यों को सम्मानित भी किया गया।

प्रदीप सिंह ने मानेसर नगर निगम आयुक्त का कार्यभार संभाला

गुरुग्राम। 2020 बैच के भारतीय प्रशासनिक सेवा अधिकारी प्रदीप सिंह ने नगर निगम मानेसर के आयुक्त के रूप में पदभार ग्रहण किया। इससे पहले वे नूंह में अतिरिक्त जिला उपायुक्त व जिला परिषद के सीईओ के तौर पर अपनी सेवाएं दे रहे थे। वे पूर्व में एसडीएम सोहना और एसडीएम पटौदी के पद पर कार्यरत रहे हैं। मानेसर नगर निगम आयुक्त का पदभार संभालने के बाद उन्होंने कहा कि निगम क्षेत्र में मूलभूत सुविधाओं में सुधार करना उनकी प्राथमिकता है। निगम की ओर से आमजन को दी जाने वाली अन्य सुविधाएं जैसे प्रॉपर्टी आईडी, जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र, सीवर, सफाई व्यवस्था में सुधार करना, सिविल के कामों को समय पर डिलीवर करना उनकी सूची में पहले नंबर पर है। मानेसर नगर निगम के सदन के साथ मिलकर पार्षदों के सहयोग से विकास कार्य कराए जाएंगे। आमजन से अपील करते हुए उन्होंने कहा कि नगर निगम से संबंधित किसी भी काम के लिए वे निगम कार्यालय में आ सकते हैं। क्षेत्रवासियों को जरूरी सुविधाएं मुहैया करवाने के लिए नगर निगम प्रतिबद्ध है।

आईपीएस श्रद्धा सिंह ने नई न्याय व्यवस्था पर किया मार्गदर्शन, दी कानून की जानकारी

हिसार। महाराजा अग्रसेन मेडिकल कॉलेज, अग्रोहा में विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें आईपीएस अधिकारी श्रद्धा सिंह ने एमबीबीएस और नर्सिंग के विद्यार्थियों से संवाद करते हुए भारतीय न्याय संहिता एवं भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के प्रमुख प्रावधानों पर विस्तृत जानकारी सांझा की। कार्यक्रम का उद्देश्य आने वाले स्वास्थ्यकर्मियों को कानून, नागरिक सुरक्षा, वैधानिक जिम्मेदारियों और संवैधानिक प्रक्रियाओं से जुड़े अद्यतन ज्ञान प्रदान करना था, ताकि वे चिकित्सा क्षेत्र में कार्य करते समय कानूनी जागरूकता और नागरिक कर्तव्य दोनों का पालन कर सकें। आईपीएस श्रद्धा सिंह ने बुधवार को कहा कि भारत की नई दंड व्यवस्था, जांच प्रक्रिया, पीड़ितों के अधिकारों, आपात स्थिति में नागरिक सुरक्षा प्रोटोकॉल और चिकित्सा संस्थानों से जुड़े कानूनी प्रावधानों को समझना प्रत्येक डॉक्टर और नर्स के लिए अनिवार्य है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि नई संहिताएँ, विशेष रूप से चिकित्सा लापरवाही, लैंगिक अपराध, साइबर अपराध, आपातकालीन रिपोर्टिंग, और पुलिस-प्रशासनिक समन्वय को लेकर अधिक सशक्त और स्पष्ट दिशानिर्देश प्रदान करती हैं। उन्होंने छात्रों को मेडिकल पेशेवरों की वैधानिक जिम्मेदारियों जैसे- मेडिको-लीगल केस (एमएलसी) रिपोर्टिंग, यौन उत्पीड़न मामलों मेंअनिवार्य चिकित्सा सहायता, घटनास्थल की प्राथमिक जानकारी सुरक्षित रखना, जनसुरक्षा के संवैधानिक दायित्व के बारे में विस्तार से समझाया। उन्होंने कहा कि नई संहिताओं में न्याय की गति बढ़ाने, डिजिटल सबूतों को मजबूत आधार देने और नागरिक सुरक्षा तंत्र को आधुनिक स्वरूप प्रदान करने पर विशेष जोर दिया गया है।

राई औद्योगिक क्षेत्रों में टीबी जांच के लिए व्यापक स्वास्थ्य अभियान शुरू

सोनीपत। राई ब्लॉक में टीबी मुक्त अभियान को गति देने के लिए एसडीएम सुभाष चंद्र ने स्वास्थ्य विभाग को निर्देश दिए कि औद्योगिक क्षेत्रों में नियमित स्वास्थ्य कैंप लगाए जाएं। उन्होंने कहा कि यहां कार्यरत प्रवासी मजदूर लगातार मशीनों और कठिन परिस्थितियों में काम करते हैं, इसलिए उनके स्वास्थ्य की देखभाल हमारी प्राथमिक जिम्मेदारी है। एसडीएम ने अपने कार्यालय में बढखालसा पीएचसी के एसएमओ और स्वास्थ्य विभाग के अन्य अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक कर आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए। उन्होंने कहा कि औद्योगिक क्षेत्रों में हर महीने कम से कम दस मोबाइल वैन एक्सरे मशीनों सहित भेजी जाएं, ताकि अधिक से अधिक मजदूर वर्ग की टीबी जांच हो सके। उन्होंने फैक्टरी प्रबंधन से भी अपील की कि वे टीबी प्रभावित व्यक्तियों को गोद लेने की पहल में सहयोग करें और अपने स्तर पर मजदूरों को जागरूक करें। साथ ही औद्योगिक एसोसिएशनों के साथ समन्वय स्थापित कर स्वास्थ्य कैंपों का नियमित आयोजन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। एसडीएम ने कहा कि टीबी के बारे में जागरूकता ही रोकथाम का सबसे बड़ा माध्यम है। लोगों को लक्षणों-जैसे तीन सप्ताह से अधिक खांसी, रात में पसीना आना, वजन घटना के बारे में जानकारी दी जाए।

अभय चौटाला के नेतृत्व में राज्यपाल से मिला इनेलो प्रतिनिधिमंडल

ज्योति दर्पण
चंडीगढ़। इंडियन नेशनल लोकदल (इनेलो) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अभय सिंह चौटाला की अगुवाई में 11 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने हरियाणा के राज्यपाल अशीम कुमार घोष से मुलाकात कर कई गंभीर मुद्दों पर चर्चा की और विस्तृत ज्ञापन सौंपा। इसके बाद इनेलो कार्यालय में कांग्रेस, बीजेपी और जेजेपी से बड़ी संख्या में लोगों ने पार्टी की सदस्यता ग्रहण की।

अभय सिंह चौटाला ने राज्यपाल को बताया कि जुलाई-सितंबर की भारी बारिश से हरियाणा के 12 जिलों में किसानों की लाखों एकड़ फसल तबाह हो चुकी है। आज भी कई क्षेत्रों में पानी भरा है, जबकि पड़ोसी पंजाब ने किसानों को 20,000 प्रति एकड़ मुआवजा दे दिया है, हरियाणा सरकार अभी तक राशि तय ही नहीं कर पाई। उन्होंने मांग रखी कि खेतों से पानी निकालने और किसानों को त्वरित मुआवजा

देने के निर्देश दिए जाएं। उन्होंने दो बास्केटबॉल खिलाड़ियों की मृत्यु को शहादत मानते हुए उनके परिवारों को सभी सरकारी सुविधाएं देने की मांग भी रखी। इसके साथ ही उन्होंने अलग राजधानी और विधानसभा परिसर के लिए हरियाणा की सही पैरवी न करने पर सरकार की आलोचना की, जिसके कारण केंद्र ने जमीन देने से इनकार कर दिया। इनेलो ने राज्यपाल को बताया कि फर्जी गेट पास के जरिए अन्य राज्यों का धान हरियाणा की मंडियों में बेचा गया, जिससे प्रदेश के किसानों को भारी नुकसान हुआ। अभय चौटाला ने कहा कि सरकार ने ट्रैक्टर रजिस्ट्रेशन फीस 10 गुना बढ़ाकर किसानों पर बोझ डाला है। पहले भी केंद्र ने ट्रैक्टरों पर टोल टैक्स लगाया था, जिसे इनेलो के हस्तक्षेप से हटाया गया था।

अभय चौटाला ने कहा कि 25 सितंबर के बाद विरोधी पार्टियों के छुटभैय्ये नेता मेरी छवि खराब करने में लगे हैं, लेकिन जितना वे मुझे टारगेट करेंगे, उतनी ही इनेलो मजबूत होकर उभरेगी। उन्होंने बताया कि 28 दिसंबर को रोहतक में और भी बड़ी ज्वाइनिंग होगी। चौटाला ने कहा कि इनेलो विधायक शीतकालीन सत्र में एसवाईएल पर मजबूती से पक्ष रखेंगे।

हरियाणा में अबतक 79 लाख मतदाताओं का रिकॉर्ड हुआ सत्यापित

एजेंसी
चंडीगढ़। हरियाणा में मतदाता सूची को त्रुटिरहित और अद्यतन बनाने के लिए गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया तेज कर दी गई है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ए श्रीनिवास ने चंडीगढ़ में बताया कि विशेष गहन पुनरीक्षण से पूर्व की गतिविधि के तहत प्रदेश के सभी बीएलओ वर्ष 2002 की मतदाता सूची से वर्तमान मतदाताओं का व्यापक मिलान कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि जिन मतदाताओं का नाम वर्ष 2002 की मतदाता सूची में उपलब्ध नहीं है, उनके माता-पिता और दादा-दादी के नाम का मिलान भी किया जा रहा है। इससे परिवार आधारित सत्यापन को अधिक सटीक बनाया जा सकेगा।

ए श्रीनिवास ने बताया कि अभी तक लगभग 79 लाख मतदाताओं का 2002 की सूची के साथ सफलतापूर्वक मिलान किया जा चुका है। बीएलओ घर-घर जाकर मतदाताओं से जानकारी जुटा रहे हैं, ताकि किसी भी पात्र मतदाता का नाम छूटे नहीं और किसी भी प्रकार की त्रुटि न रह जाए। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि कई लोगों को यह पता नहीं होता कि वर्ष 2002 की मतदाता सूची में उनका या उनके परिवार के सदस्यों का नाम किस विधानसभा क्षेत्र या किस भाग में दर्ज था। इसके लिए भारत निर्वाचन आयोग की वेबसाइट पर 'सर्च यॉअर नेम इन लास्ट एसआईआर' विकल्प उपलब्ध है, जहां मतदाता आसानी से अपना रिकॉर्ड देख सकते हैं। उन्होंने राज्य के सभी मतदाताओं से अपील की है कि जब बीएलओ आपके घर आएं तो उन्हें सही और पूर्ण जानकारी उपलब्ध कराएं। उन्होंने कहा कि आपके सहयोग से ही राज्य की मतदाता सूची को पूरी तरह सटीक, त्रुटिरहित और विश्वसनीय बनाया जा सकेगा।

हरियाणा में गुणवत्ता सुधार को नई गति

एजेंसी
चंडीगढ़। हरियाणा में गुणवत्ता सुनिश्चित करने की दिशा में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की उपस्थिति में यहां क्वालिटी एश्योरेंस अथॉरिटी, हरियाणा द्वारा क्वालिटी काउंसिल ऑफ इंडिया, दिल्ली एवं नेशनल एक्रिडिटेशन बोर्ड फॉर टेस्टिंग एंड कैलिब्रेशन लेबोरेटरीज़ के साथ दो महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापनों (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए।

इन एमओयू पर क्यूएए के चेयरपर्सन राजीव अरोड़ा ने क्यूसीआई के महासचिव चक्रवर्ती टी़ कनन तथा एनएबीएल के चेयरमैन डॉ संदीप शाह की उपस्थिति में हस्ताक्षर किए। मुख्यमंत्री सैनी ने इस पहल को हरियाणा की तकनीकी व गुणवत्ता प्रबंधन क्षमता को नई ऊँचाई देने वाला कदम बताया। उन्होंने कहा कि इन समझौतों से सार्वजनिक निर्माण कार्यों - सड़कों, पुलों, इमारतों और शहरी अवसंरचना की गुणवत्ता, सुरक्षा और स्थायित्व में अभूतपूर्व सुधार होगा। मुख्यमंत्री ने विशेष रूप से कृषि क्षेत्र के लिए एनएबीएल के साथ हुए समझौते को गेम-चेंजर बताया। उन्होंने कहा कि अब प्रदेश की मंडियों में एनएबीएल मान्यता प्राप्त आधुनिक लैब्स स्थापित की जाएंगी, जहां किसानों को फसलों का वैज्ञानिक, त्वरित और सटीक गुणवत्ता मूल्यांकन उपलब्ध होगा। अत्याधुनिक मॉइस्चर मीटर और परीक्षण उपकरणों से नमी व अन्य गुणवत्ता पैरामीटर्स का पारदर्शी मूल्यांकन सुनिश्चित होगा, जिससे खरीद प्रक्रिया निष्पक्ष और विश्वसनीय बनेगी। क्यूसीआई के साथ हुए समझौते के तहत राज्य के इंजीनियरों, साइट पर्यवेक्षकों और ठेकेदारों को बीआईएम, जीआईएस, ड्रोन तकनीक तथा डिजिटल कंस्ट्रक्शन मैनेजमेंट जैसे आधुनिक उपकरणों पर व्यापक प्रशिक्षण मिलेगा। साथ ही उन्हें सुरक्षा मानकों, कचरा प्रबंधन, प्रदूषण नियंत्रण और पर्यावरण-अनुकूल निर्माण पद्धतियों पर विशेषज्ञ मार्गदर्शन प्रदान किया जाएगा। इससे डी.पी.आर. तैयारी, डिजाइन सत्यापन और साइट सुपरविजन की गुणवत्ता में उल्लेखनीय सुधार होगा।

एनएबीएल के साथ एमओयू से हरियाणा की परीक्षण लैब्स राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप अधिक विश्वसनीय बनेंगी। इससे सरकारी परियोजनाओं की परीक्षण रिपोर्टें वैज्ञानिक रूप से अधिक प्रामाणिक होंगी, निगरानी क्षमता मजबूत होगी तथा त्रुटियों में कमी आएगी।

हरियाणा में सात लाख लाडो के खातों में पहुंची 148 करोड़ की लक्ष्मी

एजेंसी
चंडीगढ़। दीन दयाल लाडो लक्ष्मी योजना के तहत प्रदेश की 7 लाख एक हजार 965 महिलाओं के खातों में 148 करोड़ रुपये की लक्ष्मी पहुंची। मुख्यमंत्री नायब सैनी ने लाडो लक्ष्मी योजना की दूसरी किस्त जारी की। हरियाणा निवास में पत्रकारों से बातचीत करते हुए मुख्यमंत्री नायब सैनी ने कहा कि सरकार की ओर से फैसला लिया गया है कि अब लाडो लक्ष्मी योजना का लाभ तीन महीने में दिया जाएगा, यानी तीन माह की राशि का भुगतान एक साथ किया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह योजना सिर्फ आर्थिक सहायता का माध्यम नहीं, बल्कि महिलाओं के सामाजिक सशक्तिकरण और आर्थिक स्वावलंबन की दिशा में एक मजबूत पहल है। उन्होंने कहा कि गत 25 सितंबर को 'दीन दयाल लाडो लक्ष्मी' ऐप का शुभारंभ पंडित दीन दयाल उपाध्याय जी के 109वें जन्मदिवस के अवसर पर किया था। उसके बाद एक नवंबर को पात्र महिलाओं को पहली किस्त जारी कर उन्हें लाभ प्रदान किया गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस एप पर गत 30 नवंबर तक 9 लाख 592 महिलाओं ने आवेदन किया है। इनमें से 7 लाख 1 हजार 965 महिलाएं पात्र पाई गई हैं। इनमें से 5 लाख 58 हजार 346 महिलाओं ने अपना आधार केवाईसी पूरा कर लिया है। जबकि, 1 लाख 43 हजार 619 महिलाओं का वेरिफिकेशन पेंडिंग है। उन्होंने कहा कि जिन महिलाओं का आधार केवाईसी का अंतिम चरण अभी भी बकाया है, उनसे निवेदन है कि वे जल्द से जल्द इसे पूरा कर लें। जैसे ही यह प्रोसेस पूरा होगा, उन्हें भी इस योजना का लाभ मिलना शुरू हो जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस योजना का लाभ 23 वर्ष या इससे अधिक आयु की वे सभी महिलाएं ले सकती हैं, जिनके परिवार की वार्षिक आय एक लाख रुपये से कम है। इस योजना का विशेष पहलू यह है कि परिवार की सभी पात्र महिलाएं इस योजना का लाभ ले सकती हैं। आवेदन 'लाडो लक्ष्मी मोबाइल ऐप' के माध्यम से किसी भी स्थान से किसी भी समय सरलता से किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि आवेदन पूरा होते ही 24 से 48 घंटे में सारी वेरिफिकेशन प्रक्रिया पूरी कर ली जाती है और पात्र पाई गई महिलाओं को एसएमएस द्वारा सूचित कर दिया जाता है।

दिव्यांगता कमजोरी नहीं, यह विशिष्ट क्षमता का प्रतीक: पद्मश्री गुरविंदर सिंह

ज्योति दर्पण
सिरसा। पद्मश्री गुरविंदर सिंह ने कहा कि विशेष बच्चों का आत्मविश्वास और मुस्कान हम सभी के लिए प्रेरणा है। समाज तभी विकसित कहलाता है जब वह संवेदनशील वर्ग को सम्मान देता है। उन्होंने सभी से आह्वान किया कि हम सब मिलकर एक ऐसा समाज बनाएं जहाँ हर बच्चा, चाहे वह किसी भी क्षमता का हो, सम्मान और समान अवसरों के साथ आगे बढ़ सके। विश्व दिव्यांग दिवस हमें यही सीख देता है कि सच्ची प्रगति तब होती है जब हम सभी वर्ग को साथ लेकर चलते हैं। वे जेसीडी विद्यापीठ सिरसा में अंतरराष्ट्रीय दिव्यांग दिवस पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि दिव्यांगता किसी प्रकार की कमजोरी नहीं, बल्कि विशिष्ट क्षमताओं का प्रतीक है और जब इन क्षमताओं को सही दिशा व अवसर मिलता है तो ये बच्चे समाज में नई मिसाल स्थापित करते हैं। जिला समाज कल्याण अधिकारी सत्यवान ने कहा कि दिव्यांग बच्चे

विशेष क्षमताओं से सम्पन्न होते हैं। समाज की जिम्मेदारी है कि उन्हें समान अवसर और सम्मान मिले। जिला प्रशासन ऐसे आयोजनों को हमेशा प्रोत्साहित करता रहेगा और यह कार्यक्रम मानवीय संवेदना का श्रेष्ठ उदाहरण है। जेसीडी विद्यापीठ के महानिदेशक डॉ. जय प्रकाश ने कि विशेष बच्चों की प्रतिभा किसी भी रूप में सामान्य बच्चों से कम नहीं है। ऐसे आयोजन न केवल उनकी छिपी हुई क्षमताओं को उजागर करते हैं, बल्कि उनके आत्मविश्वास को नई ऊंचाइयां प्रदान करते हैं और उन्हें समाज की मुख्यधारा में शामिल होने का सशक्त माध्यम बनाते हैं। कार्यक्रम के दौरान बच्चों ने मनमोहक प्रस्तुतियों दी। माता हरकी देवी महिला महाविद्यालय ओढ़ा में कल्चरल व साहित्यिक कमेटी द्वारा अन्तरराष्ट्रीय विकलांगता दिवस पर एक जागरूकता व्याख्यान का आयोजन किया गया। महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. कृष्ण कांत ने विकलांगताओं पर प्रकाश डाला और कहा कि एक शिक्षक के लिए अपने विद्यार्थियों की विभिन्नताओं व उनकी विशिष्ट शैक्षिक व सांवेगिक आवश्यकताओं को समझना अति आवश्यक है।

इसके अलावा नेशनल कॉलेज ऑफ एजुकेशन सिरसा द्वारा भी अंतराष्ट्रीय विकलांग दिवस पर जागरूकता अभियान का आयोजन किया गया। कॉलेज प्राचार्या डॉ. पूनम मिगलानी ने इस दिवस का मुख्य उद्देश्य समावेशी समाज बनाने के लिए समुदाय, परिवार और संस्थानों में सहानुभूति, सहयोग और समर्थन की भावना विकसित करना बताया।

सिरसा जिला जेल में लगी लोक अदालत में एक कैदी रिहा

एजेंसी
सिरसा। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा जिला जेल सिरसा में लोक अदालत का आयोजन किया गया। मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव प्रवेश सिंगला ने बताया कि जेल लोक अदालत में 8 केसों की फाइलें रखी गई और एक केस का निपटारा किया गया जिसमें से एक कैदी को रिहा कर दिया गया। उन्होंने बताया कि हर माह दो बार जेल लोक अदालत लगाई जाती है, जोकि माह के प्रथम व तीसरे लगती है। उन्होंने बताया कि छोटे केसों में लंबे समय से जेल में बंद बंदियों को रिहा किया जाता है। वहीं रिटेनर एडवोकेट रोहित कुमार ने कोर्ट परिसर में एक हेल्प डेस्क का आयोजन किया। इस अवसर पर उन्होंने आमजन को आगामी 13 दिसंबर को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय लोक अदालत के लिए विभिन्न बैंकों, सरकारी विभागों इत्यादि के उच्च अधिकारियों के साथ सामंजस्य स्थापित करने का प्रयास किया जाता है जिसमें आम जनता को अधिकतम छूट एवं वाहन बिजली विभाग, सिंचाई

विभाग व पंचायती राज, आम जनता को लोन रिकवरी केस में अधिकतम छूट वाहन दुर्घटना मुआवजा में अधिकतम मुआवजा आपसी सहमति के आधार पर दिया जा सके। उन्होंने बताया कि छोटे अपराधों में ट्रैफिक चालान व इत्यादि मामलों के निपटारे में रियायत एवं नरमी बरती जाएगी।

पानीपत में कई बच्चों की हत्या करने वाली साइको किलर महिला गिरफ्तार

एजेंसी
पानीपत। पानीपत के नौल्था गांव में बीती एक दिसंबर को हुई 6 वर्षीय बच्ची विधि की हत्या की वारदात का पुलिस ने पर्दाफास कर साइको किलर आरोपी महिला को गिरफ्तार किया। साइको किलर आरोपी महिला की पहचान सोनीपत के गांव भावड़ निवासी पूनम पत्नी नवीन के रूप में हुई है। आरोपी पूनम रिश्ते में विधि की चाची लगती है।

पुलिस अधीक्षक भूपेंद्र सिंह ने जानकारी कि एक दिसंबर को सायं पुलिस कंट्रोल रूम में सूचना मिली थी कि नौल्था गांव में मकान में पानी के टब में एक 6 वर्षीय बच्ची की डूबने से मौत हो गई है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम तुरंत मौके पर पहुच गई थी। पुलिस को घर पर छानबीन में पता चला परिजनों को बच्ची का शव मकान की पहली मंजिल पर बने स्टोर रूम के अंदर पानी से भरे प्लास्टिक टब में औधे मुंह मिला है। सिर डूबा हुआ था पैर बाहर थे। पुलिस को मामला संदिग्ध लगा और बच्ची के शव का सिविल अस्पताल में डॉक्टरों के बोर्ड द्वारा पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों के हवाले कर जांच में जुट गई थी। फॉरेंसिक टीम द्वारा भी मौके का मुआयना किया गया था। पुसिस को दी शिकायत में पाल सिंह ने बताया था गांव नौल्था में उसकी पत्नी ओमपति के रिश्ते में भाई सतपाल के बेटे की शादी थी। व बेटा संदीप अन्य गाड़ी में बैठकर बारात में चले गए थे। कुछ देर बार फोन के माध्यम से सूचना मिली की पोती विधि गुम हो गई है। पत्नी ओमपति व पुत्रवधू राखी ने घर के आसपास व गलियों में तलाश की। कुछ देर बाद पत्नी ओमपति सतपाल

ओमपति 24 नवंबर को ही नौल्था आ गई थी। बेटा संदीप, पुत्रवधू राखी, पोती विधि और पौता दिव्य (10 महिने) 30 नवंबर को शादी में पहुंचे थे। 1 नवंबर को दोपहर करीब 1 बजे वह भी शादी में पहुंच गया था। पूरा परिवार शादी की रस्म में व्यस्त था। दोपहर करीब 1:30 बजे वह दुल्हे अमन की गाड़ी में बैठकर घर की पहली मंजिल पर गई। वहा बने स्टोर रूम का बाहर से ताला लगा मिला। खोलकर देखा तो विधि पानी से भरे प्लास्टिक टब में औधे मुंह मिली। सिर डूबा हुआ था पैर बाहर थे। बेटा संदीप विधि को लेकर इसराना मेडिकल कॉलेज लेकर गया डॉक्टर में विधि को मृत घोषित कर दिया था।

विकास कार्यों और ठेकेदारों के भुगतान पर कोई रोक नहीं

एजेंसी
चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने राज्य में विकास परियोजनाओं और ठेकेदारों के भुगतान को लेकर फैली अफवाहों पर स्थिति साफ करते हुए कहा कि राज्य सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो की विशेष जांच के दौरान किसी भी विकास कार्य को रोकने या भुगतान रोकने के संबंध में न तो सरकार और न ही किसी विभाग ने कोई निर्देश जारी किए हैं।

मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी ने इस संबंध में सभी प्रशासनिक सचिवों, विभागाध्यक्षों, मंडल आयुक्तों, उपायुक्तों, बोर्ड एवं निगमों के प्रबंध निदेशकों और विश्वविद्यालयों के कुलसचिवों को एक औपचारिक पत्र भेजा है। पत्र में स्पष्ट किया गया है कि सरकार की 12 मई, 2015 की हिदायतों के अनुसार, सतर्कता ब्यूरो की तकनीकी शाखा केवल प्राप्त सूची, शिकायतों, प्रारंभिक रिपोर्टों या सक्षम प्राधिकारी के निर्देशों के आधार पर ही कार्यों का चयन विशेष जांच हेतु करती है। सरकार के संज्ञान में यह बात आई है कि कुछ विभागीय अधिकारी और अभियंता, उच्चाधिकारियों, जनप्रतिनिधियों और आम जनता को यह कहकर कार्यों को रोक देते हैं कि संबंधित परियोजना सतर्कता जांच के दायरे में है। सरकार ने इसे भ्रामक, अनुचित और नियमों के पूरी तरह विपरीत बताया है। मुख्य सचिव ने स्पष्ट किया कि विकास कार्यों को जारी रखना और पूर्ण या चल रहे कार्यों का भुगतान करना संबंधित विभाग की जिम्मेदारी है। यह कार्य अनुबंध की शर्तों और निर्धारित नियमों के अनुसार बिना किसी व्यवधान के जारी रहना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि ऐसे मामलों में अंतिम निर्णय संबंधित विभाग के प्रशासनिक सचिव के स्तर पर लिया जाएगा। सरकार ने सभी विभागों और अधिकारियों को इन निर्देशों का पालन सख्ती से सुनिश्चित करने के आदेश दिए हैं। साथ ही चेतावनी दी है कि सतर्कता जांच का हवाला देकर विकास कार्यों या भुगतान को रोकने जैसी कार्रवाई को गंभीर उल्लंघन माना जाएगा और आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। इन निर्देशों के बाद सरकार ने स्पष्ट कर दिया है कि हरियाणा में विकास कार्य बिना किसी रुकावट के जारी रहेंगे और सतर्कता जांच का दायरा केवल जांच तक सीमित रहेगा।

53 मेधावी विद्यार्थियों को रेणु स्मृति सिल्वर मेडल देकर किया गया सम्मानित

एजेंसी
हिसार। शहर के बीडी मॉडल सीनियर सैकेंडरी स्कूल का वार्षिक पारितोषिक वितरण समारोह बुधवार को मनाया गया। इस सांस्कृतिक कार्यक्रम के मुख्य अतिथि हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के डीन डॉ. सुरेन्द्र कुमार पाहुजा रहे। कार्यक्रम की शुरुआत बुधवार को सरस्वती वंदना से की गई। वंदना के माध्यम से बच्चों ने मां सरस्वती से ज्ञान का प्रकाश फैलाने की प्रार्थना की। 'स्वागत गीत' से मुख्य अतिथि व कार्यक्रम में उपस्थित सभी अभिभावकों का स्वागत किया गया। नर्सरी से लेकर बारहवीं तक के सभी कलाकारों ने एक से बढ़कर एक रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किए। चंदा चमके चमचम...'कहते हैं प्यार से हमको इंडिया वाले..., हरियाणवी नृत्य आदि नृत्यों की मनमोहक प्रस्तुति दी गई। 'चावल की रोटियां' व 'समझदार लोग' नाटक विशेष आकर्षण का केन्द्र रहे। दसवीं व बारहवीं की बोर्ड की परीक्षा में 90 प्रतिशत से ऊपर अंक लेने वाले 53 मेधावी विद्यार्थियों को 'रेणु स्मृति सिल्वर मेडल' देकर सम्मानित किया गया। ये परीक्षा परिणाम विद्यालय की शैक्षणिक गतिविधि व बोर्ड की

परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन, विद्यालय के उच्च मानदंडों व विद्यालय स्टॉफ की मेहनत व लगन का परिणाम है। कक्षा तीसरी से नौवीं व ग्यारहवीं में प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान पर रहने वाले विद्यार्थियों को भी पुरस्कृत किया गया। सभी अभिभावकगण विद्यार्थियों की उपलब्धि को देखकर बहुत खुश थे। मुख्य अतिथि डॉ. सुरेन्द्र कुमार पाहुजा ने विद्यालय व विद्यार्थियों के उत्कृष्ट परीक्षा परिणाम की भूरि-भूरि प्रशंसा की। विद्यालय की चेयरपर्सन डॉ. आस्था भुटानी ने विद्?यालय की वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत की। विद्यालय की प्रधानाचार्या अंजू नेउपस्थित सभी अतिथिगणों का आभार व्यक्त किया। मुख्य अतिथि को स्मृति चि?ह्न भेंट कर उन्हें सम्मानित किया गया। राष्ट्रीय गान के साथ कार्यक्रम का समापन किया गया।

कांग्रेस व जजपा को गढ़ी सांपला किलोई विधानसभा क्षेत्र से लगा बड़ा झटका

एजेंसी
रोहतक। कांग्रेस व जजपा को गढ़ी सांपला किलोई विधानसभा क्षेत्र से बड़ा झटका लगा है। बुधवार को जजपा की पूर्व प्रत्याशी एडवोकेट सुशीला देशवाल, ऑल हरियाणा प्राइवेट आईटीआई एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. राजपाल देशवाल व घिलौड खुर्द से कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सतीश कौशिक ने अपने सेंकड़ों समर्थकों के साथ कांग्रेस व जजपा छोड़कर इंडियन नेशनल लोकदल पार्टी का दामन थाम लिया है।

इनेलो के राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी अभय सिंह चौटाला, वरिष्ठ नेता संपत सिंह व प्रदेश अध्यक्ष रामपाल माजरा ने जजपा व कांग्रेस छोड़कर आने वाले सभी लोगों को पटका पहनाकर पार्टी में शामिल किया और पूरा मान सम्मान देने का आश्वासन दिया। यह जानकारी इनेलो के मीडिया

प्रभारी एडवोकेट कृष्ण कौशिक ने दी। उन्होंने कहा कि भाजपा व कांग्रेस से लोग परेशान हो चुके है और इसी लिए इनेलो पार्टी में शामिल हो रहे है। कृष्ण कौशिक ने कहा कि इनेलो ही एक मात्र ऐसी पार्टी है जो लोगों की आवाज बनी हुई है और सड़क से लेकर सदन तक विपक्ष की भूमिका निभा रही है। इनेलो सुप्रीमों अभय सिंह चौटाला की बढ़ती लोकप्रियता के चलते कांग्रेस व भाजपा पूरी तरह से बौखला गई है। उन्होंने कहा कि 28 दिसंबर को रोहतक में जींद बाईपास पर एक विशाल जनसभा का आयोजन किया जाएगा, जिसमें इनेलो सुप्रीमों अभय सिंह चौटाला सहित कई बड़े दिग्गज नेता शिरकत करेंगे और समारोह में भाजपा, कांग्रेस व जजपा छोड़कर सैंकड़ों लोग इनेलो में शामिल होकर घर वापसी करेंगे।

NAME CHANGE
I hitherto known as BRIJESH DEVI alias RAJESH W/o MAHIPAL SINGH, R/o Dhikana, Baghpat, Dhikana, Uttar Pradesh-250611, have changed my name and shall hereafter be known as RAJESH, for all future purposes.

पुस्तक समीक्षा हमारे प्रेरणा स्त्रोत: द्वापर के श्रीकृष्ण

कौमी पत्रिका
दिपक कुमार

पुस्तक का नाम पढते ही दिमाग में द्वारका का नाम कौध जाता है। श्रीकृष्ण, द्वापर युग और द्वारका तीनों का आपस में गहरा संबंध है। किसी एक की बात करो, तो बाकी दोनों पर चर्चा होना तय है। श्रीकृष्ण का जन्म द्वापर युग में हुआ था। वे इस युग के प्रतीक है। इस युग में श्रीकृष्ण ने मथुरा से हजारों मील दूर समुद्र के एक टापू पर द्वारका नगरी की स्थापना की। बाद में यह नगरी सागर में डूब गयी थी। पुरातत्वेत्ताओं को 5200 वर्ष पूर्व समुद्र में डूबी इस नगरी का मिल जाना भागवत पुराण और महाभारत की वास्तविकता को सिद्ध करता है। यह पुस्तक पुराणों, संहिताओं, संस्कृत शिलालेखों पर किए गए अध्ययनों के आधार पर द्वारका नगरी से लेकर श्रीकृष्ण जन्मभूमि, उनकी बाललीलाओं व अंतिम समय के बारे में जानकारी देती है और इसकी प्रमाणिकता को साबित करती है। इस पुस्तक का विमोचन साध्वीं ऋतम्भरा जी ने किया था। जोकि प्रसिद्ध कथावाचक हैं। इस समारोह में दिल्ली विधान सभा के अध्यक्ष श्री विजेन्दर गुप्ता जी, प्रमुख राजनीतिज्ञ श्री सुधांशु मित्तल जी, श्री बालमुकन्द पांडे जी, अखिल भारतीय संगठन मन्त्री, अखिल भारतीय इतिहास संकलन योजना, प्रसिद्ध पुरातत्ववेदी डा0 अमित राय जैन, प्रसिद्ध मथुरा श्रीकृष्ण जन्मभूमि में हिन्दू पक्ष के वकील श्री विष्णु जैन जी, आल इन्डिया श्र्वेत्तांवर स्थानकवासी जैन, पुस्तक के प्रकाशक किताबवाले के निदेशक श्री प्रशान्त जैन, कान्फ्रेंस के अध्यक्ष श्री अतुल जैन जी, सभी ने अपने आर्शीवाद वचनों के द्वारा लेखक का सम्मान किया। यह पुस्तक लेखक दीपक कुमार द्वारा पूर्व में लिखी गयी पुस्तक द्वापर के श्रीकृष्ण अधखुले पृष्ठ का दूसरा संस्करण है। हमारे प्रेरणा स्त्रोत- द्वापर के श्रीकृष्ण में 'द्वारका शहर- पौराणिक मिथक से इतिहास यात्रा' और ''श्रीकृष्ण जन्मभूमि'' नाम के अध्याय जोड़े गए हैं। इनमें प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के समुद्र में इस नगरी का पूजन करने व ध्यान लगाने, उनका वक्तव्य व फोटो प्रकाशित किए गए हैं। लेखक ने वरिष्ठ सांसद स्वर्गीय श्री वेद प्रकाश गोयल जी के साथ मिलकर समुद्र में डूबी हुई द्वारका निकालने के 1999 से 2003 प्रयासों का विस्तृत विवरण दिया है। लेखक ने राष्ट्रीय समुद्र विज्ञान संस्थान (National Institute of Oceanography), गुजरात मैरीटाइम बोर्ड (Gujarat Maritime Board) के साथ जो पत्राचार हुऐ उसकी कुछ प्रतिलिपियां इस पुस्तक में दी हैं। जिससे उनके सराहनीय प्रयासों की जानकारी मिलती है। लेखक ने लिखा है यदि 2004 में केन्द्र में सरकार का परिवर्तन नहीं होता तो द्वारका में जो पूजा 2024 में भारत के प्रधानमन्त्री ने की है वह पूजा 2005-2006 में हो गई होती। साथ ही 'श्रीकृष्ण जन्मभूमि के इतिहास' और 'जन्मभूमि पर चल रहे मुकदमों के बारे में जानकारी दी गई है, जो कि इसे समसायिक बनाते हैं। मंदिर कब बना, कब-कब तोडा गया और फिर किस तरह औरंगजेब के समय में मुस्लिम कट्टरता की भेंट चढ़ गया। इस मंदिर को महमूद गजनवी ने पहली बार 1017 ई. में तोड़ा था। इस बात की पुष्टि गजनवी के मीर मुंशी अल उत्वी की पुस्तक ''तारीखे यामिनी'' में दर्ज जानकारी से गयी है। कहने का मतलब यह है कि श्रीकृष्ण जन्मभूमि मंदिर के इतिहास से जुडी कोई भी जानकारी हवा-हवाई नहीं है, बल्कि हर बात को ठोस प्रमाणों के साथ रखा गया है। हिंदू संस्कृति में विश्वास रखने वालों को इस जन्मभूमि के स्वामित्व के बारे में सबूत देने की आवश्यकता नहीं है। लेकिन अगर जन्मभूमि विवाद का मामला कोर्ट में है, तो तथ्य और प्रमाण देने ही पड़ेंगे। ऐसे में यह पुस्तक मददगार साबित हो सकती है। इस पुस्तक में ''द्वारका नगरी'' और 'श्रीकृष्ण के विजित भारत' के नक्शे भी दिए गए हैं। द्वारका नगरी कैसी थी इसके रंगीन नक्शे को देखकर नगरी की कल्पना की जा सकती है। हालांकि विश्वकर्मा, हरिवंश, भागवत पुराण और गर्ग संहिता के माध्यम से इस नगरी का वर्णन किया गया है। इसमें द्वारका नगरी के बारे में रोचक जानकारी दी गयी है। इस नगरी को बनाते समय सुरक्षा पर खास ध्यान दिया गया है। इसे ऐसी नगरी बनाना था, जिसे कोई भेद ना सके। विश्वकर्मा महापुराण के हवाले से बताया गया है कि जब नगरी का निर्माण कार्य पूरा कर लिया गया तो, श्रीकृष्ण, बलराम/यादवों सहित नगरी में प्रवेश करने के लिए दुर्ग पर पहुंचे। दूर्ग के चारों ओर घूमने के बाद भी द्वार नजर नहीं आया, जिसके कारण सभी श्रीकृष्ण से पूछने लगे कि ''द्वार कहा है-द्वार कहा हैं।'' तभी से इस नगरी का नाम द्वारका पडा। निसंदेह यह पुस्तक श्रीकृष्ण के जीवन से जुड़े कई ऐसे पहलुओं को उजागर करती है, जो अभी तक अनसुने थे। 'श्रीकृष्ण द्वारा विजित भारत' अध्याय में प्रद्युम्न द्वारा श्रीलंका से लेकर साइबेरिया तक और ईरान से लेकर बंगलादेश तक जीतने का नक्शा दिया गया है। इन्होंने उत्तर से दक्षिण और पश्चिम से पूर्व तथा हिमालय से उस पार का भी हिस्सा जीता। विजय यात्रा में श्रीकृष्ण और प्रद्युम्न की युद्ध कला देखने को मिलती है। जब-जब युद्ध होता तो प्रद्युम्न शत्रु पक्ष कई मोर्चे एक साथ खोल देते थे। यादवों के पास कई महारथी थे, इसलिए वे शत्रु का चक्रव्यूह तोडने में सफल हो जाते थे। इसमें युद्ध की रणनीति से जुडे कई उदाहरण दिए गए हैं, जो उनकी युद्ध कला को दर्शाते हैं। इन रणनीतियों में से कुछेक को तो आज भी बाहर के देश अपना रहे हैं। जिसमें जाहिर होता है कि उस युग की रणनीतियां आज भी उतनी ही प्रासंगिक हैं। इस पुस्तक में श्रीकृष्ण की आयु और उनसे जुडे मुख्य घटनाक्रम को इस तरह से दर्शाया गया है कि नजरभर देखने से पता चल जाता है कि उन्होंने किस उम्र में कौन सी लीला की थी। 'श्रीकृष्ण का क्रमबद्ध जीवन वृत्त' पाइंट्स में दिया गया है, जिससे उनके विलक्षण व्यक्तित्व, पारिवारिक पृष्ठभूमि व सामाजिक संबंधों के बारे में जानकारी मिलती है। उनकी वंशावली का पूरा चार्ट दिया गया है। श्रीकृष्ण को लेकर जो गलत भ्रांतियां या धारणाएं हैं, वह भी इस पुस्तक को पढने से दूर होती हैं। उन पर माखन चोर होने और गोपियों के साथ रासलीला रचाने के आरोप लगाए जाते हैं। जबकि वह माखन चोर नहीं थे, बल्कि उन गोपियों से मक्खन, दूध, दही व घी लेते थे, जिसे वे 'कंस' के राज्य में बेचती थीं। इसके पीछे मुख्य उद्देश्य कंस की अर्थव्यवस्था को कमजोर करना था। जहां तक गोपियों के साथ रासलीला रचानरे का सवाल है तो 'यह रासलीला ना होकर सांस्कृतिक संध्या' थी। इसके सबसे बड़ी वास्तविकता यह है कि उस समय उनकी आयु महज 10 वर्ष थी। इससे साफ जाहिर होता है कि उन्हें रासलीला करनी होती, तो वह युवावस्था में करते ना कि किशोरावस्था में है। कुल मिलाकर यह पुस्तक गहन रिसर्च पर आधारित एक दस्तावेज है। पीठ के शंकराचार्य हों या प्रसिद्ध कथावाचक या मथुरा में श्रीकृष्ण जन्मभूमि ट्रस्ट कों प्रबंध न्यासी, सभी लेखक के इस प्रयास की सराहना कर रहे हैं पश्चिमाम्नाय श्रीद्वारकाशारदापीठाधीश्वेवर जगदगुरू शंकराचार्य स्वामी सदानन्द सरस्वती जी ने लेखक को आर्शीवाद के तौर पर भेजे पत्र में लिखा है कि ''हमारे प्रेरणा स्त्रोत- द्वापर के श्रीकृष्ण'' पुस्तक के लेखक श्री दीपक कुमार जी द्वारा श्रीकृष्ण के दर्शन हेतु प्रवर्तमान समय में सनातनी हिन्दुओं को विशेष दृष्टि प्रदान की है। इस हेतु आर्शीवाद प्रदान करते हैं।'' प्रसिद्ध कथावाचक साध्वी ऋतम्भरा जी ने लेखक को अपनी शुभकामनाएं भेजी हैं। वे वात्सल्य ग्राम परमशक्तिपीठ की अधिष्ठात्री दीदी मां हैं। उन्होंने अपने पत्र में लिखा है, ''विश्व की वर्तमान स्थितियों में योगेश्वर भगवान श्रीकृष्ण का जीवन चरित्र मनुष्य को सत्पथ पर अग्रसर कर सकता है। आपकी यह पुस्तक समाज जीवन को एक नया चिंतन प्रदान करेगी। इसी मंगलकामना के साथ आपको इस सत्प्रयत्न हेतु अनंत शुभकामनाएं।'' श्रीकृष्ण जन्मभूमि ट्रस्ट, मथुरा के प्रबंध न्यासी श्री अनुराग डालमिया जी की राय में, ''श्रीकृष्ण को मिथक के आवरण से यथार्थ रूप में स्थापित करने का दुष्कर श्रमसाध्य शोध जिस समर्पण भाव से किया है, उसकी द्वितीय आवृति द्वारका में माननीय प्रधानमंत्री जी के प्रवेश के घटनाक्रम से आलोकित हो उठी है। ''हमारे प्रेरणा स्त्रोत- द्वापर के श्रीकृष्ण'' का यह संस्करण कृष्ण भक्तों के हृदय में नवीन भाव का सृजन करेगा, ऐसा मेरा विश्वास है।'' वास्तव में यह पुस्तक भारतीय संस्कृति में प्रेरणा और मार्गदर्शन का काम करेगी। उम्मीद है कि लेखक की इस विषय पर रिसर्च यात्रा जारी रहेगी। हमें नयी जानकारियों के साथ इसका तीसरा संस्करण भी पढ़ने को मिलेगा।

पुस्तक का नाम: हमारे प्रेरणास्त्रोत: द्वापर के श्रीकृष्ण
लेख: दीपक कुमार
प्रकाशक: किताबवाले, 7/31, अंसारी रोड, दरियागंज,
नयी दिल्ली-110002
मूल्य: 1000/- रूपये
kitabwale@gmail.com.
www.kitabwale.com.
+91-95990441956

शेयर बाजार हल्की बढ़त के साथ बंद

आईटी, ऑटो, पीएसयू बैंक, फार्मा शेयरों में आया उछाल

मुंबई ।

भारतीय शेयर बाजार गुरुवार को बढ़त पर बंद हुआ। एशियाई बाजारों से मिले-जुले संकेतों के बीच ही आई टी सहित दिग्गज कंपनियां के शेयरों में खरीददारी हावी होने से दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स अंत में 158.51 अंक बढ़कर 85,265.32 और 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 47.75 अंक ऊपर आकर 26,033.75 पर बंद हुआ । आज आईटी शेयरों में निफ्टी आईटी इंडेक्स 1.41 फीसदी बढ़कर बंद हुआ। इसके अलावा ऑटो, पीएसयू बैंक, फार्मा, एफएमसीजी, मेटल और रियल्टी शेयरों में भी तेजी रही। दूसरीओर एनर्जी,मीडिया, इन्फ्रा, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स और ऑयल एंड गैस लाल निशान में बंद हुआ।

लार्जकैप की अपेक्षा मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में सपाट कारोबार हुआ। ऐसे में अधिकतर शेययरों में गिरावट रही। । निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 15.85 अंक फिसलक 60,299.80 और निफ्टी स्मॉलकैप 41.60 अंक नीचे आकर 17,607.85 पर बंद हुआ।

सेंसेक्स पैक में टीसीएस,टेक महिंद्रा, इन्फोसिस, एचसीएल टेक, भारती एयरटेल, सन फार्मा, बीईएल, ट्रेंट,आईटीसी, बजाज फाइनेंस, एमएंडएम, एक्सिस बैंक, एचयूएल, पावर ग्रिड और एशियन पेंट्स के शेयरों में बढ़त रही जबकि मारुति सुजुकी,महिंद्रा बैंक, टाइटन, एसबीआई,आईसीआईसीआई बैंक, एचडीएफसी बैंक के शेयर गिरे हैं।

इससे पहले आल सुबह बाजार की शुरुआत गिरावट के साथ हुई, लेकिन शुरुआती उतार-चढ़ाव के बाद प्रमुख सूचकांकों ने तेजी पकड़ ली। सेंसेक्स की 84,987 अंकों पर गिरावट के साथ ही शुरुआत हुई। एनएसई का निफ्टी-50 भी कमजोर शुरुआत के साथ 25,981 पर खुला था। हालांकि, खुलने के कुछ ही देर बाद इसमें सुधार देखने को मिला।

ऐ शियाई बाजार- एशिया बाजारों में वॉल स्ट्रीट में रोजगार आंकड़ों के कारण बढ़त के बाद बाजारों में मिलाजुला रुख रहा।

रुपया बढ़त पर बंद

मुंबई । भारतीय रुपया गुरुवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 28 पैसे की बढ़त के साथ ही 89.88 पर बंद हुआ। विदेशी मुद्रा कारोबारियों के अनुसार, रिज़र्व बैंक के सीमित हस्तक्षेप और आयातकों द्वारा डॉलर की बढ़ती मांग रुपये पर लगातार दबाव बना रही है। शुक्रवार को होने वाली मौद्रिक नीति समिति की घोषणा से पहले बाजार में अनिश्चितता बढ़ी है, जिसका असर विनिमय दर पर दिखाई दे रहा है। वहीं अंतरबैंक विदेशी मुद्रा बाजार में सुबह कारोबार की शुरुआत रुपये ने 90.36 प्रति डॉलर पर की, लेकिन जल्द ही यह और कमजोर होकर 90.43 के नए रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया। इससे पहले बुधवार को भी रुपया पहली बार 90 के पार बंद होकर 90.15 प्रति डॉलर के ऐतिहासिक निचले स्तर पर दर्ज हुआ था।

भारत में हेलीकॉप्टर किराए की मांग बढ़ी

- छोटे हेलीकॉप्टर का प्रति घंटा किराया 94,400 से 1.5 लाख रुपए तक

नई दिल्ली । भारत में हेलीकॉप्टर किराए पर लेना अब केवल फिल्मों या लग्जरी तक सीमित नहीं रहा। वीआईपी यात्रा, शादियां, एडवेंचर टूर और इमरजेंसी मेडिकल जरूरतों के लिए इसकी मांग तेजी से बढ़ रही है। छोटे हेलीकॉप्टर (सिंगल इंजन) में 3-4 लोग बैठ सकते हैं, और प्रति घंटा किराया 94,400 रुपए से 1.5 लाख रुपए तक है। बड़े हेलीकॉप्टर (डबल इंजन) में 6-8 लोग बैठते हैं, और किराया 3 लाख से 4 लाख रुपए तक होता है। डबल इंजन मॉडल लंबी दूरी और सुरक्षा के लिहाज से अधिक सुरक्षित माने जाते हैं। कंपनियां दूरी के बजाय उड़ान के समय के हिसाब से चार्ज करती हैं। लैंडिंग और पार्किंग फीस, विशेष सर्टिफिकेशन, ईंधन लागत, इवेंट व्यवस्थाएं और पीक सीजन के कारण किराया बढ़ सकता है। छोटे हेलीकॉप्टर सस्ते और छोटी दूरी के लिए उपयुक्त हैं, जबकि बड़े हेलीकॉप्टर लंबी दूरी और अधिक सुरक्षा के लिए।

भारत-कनाडा ने फिर से शुरू की मुक्त व्यापार समझौते की वार्ता

नई दिल्ली । भारत और कनाडा ने प्रस्तावित मुक्त व्यापार समझौते, कंप्रेहें सिव इकानॉमी पार्टनरे शिप एग्रीमेंट (सीईपीए) पर बातचीत फिर से शुरू करने का रास्ता साफ कर लिया है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल और कनाडा के अंतरराष्ट्रीय व्यापार मंत्री मनिंदर सिद्धू ने इस समझौते की रूपरेखा, उद्देश्य और कार्यप्रणाली पर विस्तृत चर्चा की। दोनों देशों ने 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार को 50 अरब डॉलर तक बढ़ाने का लक्ष्य तय किया है। सीईपीए के तहत वस्तुओं पर शुल्क में कटौती या समाप्ति, कुशल पेशेवरों की आवाजाही में आसानी और निवेश आकर्षित करना शामिल है। गोयल ने सोशल मीडिया पर लिखा कि वार्ता के दौरान दोनों पक्षों ने समग्र दृष्टिकोण और प्रारंभिक रूपरेखा पर विचार साझा किया। 2023 में कनाडा के तत्कालीन प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में भारत का हाथ होने का आरोप लगाया था, जिसके बाद दोनों देशों के संबंध तनावपूर्ण हो गए और वार्ता रोक दी गई थी। इससे पहले प्रस्तावित समझौते पर दोनों देशों के बीच छह से अधिक दौर की बातचीत हो चुकी थी।

विदेशी निवेशकों की बिकवाली के बावजूद घरेलू निवेशकों ने बाजार को संभाला

- 2025 में अब तक एफपीआई ने कैश सेगमेंट से रिकॉर्ड 17.3 बिलियन डॉलर निकाले

मुंबई ।

दिसंबर के पहले तीन सत्रों में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने भारतीय शेयर बाजार में लगभग 8,369 करोड़ रुपए (933 मिलियन डॉलर) की शुद्ध बिकवाली की। एनएसडीएल के आंकड़ों के अनुसार, 2025 में अब तक एफपीआई ने कैश सेगमेंट से रिकॉर्ड 17.3 बिलियन डॉलर की निकासी की है। पिछले महीनों में भी बिकवाली का क्रम जारी रहा, नवंबर में 3,765 करोड़, सितंबर में 23,885 करोड़ और अगस्त में 34,990 करोड़ रुपए। विशेषज्ञों के अनुसार भारतीय बाजार का ऊंचा वैल्यूएशन विदेशी निवेशकों को अपेक्षाकृत सस्ते बाजारों की ओर मोड़ रहा है। एफपीआई की बिकवाली के बावजूद घरेलू निवेशकों की मजबूती ने बाजार को स्थिर रखा। एमफी के आंकड़ों के मुताबिक, जनवरी से नवंबर 2025 तक म्यूचुअल फंडों में एसआईपी के जरिए 2.75 लाख करोड़ से अधिक का ग्रॉस इनफ्लो आया। इस लगातार निवेश ने सेंसेक्स और निफ्टी को विदेशी बिकवाली के दबाव से बचाया। 27 नवंबर को सेंसेक्स ने 14 महीने बाद 86,159 के नए सर्वकालिक उच्च स्तर को पार किया। हालांकि, इसके बाद लगातार चार सत्रों में बिकवाली के कारण सूचकांक 1,000 अंक से अधिक फिसलकर 85,107 पर बंद हुआ। अधिकांश सेक्टर्स में गिरावट देखी गई, लेकिन आईटी सेक्टर ने मजबूती बनाए रखी। गौरतलब है ` कि भारतीय शेयर बाजार में विदेशी निवेशकों की बिकवाली बढ़ी है, लेकिन घरेलू निवेशकों की सक्रिय भूमिका ने बाजार को संतुलित रखा है। रुपया दबाव में है, लेकिन घरेलू निवेश की निरंतरता ने निवेशकों को भरोसा बनाए रखा है।

सोने के वायदा भाव में नरमी, चांदी में हल्की तेजी

- सोना 188 रुपए गिरकर 1,30,274, चांदी 269 रुपए तेज होकर 1,82,621 पर

नई दिल्ली । सोने-चांदी के वायदा बाजार में गुरुवार को कारोबार की शुरुआत तेज रुख के साथ हुई, हालांकि सत्र के आगे बढ़ने के साथ सोने के भाव पर दबाव देखने को मिला। घरेलू मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का फरवरी वायदा कॉन्ट्रेक्ट 337 रुपये की मजबूती के साथ 1,30,799 प्रति 10 ग्राम पर खुला था, जबकि पिछले सत्र का बंद भाव 1,30,462 रुपए था। इस समय सोना 1,30,274 रुपए पर आ गया, जो शुरुआती स्तर से 188 रुपये की गिरावट दर्शाता है। दिन के दौरान इसने 1,30,799 रुपए का उच्च और 1,30,228 रुपए का निम्न स्तर छुआ। सोने ने इस वर्ष 1,31,699 रुपए का सर्वोच्च स्तर बनाया था। दूसरी ओर, चांदी के वायदा भाव की शुरुआत तेज रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क मार्च कॉन्ट्रेक्ट 269 रुपये की तेजी के साथ 1,82,621 रुपये पर खुला। पिछला बंद भाव 1,82,352 रुपये था। इस समय यह 2,45 रुपये की तेजी के साथ 1,82,597 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। इस समय इसने 1,82,697 रुपये के भाव पर दिन का उच्च और 1,82,021 रुपये के भाव पर दिन का निचला स्तर छू लिया। चांदी के वायदा भाव ने इस साल 1,84,743 रुपये किलो के भाव पर सर्वोच्च स्तर छू लिया। वहीं अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी मिले-जुले रुझान दिखाई दिए। कॉमेक्स पर सोना 4,234.50 डॉलर प्रति औंस पर खुलकर लगभग 4,223.10 डॉलर पर आ गया, जो लगभग 9.40 डॉलर की गिरावट दर्शाता है। इस वर्ष सोने का उच्चतम स्तर 4,398 डॉलर रहा है। वहीं चांदी 58.98 डॉलर प्रति औंस पर खुली और हल्की तेजी के साथ 58.81 डॉलर पर कारोबार कर रही थी। चांदी ने वर्ष का उच्च स्तर 59.61 डॉलर छुआ था।

आंध्र प्रदेश सरकार ने अडाणी-गूगल एआई डेटा सेंटर के लिए 480 एकड़ जमीन आवंटित की

- परियोजना चरणबद्ध तरीके से विकसित की जाएगी और सरकार 22,000 करोड़ तक प्रोत्साहन भी देगी

अमरावती . आंध्र प्रदेश सरकार ने गूगल की कंपनी रैडेन इन्फोटेक इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के लिए विशाखापत्तनम और अनकापल्ली जिलों में 480 एकड़ भूमि आवंटित की है। भूमि आवंटन अदाणी इंफ्रा (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड को 'प्राथमिक अधिसूचित भागीदार' के रूप में किया गया है। अन्य अधिसूचित भागीदारों में अदाणी कॉनेक्स, अदाणी पावर, भारती एयरटेल और नेक्सट्रा डेटा/विजाग शामिल हैं। यह आवंटन अंतिम सर्वेक्षण के पूरा होने पर लागू होगा। रैडेन एआई डेटा सेंटर का कुल निवेश 15 अरब डॉलर (लगभग 1.25 लाख करोड़ रुपये) तक पहुंच गया है। परियोजना चरणबद्ध तरीके से विकसित की जाएगी और सरकार से 22,000 करोड़ रुपये तक के प्रोत्साहन भी दिए जाएंगे। मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने इस परियोजना के लिए विशेष प्रोत्साहनों का आश्वासन दिया है। डेटा सेंटर गूगल की सेवाओं जैसे सर्च, यूट्यूब और वर्कस्पेस के संचालन मानकों के अनुसार विकसित किया जाएगा। इसकी क्षमता 1 गीगावाट होगी, जो पूर्ण संचालन पर मुंबई की वार्षिक बिजली खपत का लगभग 50 प्रतिशत उपयोग करेगा। परियोजना आंध्र प्रदेश में डिजिटल और तकनीकी निवेश को बढ़ावा देगी, नई नौकरियां सृजित करेगी और राज्य की वैश्विक तकनीकी छवि मजबूत करेगी। रैडेन के साथ अधिसूचित भागीदार सभी प्रोत्साहनों का लाभ उठा सकेंगे। सरकारी आदेश 2 दिसंबर 2025 को जारी किया गया और इसमें मंत्रिपरिषद की 28 नवंबर की बैठक में प्रस्ताव की मंजूरी का उल्लेख किया गया है।

भारत का अमेरिका को स्मार्टफोन निर्यात बढ़कर 1.47 अरब डॉलर पहुंचा

- भारत के वैश्विक स्मार्टफोन निर्यात में भी तेज़ी आई

नई दिल्ली ।

भारत का अमेरिका को स्मार्टफोन निर्यात अक्टूबर 2025 में तीन गुना से अधिक बढ़कर 1.47 अरब डॉलर हो गया। पिछले साल इसी महीने यह केवल 46 करोड़ डॉलर था। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, इस वित्त वर्ष की अप्रैल-अक्टूबर अवधि में अमेरिका को कुल निर्यात 10.78 अरब डॉलर रहा, जबकि पिछले साल समान अवधि में यह 3.60 अरब डॉलर था। मासिक आधार पर निर्यात में उतार-चढ़ाव देखा गया। अप्रैल में यह 1.65 अरब डॉलर, मई में 2.29 अरब डॉलर था। जून में 1.99 अरब डॉलर, जुलाई में 1.52 अरब डॉलर, अगस्त में 96 करोड़ डॉलर और सितंबर में 88 करोड़ डॉलर तक गिर गया। अक्टूबर में निर्यात फिर बढ़कर 1.47 अरब डॉलर हुआ। अधिकारियों ने कहा कि शुल्क और नीति संबंधी अनिश्चितताओं के बावजूद निर्यात की गति कायम रही। भारत के वैश्विक स्मार्टफोन निर्यात में भी तेज़ी आई है।

अप्रैल-अक्टूबर 2025 में यह 15.95 अरब डॉलर तक पहुंच गया, जबकि पिछले साल की समान अवधि में 10.68 अरब डॉलर था। यह वृद्धि भारतीय स्मार्टफोन उद्योग की निर्यात क्षमता और अंतरराष्ट्रीय मांग को दर्शाती है।

रुपए की कमजोरी से महंगाई और आर्थिक दबाव बढ़ने की आशंका

- महंगाई बढ़ने से आरबीआई ब्याज दर बढ़ा सकता है

नई दिल्ली ।

डॉलर के मुकाबले रुपए की कमजोरी का असर आम जनता की जेब पर सीधे पड़ रहा है। भारत कच्चे तेल, गैस और कई आवश्यक वस्तुओं का बड़ा आयातक है। डॉलर मजबूत होने से इनकी कीमत बढ़ती है। पेट्रोल-डीजल महंगा होने से ट्रांसपोर्ट लागत बढ़ती है, जो सब्ज़ी, दूध, अनाज और दैनिक उपयोग की चीज़ों की कीमतों में इजाफा करती है। मोबाइल, लैपटॉप, टीवी और अन्य इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों में इस्तेमाल होने वाले पुर्ज़े विदेश से आते हैं। डॉलर मजबूत होने पर कंपनियों की लागत बढ़ती है और कीमतें बढ़ाना पड़ता है। आईटी और फार्मा कंपनियों को लाभ होता है, जबकि ऑटो, स्टील और इम्पोर्ट पर निर्भर सेक्टर दबाव में आते हैं। बाजार में उतार-चढ़ाव बढ़ता है, निवेशकों की चिंता बढ़ती है। महंगाई बढ़ने से आरबीआई ब्याज दर बढ़ा सकता है। होम लोन, कार लोन और पर्सनल लोन की ईएमआई बढ़ती है। विदेश में पढ़ाई करने वालों के लिए खर्च महंगा हो जाता है। रुपए की कमजोरी महंगाई, निवेश, बचत और रोजमर्रा की जीवनशैली पर व्यापक प्रभाव डालती है।

चार श्रम संहिताओं को लागू करने के बाद, भारत में रोजगार के लाखों अवसर निर्मित होंगे

प्रहलाद सबनानी

हालांकि पिछले दशक में, भारत में सामाजिक सुरक्षा कवरेज का व्यापक विस्तार किया गया है, इससे सामाजिक सुरक्षा योजना में शामिल कार्यबल की संख्या वर्ष 2015 के लगभग 19 प्रतिशत से बढ़कर वर्ष 2025 में 64 प्रतिशत से अधिक हो गई है। साथ ही, यह भी सुनिश्चित किया गया है कि देश भर के श्रमिकों को सुरक्षा और सम्मान मिले और सामाजिक सुरक्षा के क्षेत्र में प्राप्त की गई उक्त बड़ी उपलब्धि के लिए भारत ने वैश्विक स्तर पर मान्यता भी अर्जित की है। चार श्रम संहिताओं का कार्यान्वयन इस व्यापक बदलाव में अगला बड़ा कदम है, जो सामाजिक सुरक्षा की प्रणाली को और सशक्त करता है और राज्यों तथा सेक्टरों तक विभिन्न लाभों को पहुंचाता है।

21 नवम्बर 2025 से भारत में चार श्रम संहिताओं (वेतन संहिता 2019, औद्योगिक सम्बंध संहिता 2020, सामाजिक सुरक्षा संहिता, 2020 एवं व्यावसायिक सुरक्षा, स्वास्थ्य और कार्य शर्त संहिता, 2020) को लागू कर दिया गया है। इन चार श्रम संहिताओं के माध्यम से भारत में पूर्व में लागू 29 श्रम कानूनों को आसान और कारगर बनाए जाने का प्रशंसनीय प्रयास केंद्र सरकार द्वारा किया गया है। उक्त चार श्रम संहिताओं का लागू किया जाना भारत के श्रमबल के लिए उचित वेतन, श्रमिकों की सामाजिक सुरक्षा, उनकी रक्षा एवं उनके बेहतर कल्याण के क्षेत्र में एक बड़े बदलाव की शुरूआत भी माना जा रहा है। इससे भारत में मजबूत उद्योग की नींव रखी जाकर रोजगार के लाखों नए अवसर निर्मित किए जा सकेंगे। इन चार श्रम संहिताओं के माध्यम से भारत के श्रमिकों को वैश्विक मानकों के अनुरूप ढालने का प्रयास भी किया जाएगा एवं उनके लिए सामाजिक न्याय सुनिश्चित किया जा सकेगा जो अंततः भारत को प्रत्येक क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने में सहायक होगा।

भारत में अभी तक लागू 29 श्रम कानूनों में से कुछ तो देश की आजादी से पूर्व एवं आजादी के तुरंत बाद के खंडकाल (वर्ष 1930 से 1950 के बीच) में बनाए गए थे। विश्व के अन्य देशों में पुराने श्रम कानूनों में पर्याप्त बदलाव कर वैश्विक स्तर पर हुए आर्थिक बदलावों के अनुरूप बनाकर नए श्रम कानूनों को लागू किए हुए एक अरसा हो चुका है परंतु भारत में अभी भी 29 केंद्रीय श्रम कानूनों का अनुपालन किया जा रहा था, जो अपने आप में बिखरे हुए हैं, पेचीदा हैं, एवं अति पुराने नियमों के अंतर्गत चलायमान रहे हैं, इससे अंततः भारत में इतने लम्बे समय तक, आजादी के 75 वर्षों के बाद भी, श्रमिकों के साथ अन्याय किया जाता रहा है। इससे भारत में औद्योगिक प्रगति भी एक तरह से बाधित ही होती रही है और आर्थिक प्रगति को भी कहीं न कहीं विपरीत रूप से प्रभावित करती रही है। उक्त चार श्रम सहिताओं को लागू करने के बाद औपनिवेशिक सोच को पीछे छोड़कर नए भारत की नींव रखने का प्रयास किय जा रहा है। साथ ही, आधुनिक वैश्विक प्रवाह के साथ तालमेल बिठाने की लंबे समय से चली आ रही जरूरत को पूरा किया जा रहा है। उक्त चार संहिताएं मिलकर मजदूरों और कंपनियों दोनों को मजबूत बनाएंगे एवं एक ऐसा श्रमबल तैयार करेंगे जो सुरक्षित, उत्पादक और काम की बदलती हुई दुनिया के साथ तालमेल बिठाएंगे, इससे भारत को अधिक मजबूत, प्रतिस्पर्धी और आत्मनिर्भर बनाने का रास्ता साफ होगा।

भारतीय स्टेट बैंक द्वारा जारी एक अनुसंधान प्रतिवेदन में बताया गया है कि भारत में उक्त चार श्रम सहिताओं को लागू करने के बाद बेरोजगारी की दर में कमी होगी, रोजगार के नए अवसर निर्मित होंगे, बढ़ी संख्या में अनौपचारिक क्षेत्र में कार्य कर रहा श्रमबल औपचारिक क्षेत्र में हस्तांतरित होगा और इससे उनकी मजदूरी की दर में वृद्धि होगी, श्रमिकों की बचत की क्षमता में वृद्धि होगी एवं उनकी खर्च करने की क्षमता भी बढ़ेगी। इससे कुल मिलाकर देश में विभिन्न उत्पादों की मांग में वृद्धि दर्ज होगी। उक्त अनुसंधान प्रतिवेदन के अनुसार, वर्तमान में, भारत में लगभग 44 करोड़ श्रमिक अनौपचारिक क्षेत्र में कार्य कर रहे हैं, इनमें से 31 करोड़ श्रमिक भारत के ई-श्रम पोर्टल पर रजिस्टर्ड हैं। उक्त श्रमिकों में से यदि केवल 20 प्रतिशत श्रमिक ही अनौपचारिक क्षेत्र से औपचारिक क्षेत्र में हस्तांतरित हो जाएं तो लगभग 10 करोड़ श्रमिक औपचारिक क्षेत्र में बढ़ जाएंगे, जिससे उन्हें बढ़ी हुई दर से मजदूरी एवं सेवा निवृत्ति के समस्त लाभ मिलना प्रारम्भ हो जाएंगे। इससे अंततः भारत में कुल कार्यरत श्रमिकों में से 80-85 प्रतिशत श्रमिक भारत की सामाजिक सुरक्षा योजना में शामिल हो जाएंगे। एक अन्य अनुसंधान प्रतिवेदन के अनुसार, आज भारत में कुल श्रमिकों का लगभग 60.4 प्रतिशत भाग औपचारिक क्षेत्र में कार्य कर रहा है, उक्त वर्णित चार श्रम संहिताओं के लागू होने के बाद अनौपचारिक क्षेत्र में से लगभग 15.1 प्रतिशत भाग औपचारिक क्षेत्र में शामिल हो जाने वाला है। इस प्रकार, औपचारिक क्षेत्र में कार्य करने वाले श्रमबल की संख्या बढ़कर 75.5 प्रतिशत हो जाएगी।

भारतीय स्टेट बैंक के उक्त वर्णित अनुसंधान प्रतिवेदन के अनुसार, भारत में चार श्रम संहिताओं को लागू करने के बाद आगे आने वाले समय में बेरोजगारी की दर में भी लगभग 1.3 प्रतिशत तक की कमी दर्ज हो सकती है क्योंकि देश में रोजगार के लगभग 77 लाख नए अवसर निर्मित होने की सम्भावना व्यक्त की गई है। इससे, कार्य कर सकने वाली उम्र के श्रमिकों की संख्या भी 60.1 प्रतिशत से बढ़कर 70.7 प्रतिशत तक पहुंचने की सम्भावना है। श्रमिकों के अनौपचारिक क्षेत्र से औपचारिक क्षेत्र में हस्तांतरित होने के कारण श्रमिकों की उपभोग क्षमता में भी वृद्धि की सम्भावना व्यक्त की गई है। इस संदर्भ किए गए अनुसंधान के अनुसार, प्रत्येक श्रमिक की प्रतिदिन लगभग 66 रुपए की अतिरिक्त खर्च करने की क्षमता में वृद्धि दर्ज होगी और इससे कुल मिलाकर पूरे देश में लगभग 75,000 करोड़ रुपए की विभिन्न उत्पादों की अतिरिक्त मांग निर्मित होगी।

भारत में लागू की गई चार श्रम संहिताओं के बाद समस्त कामगारों को नियुक्ति पत्र प्रदान करना अनिवार्य कर दिया गया है, ताकि श्रमिकों को औपचारिक क्षेत्र में मिलने वाले समस्त लाभ मिल सकें। साथ ही, रोजगार के सम्बंध में लिखित में सबूत उत्पन्न होने से पारदर्शिता तथा श्रमिकों को रोजगार की गारंटी एवं पक्का रोजगार उपलब्ध होगा। सामाजिक सुरक्षा संहिता, 2020 के अंतर्गत गिग एवं प्लेटफार्म श्रमिकों सहित समस्त कामगारों को सामाजिक सुरक्षा के लाभ उपलब्ध होंगे। सभी कामगारों को पीएफ, ईएसआईसी, बीमा और अन्य सामाजिक सुरक्षा लाभ मिलने प्रारम्भ होंगे। वर्तमान में श्रमिकों का एक बड़ा वर्ग न्यूनतम मजदूरी की सीमा से बाहर रखा जा रहा था क्योंकि न्यूनतम मजदूरी केवल अधिसूचित उद्योगों/रोजगार पर ही लागू थी। परंतु, अब वेतन संहिता, 2019 के अंतर्गत, समस्त कर्मचारियों को न्यूनतम वेतन भुगतान पाने का कानूनी अधिकार प्रदान कर दिया गया है। न्यूनतम मजदूरी एवं समय पर वेतन के भुगतान से श्रमिकों की वित्तीय सुरक्षा को बेहतर किया जा सकेगा। साथ ही, अब नियोक्ताओं के लिए 40 वर्ष से अधिक की आयु के समस्त कर्मचारियों की मुफ्त स्वास्थ्य जांच कराना आवश्यक कर दिया गया है। समय पर निवारक स्वास्थ्य सेवा संस्कृति को विकसित किया जाना ही चाहिए। महिला कार्यबल को सभी स्थानों पर समस्त प्रकार के काम करने की इजाजत दे दी गई है, लेकिन इसके लिए सबंधित मातृशक्ति की सहमति होना अनिवार्य किया गया है एवं मातृशक्ति के आवश्यक सुरक्षा उपाय भी किए जाना आवश्यक होगा। साथ ही, कई प्रकार के आर्थिक लाभ भी औपचारिक क्षेत्र में शामिल होने वाले श्रमिकों को प्रदान किए गए हैं।

आज भारतीय अर्थव्यवस्था, पूरे विश्व की बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के बीच, सबसे तेज गति से आगे बढ़ती हुई अर्थव्यवस्था बन गई है और भारत आज प्रयासरत है कि देश में बड़े आकार के उद्योगों का जाल फैले ताकि भारत के विकास में उद्योग क्षेत्र का योगदान भी बढ़े। उद्योग क्षेत्र में सामान्यतः श्रमिकों का शोषण किए जाने की कई घटनाएं सामने आती रही हैं। अतः श्रमिकों के हितों की रक्षा करने के उद्देश्य से एवं देश में उद्योग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से उक्त चार श्रम संहिताओं को लागू किया गया है। भारत के श्रमिकों को आज वैश्विक स्तर पर इस संदर्भ में लागू मानदंडो पर अपने आप को खरा उतारना होगा। इसके बाद ही भारत में निर्मित उत्पाद विश्व के अन्य देशों में निर्मित उत्पादों से प्रतिस्पर्धा कर सकेंगे। कुल मिलाकर भारतीय उद्योग को वैश्विक स्तर पर ले जाने में श्रमिकों की अहम भूमिका रहने वाली है अतः उनके हितों की देखरेख भी उचित तरीके से किया जाना आवश्यक है। चार श्रम संहिताएं इस दृष्टि से अपनी सार्थक भूमिका निभाएंगी, ऐसी उम्मीद की जा रही है।

हालांकि पिछले दशक में, भारत में सामाजिक सुरक्षा कवरेज का व्यापक विस्तार किया गया है, इससे सामाजिक सुरक्षा योजना में शामिल कार्यबल की संख्या वर्ष 2015 के लगभग 19 प्रतिशत से बढ़कर वर्ष 2025 में 64 प्रतिशत से अधिक हो गई है। साथ ही, यह भी सुनिश्चित किया गया है कि देश भर के श्रमिकों को सुरक्षा और सम्मान मिले और सामाजिक सुरक्षा के क्षेत्र में प्राप्त की गई उक्त बड़ी उपलब्धि के लिए भारत ने वैश्विक स्तर पर मान्यता भी अर्जित की है। चार श्रम संहिताओं का कार्यान्वयन इस व्यापक बदलाव में अगला बड़ा कदम है, जो सामाजिक सुरक्षा की प्रणाली को और सशक्त करता है और राज्यों तथा सेक्टरों तक विभिन्न लाभों को पहुंचाता है। विस्तारित सामाजिक सुरक्षा, मजबूत सुरक्षा और अधिकारों की राष्ट्रव्यापी पोर्टेबिलिटी के साथ, संहिता श्रमिकों, विशेष रूप से महिलाओं, युवाओं, असंगठित, गिग और प्रवासी श्रमिकों को श्रम शासन के केंद्र में मजबूती से रखती है। अनुपालन के बोझ को कम करके और लचीली, आधुनिक कार्य प्रणाली को सक्षम करके, यह संहिता रोजगार, कौशल और उद्योग विकास को बढ़ावा देती है और एक श्रमिक समर्थक, महिला समर्थक, युवा समर्थक और रोजगार समर्थक श्रम-इकोसिस?टम की दिशा में सरकार की प्रतिबद्धता की पुष्टि करती है।

संपादकीय

जी-20 की प्रासंगिकता काफी घट चुकी

जी-20 की सार्थकता पर प्रश्नचिह्न लगातार गहरा रहे हैं। इस मंच के साझा वक्तव्य हर गुजरते वर्ष के साथ अपना वजन गंवाते चले गए हैं। ट्रंप काल में अमेरिका के बदले नजरिए ने इस प्रक्रिया को और तेजी दे दी है। दक्षिण अफ्रीका के जोहान्सबर्ग में हुए जी-20 शिखर सम्मेलन से संकेत देने की कोशिश हुई कि अमेरिका के बिना भी दुनिया चल सकती है। दक्षिण अफ्रीका में श्वेत समुदाय पर अत्याचार का आरोप लगाते हुए डॉनल्ड ट्रंप प्रशासन ने इस समिट का बहिष्कार किया। उसी क्रम में उसने दो टूक कहा कि इस सम्मेलन में कोई साझा वक्तव्य जारी नहीं होना चाहिए। फिर भी बाकी सदस्य देशों के प्रतिनिधि ना सिर्फ जोहान्सबर्ग गए, बल्कि उन्होंने साझा वक्तव्य भी जारी किया। उधर दक्षिण अफ्रीका ने अमेरिका के जूनियर प्रतिनिधि को अगले वर्ष की मेजबानी सौंपने से इनकार कर दिया। कहा कि यह औपचारिकता कम-से-कम विदेश मंत्री स्तर पर निभाई जाएगी।

बहरहाल, जोहान्सबर्ग में जो हुआ, उसका प्रतीकात्मक महत्त्व ही है। वरना, एक तो जी-20 की प्रासंगिकता काफी घट चुकी है, दूसरे अमेरिकी उपस्थिति के बिना इसका रहा-सहा महत्त्व भी संदिग्ध हो जाता है। शिखर सम्मेलन स्तर पर जी-20 का आयोजन 2008 की महामंदी के बाद शुरू हुआ था। तब मकसद साझा प्रयास से विश्व अर्थव्यवस्था को संभालना था। तब दुनिया एक ध्रुवीय थी, जिसके तहत लागू श्रम विभाजन में अमेरिका स्थित संस्थाओं ने विभिन्न देशों की भूमिका तय कर रखी थी। मगर उस मंदी ने तत्कालीन समीकरणों को स्थायी रूप से बदल दिया। धीरे-धीरे बनती गई बहु-ध्रुवीय दुनिया में जी-20 के मंच पर आम सहमति बनाना कठिन होता गया है। यूक्रेन युद्ध, अमेरिका- चीन के बीच बढ़े टकराव, गजा में मानव-संहार, और विभिन्न क्षेत्रों में उभरे हॉट-स्पॉट्स के सिलसिले में यह मंच कोई सार्थक भूमिका नहीं निभा पाया है। ट्रंप काल में अमेरिका के बदले नजरिए से ऐसे बहुपक्षीय मंचों की सार्थकता पर प्रश्नचिह्न और गहरे हो गए हैं। यही कारण है कि जी-20 के साझा वक्तव्य हर गुजरते वर्ष के साथ अपना वजन गंवाते जा रहे हैं। यह सिलसिला जोहोन्सबर्ग में और आगे बढ़ा। अगले वर्ष मयामी में जब अमेरिका इस शिखर सम्मेलन की मेजबानी करेगा, तब भी कहानी इससे बहुत अलग नहीं होगी। ट्रंप काल में अमेरिका अपनी विश्व भूमिका को आमूल रूप से बदल रहा है। उसमें जी-20 जैसे मंच उसे सहायक नहीं लगते, तो इस हकीकत को समझा जा सकता है।

चिंतन-मनन

अपना दृष्टिकोण

एक कन्या ने अपने पिता से कहा, मैं किसी पुरातत्वविद् से विवाह करना चाहती हूं। पिता ने पूछा, क्यों? कन्या बोली, पिताजी! पुरातत्वविद् ही एक ऐसा व्यक्ति होता है जो पुरानी चीजों को ज्यादा मूल्य देता है। मैं भी ज्यों-ज्यों पुरानी होती जाऊंगी, बूढ़ी होती जाऊंगी, मेरा मूल्य भी बढ़ता जाएगा। वह मेरे से नफरत भी नहीं करेगा। पुरातत्वविद् यह नहीं देखता कि वस्तु कितनी सुन्दर है, कितनी असुन्दर है। वह इतना देखता है कि वस्तु कितनी पुरानी है। यह उसके मूल्यांकन की दृष्टि होती है।

कहने का अर्थ यह कि मूल्यांकन का अपना-अपना दृष्टिकोण होता है। मूल्यांकन का हमारा भी एक दृष्टिकोण है। अध्यात्म की साधना करने वाले व्यक्ति का अपना एक दृष्टिकोण होता है मूल्यांकन का और वह उसका स्वयं का दृष्टिकोण होता है, किसी से उधार लिया हुआ नहीं। उसका दृष्टिकोण बदले, चरित्र बदले। वह पुराना ही न रहे, नया बने। पुरानेपन का आग्रह छूटे। साधना में पुरातत्वविद् की दृष्टि काम नहीं देती। वहां नयेपन का आयाम खुलता है और सदा नया बना रहने की आकांक्षा बनी रहती है।

प्रत्येक समझदार आदमी का प्रयत्न सप्रयोजन होता है। ध्यान की साधना करने वाले व्यक्ति का साध्य है- रूपान्तरण दृष्टि का रूपान्तरण, चरित्र का रूपान्तरण। अहं को अर्हम् में बदलना। अहं और अर्हम् में केवल एक मात्रा का अन्तर है। साधक अहं को छोड़कर अर्हम् बनना चाहता है। एक मात्रा का अर्जन करना है। अहम् पर ऊर्ध्व र लगे, ऐसा प्रयत्न करना है। तब साधना सफल हो जाती है।

स्वयंसेवा वह सॉफ्टवेयर जो दुनिया को क्रैश होने से बचाता है

दिलीप कुमार पाठक

संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा हर साल 5 दिसंबर को स्थापित अंतर्राष्ट्रीय स्वयंसेवक दिवस स्वयंसेवकों के महत्वपूर्ण, निस्वार्थ योगदान को स्वीकार करने और उसे बढ़ावा देने का एक वैश्विक अवसर है।

समाज में स्वयंसेवा की आवश्यकता और महत्व से हम सभी भली-भांति परिचित हैं। जब कोरोना महामारी, विनाशकारी बाढ़, भूकंप जैसी भीषण आपदाएं आती हैं, तब सरकारी तंत्र के साथ-साथ स्वयंसेवक ही तत्काल राहत की बागडोर संभालते हैं। वे अग्रिम पंक्ति में खड़े होकर समाज की सामूहिक ज़िम्मेदारी का निर्वहन करते हैं, क्योंकि कोई भी सरकार अकेले हर चुनौती का सामना प्रभावी ढंग से नहीं कर सकती। स्वयंसेवा केवल संकटकालीन प्रतिक्रिया तक ही सीमित नहीं है; यह सामाजिक ताने-बाने को मजबूत करती है, हाशिए पर पड़े समुदायों को सशक्त बनाती है और सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। यह नागरिकों में ज़िम्मेदारी की भावना जागृत करती है और मानवीय एकजुटता का सबसे उत्कृष्ट उदाहरण है। यह पहल स्वयंसेवा के माध्यम से समग्र मानवता की बेहतरी के लिए बदलाव लाने की सामूहिक क्षमता की एक याद दिलाती है। यह विशेष दिन उन अनगिनत व्यक्तियों को सम्मानित करता है जो निस्वार्थ सेवा के लिए अपना बहुमूल्य समय समाज एवं मानवता के लिए समर्पित करते हैं। कई चुनौतियों और बाधाओं के बावजूद, वे अक्सर बिना किसी प्रचार या पहचान के अपना महत्वपूर्ण कार्य जारी रखते हैं। ये सभी स्वयंसेवक समाज के उत्थान के लिए अथक प्रयास करते हैं, और यह उल्लेखनीय है कि अधिकांश स्वयंसेवक अवैतनिक होते हैं, मतलब उन्हें इसके लिए कोई वेतन नहीं मिलता, बस समाज प्रेम का एक जज्बा होता है'

उनके कार्यों में विविधता शामिल है, जैसे जानवरों को बचाना, बुजुर्गों की सहायता करना, गरीबों की मदद करना और वंचितों को शिक्षित करना। विश्व स्तर पर, एक अरब से भी अधिक लोग अपने समुदायों को बेहतर बनाने के लिए अपना समय, प्रतिभा और ज्ञान का योगदान देते हैं। स्वयंसेवक समाज के हर स्तर और क्षेत्र में मौजूद हैं – वे वंचित बच्चों और वयस्कों को व्यावहारिक देखभाल प्रदान करने से लेकर जटिल तकनीकी और कानूनी मुद्दों पर विशेषज्ञ सलाह देने तक, हर तरह से मदद करते हैं। हर व्यक्ति अपने साथ कुछ अनूठा कौशल और अनुभव लेकर आता है, जिससे सामूहिक प्रयास और मजबूत होते हैं। संयुक्त राष्ट्र की उप महासचिव ने इस विशेष दिन पर स्वयंसेवकों के अमूल्य योगदान के लिए उनका धन्यवाद किया और कहा कि वे विकास चुनौतियों और आम भलाई के लिए ठोस और व्यावहारिक समाधान लेकर आते हैं।

संयुक्त राष्ट्र महासभा वैश्विक स्तर पर स्वयंसेवकों द्वारा किए गए महत्वपूर्ण योगदानों को औपचारिक रूप से मान्यता देने वाली पहली संस्था थी। मानवीय प्रयासों और सतत आर्थिक व सामाजिक विकास में स्वयंसेवा की शक्ति को स्वीकार करते हुए, महासभा ने 17 दिसंबर 1985 को एक ऐतिहासिक प्रस्ताव 40/212 अपनाया। इस प्रस्ताव के परिणामस्वरूप, हर साल 5 दिसंबर को आर्थिक और सामाजिक विकास के लिए अंतर्राष्ट्रीय स्वयंसेवक दिवस के रूप में नामित किया गया। यह दिवस स्वयंसेवकों से जुड़े संगठनों और व्यक्तिगत स्वयंसेवकों को स्वयंसेवा के महत्व को बढ़ावा देने, सरकारों को इन प्रयासों का समर्थन करने के लिए प्रोत्साहित करने और दुनिया भर के स्वयंसेवकों के समर्पण को पहचानने का अवसर प्रदान करता है। सरकारों, नागरिक समाज संगठनों और संयुक्त राष्ट्र स्वयंसेवक कार्यक्रम जैसे संस्थानों ने स्वयंसेवी कार्य के महत्व के बारे में जन जागरूकता बढ़ाने के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। इस वैश्विक उत्सव का उद्देश्य दुनिया भर के लाखों स्वयंसेवकों को श्रद्धांजलि देना है, जो गरीबी, असमानता और जलवायु परिवर्तन जैसी वैश्विक चुनौतियों से निपटने के लिए अपना बहुमूल्य समय और प्रयास स्वेच्छा से समर्पित करते हैं। नतीजतन, आज दुनिया भर में एक अरब से अधिक लोग सक्रिय रूप से विभिन्न स्तरों (स्थानीय, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय) पर स्वेच्छा से अपनी सेवाएँ दे रहे हैं, जिससे समुदायों में सकारात्मक बदलाव आ रहा है।

स्वयं सेवा से जुड़े लोगों का उद्देश्य बहुत विशाल है, जो बेहतर दुनिया के लिए संकल्पित है, जैसे गरीबी समाप्त करना, सार्वभौमिक प्राथमिक शिक्षा स्थापित करना, लैंगिक समानता को बढ़ावा देना, महिलाओं को मतदान का अधिकार प्रदान करना, शिशु मृत्यु दर को कम करना, मातृ स्वास्थ्य को बेहतर बनाना, एचआईवी/एड्स, मलेरिया, डेंगू और अन्य गंभीर बीमारियों के प्रसार को रोकना, साथ ही पर्यावरणीय स्थिरता सुनिश्चित करना। हम सभी को उनके महत्वपूर्ण योगदान को स्वीकार करना चाहिए और उन्हें उचित सम्मान मिलना चाहिए। उनका काम दूसरों को खुश करता है और हमें सुरक्षित रखता है। हम इस दिन इन सामाजिक चेतना सम्पन्न एवं समाज के लिए संकल्पित लोगों का सम्मान करते हैं।

ओटीटी की अश्लीलता - साहित्य परिषद् व सर्वोच्च न्यायालय गंभीर

डॉ. प्रवीण दाताराम

नवम्बर माह में विमर्श क्षेत्र में दो बड़ी घटनाएँ घटी। दोनों अति महत्वपूर्ण हैं और दोनों ही में गहन अंतरसंबंध है।

घटना एक - नवंबर प्रारंभ मे अखिल भारतीय साहित्य परिषद् ने अपने 17 वें राष्ट्रीय अधिवेशन में ओटीटी प्लेटफॉर्म्स पर प्रसारित हो रही अश्लील, संस्कृति विरोधी सामग्री के विरुद्ध अपनी चिंता प्रकट की और इसके विरुद्ध एक प्रस्ताव पारित कर राष्ट्र के शासन, प्रशासन, जनता के समक्ष अपनी चिंता को प्रकट किया है। अभासाप अर्थात राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का संवैचारिक संगठन, अखिल भारतीय साहित्य परिषद्। यह संगठन भारत में जन्मी सभी भाषा, बोलियों, लिपियों के सरंक्षण, संवर्धन, संवरण का कार्य करता है। अपने षष्ठिपूर्ति वर्ष की ओर बढ़ रहे इस संगठन का ताप, व्याप और आलाप समूचे विश्व में देखा-सुना जा सकता है।

घटना दो - नवम्बर के अंत में ही, देश के उच्चतम न्यायालय ने भी भारतीय ओटीटी नियमन, इस पर प्रसारित हो रही अश्लीलता व मूल्यहीनता पर चिंता प्रकट की है।

भारतीय समाज जैसे संज्ञावान, प्रज्ञावान समाज में ऐसी स्थिति बनी ही क्यों? इस प्रश्न का उत्तर स्वयं समाज को खोजना चाहिए। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और संघ के संवैचारिक संगठन समाज की किसी भी समस्या के सदंर्भ में एक सीमा तक चुप ही रहते हैं किंतु समाज में 'असंगत घटनाओं' के संदर्भ में अदृश्य रूप से विमर्श अवश्य जागृत करते रहते हैं। जब इस विमर्श से भी काम नहीं चलता एवं समाज जागृत नहीं होता है तब ही संघ या संघ के संवैचारिक संगठन सार्वजनिक रूप से किसी कार्य के सूत्रों को अपने हाथों में लेते हैं। ऐसी स्थिति में भी संघ सूत्रधार तो रहता है किंतु उसे नेपथ्य में ही रहना रुचिकर लगता है। इस हेतु से ही साहित्य परिषद् ने ओटीटी की अश्लीलता, गेमिंग एप्स के घातक परिणामों के प्रति समाज जागरण का यह कार्य प्रारंभ किया है।

ये दोनों ही घटनाएँ एक स्वस्थ, संपन्न, व समृद्ध राष्ट्र हेतु एक शुभ लक्षण हैं। यद्यपि इस प्रकार का प्रसारण प्रारंभ ही नहीं होना चाहिए था। अब शीघ्र ही बंद हो ही जाना चाहिए।

साहित्य परिषद् ने समाज में भौतिकता वादी शक्तियों, बाजारवाद, ओटीटी प्लेटफॉर्म्स की नकारात्मकता, समाज विरोधी स्वरूप, जीवन मूल्य विहीन प्रसारण आदि पर अपनी चिंता, राष्ट्र के समक्ष प्रकट की है।

साहित्य परिषद् ने मनोरंजन के नाम पर प्रसारित इस गंदगी को अत्यंत लज्जास्पद एवं निंदनीय बताया है। परिषद् ने चेताया है कि, ये सामग्री युवावर्ग और बालमन व मस्तिष्क में उग्रता, अश्लीलता, विकृत यौनाचार और नशाखोरी जैसे दुराचारों को महिमा मंडित कर उन्हें अधोपतन की ओर अग्रसित कर रही है। इन माध्यमों में प्रदर्शित अधिकांश दृश्य व सामग्री नकारात्मक दृष्टिकोण को बढ़ावा देने वाली होती है। साहित्य परिषद् ने ओटीटी के माध्यम से चल रहे गेमिंग एप्स और उससे बढ़ रही आत्महत्या की प्रवृत्ति को भी राष्ट्र के संज्ञान में लाया है। परिषद् ने अपने पारित प्रस्ताव में ओटीटी पर प्रसारित होने वाली अधिकांश सामग्री को भारतीय जीवन मूल्यों पर आघात करने वाली, राष्ट्र के स्वरूप व छवि को विकृत करके प्रस्तुत करने वाली सामग्री बताते हुए अपनी चिंता प्रकट की है। परिषद् ने कहा है कि ऐसी सामग्री का अनियंत्रित प्रसारण समाज एवं राष्ट्र जीवन के लिए अत्यधिक घातक है।

विगत कुछ वर्षों में भारत राष्ट्र में 'अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता' के नाम पर कुछ भी वितंडा उत्पन्न किए जा रहे हैं। 'अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता' के पश्चिम कुबोध ने या यूँ कहे कि इसकी 'पश्चिमी प्रेत छाया'' ने भारत में अभिव्यक्ति के अर्थों को पुनर्परिभाषित की आवश्यकता इंगित कर दी है। अब समाज इस अभिव्यक्ति को पुनर्परिभाषित करे या यूँ ही ओटीटी पर अश्लीलता व ऑनलाइन गेमिंग से बर्बाद होती अपनी पीढ़ी के प्रति आँखे मूँदे रहे; यही दो मार्ग हैं। एक मार्ग चुनना है, विकास या विनाश; यही युगधर्म है।

इस अनुरूप साहित्य परिषद् ने कहा है - 'अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का अर्थ यह नहीं कि समाज की गरिमा और नैतिकता को नष्ट करने की छूट दी जाए। स्वतंत्रता और अनुशासन, सृजन और मयार्दा, ये दोनों एक दूसरे के पूरक हैं।' साहित्य परिषद् ने अपने राष्ट्रीय अधिवेशन में आगामी तीन वर्षों हेतु 'आत्मबोध से विश्वबोध' पर चिंतन, मनन, अध्ययन का वैचारिक मार्ग निश्चित किया है। आत्मबोध करते हुए ही यह विकृति ध्यान में आती है। भारत राष्ट्र की, जन-मन की विश्वबोध क्षमता के प्रकटीकरण, विश्वगुरु बनने के मार्ग पर अग्रसर होने के मध्य निश्चित ही यह चिंतनीय प्रस्ताव और यह मांगपत्र स्वयं में एक प्रकाशस्तम्भ की भाँति समाज का मार्ग आलोकित कर रहा है।

साहित्य परिषद् ने भारत सरकार से, राज्य सरकारों से माँग की है कि

1. ओ टी टी प्लेटफॉर्म एवं गेमिंग एप्पस पर प्रसारित होने वाली प्रत्येक सामग्री के परीक्षण, नियमन, और वर्गीकरण हेतु शासन द्वारा एक सशक्त, स्वायत्त विधायी नियामक संस्था का गठन किया जाए।
2. डिजिटल माध्यमों में प्रस्तुत किसी भी दृश्य संवाद याविवार को भारत की संविधानिक गरिमा, धार्मिक आस्था, सातकृतिक मूल्यों या सामाजिक मयार्दा और सनातन परंपरा को आहत करते हों, उन पर कड़ी निगरानी रखी जाए।
3. किशोरों और युवाओं के लिए उपयुक्त सामग्री के आयु आधारित नियंत्रण तंत्र को अनिवार्य बनाया जाए।
4. जो मंच या माध्यम अश्लीलता, हिंसा, नशाखोरी या विकृत जीवन मूल्यों का प्रचार करते हैं, उनके विरुद्ध कठोर कानूनी दंडात्मक कार्रवाई की जाए।
5. भारतीय भाषाओं और संस्कृति के संवर्द्धन हेतु भारतीय मूल्यों पर आधारित वैकल्पिक मनोरंजन माध्यमों को प्रोत्साहित किया जाए।

इधर अखिल भारतीय साहित्य परिषद् ने यह प्रस्ताव पारित किया और उधर संयोगवश देश के सर्वोच्च न्यायालय ने भी इस संदर्भ में अपनी गहन चिंता का सार्वजनिक प्रकटीकरण कर दिया है।

मान. मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अगुवाई वाली बेंच ने पॉडकास्टर रणवीर अल्लाहबादिया और अन्य द्वारा इंडियाज गॉट लेटेंट शो में कथित अश्लील कंटेंट से जुड़ी एफआईआर के संदर्भ में चल रहे केस के संदर्भ में यह बातें कहीं है।

न्यायालय ने ओटीटी प्लेटफॉर्म पर अश्लील सामग्री को लेकर चिंता प्रकट करते हुए सरकार से इस पर प्रभावी नियंत्रण के लिए एक स्वतंत्र और स्वायत्त निकाय बनाने या वर्तमान नियमों को सुदृढ़ करने की आवश्यकता पर बाल दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का दुरुपयोग नहीं होना चाहिए और अश्लील सामग्री के लिए हमेशा पहले से चेतावनी दी जानी चाहिए। मान. सर्वोच्च न्यायाधीश ने कहा है कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता एक अमूल्य अधिकार है किंतु यह विकृति का कारण नहीं बन सकती।

संक्षिप्त समाचार

खालिदा को देखने ब्रिटेन की टीम बांग्लादेश रवाना

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन से चिकित्सा विशेषज्ञों की एक टीम वेंटिलेटर पर रखी गई पूर्व पीएम खालिदा जिया के इलाज का आकलन करने बांग्लादेश का दौरा करेगी। खालिदा जिया की हालत यहां एक निजी अस्पताल में गंभीर बनी हुई है। एवरकेयर अस्पताल के जाहिद हुसैन ने कहा, ब्रिटेन के विशेषज्ञ जांच के लिए निकल चुके हैं।

तुर्किये तट के पास रूसी तेल टैंकर पर हमला, चालक दल सुरक्षित

मास्को, एजेंसी। रूस से जॉर्जिया जा रहे रूसी तेल टैंकर एमआईडीवीओएलजीए-2 ने तुर्किये तट से 80 मील दूर 13 सदस्यीय दल पर हमला किया गया। हालांकि हमले में किसी को कोई नुकसान नहीं पहुंचा। तुर्किये की समुद्री प्राधिकरण बताया कि जहाज ने सहायता नहीं मांगी और सिनोप बंदरगाह की ओर बढ़ता रहा। यह घटना ऐसे समय आई है जब पिछले सप्ताह यूक्रेनी नौसैनिक ड्रोन ने काला सागर में दो रूसी-गामी टैंकरों को निशाना बनाया था।

स्टारबक्स ने हड़ताली कर्मियों को दिए 31.33 करोड़ रुपये

न्यूयॉर्क, एजेंसी। अमेरिकी कंपनी स्टारबक्स न्यूयॉर्क में हड़ताल के बीच अपने 15,000 से अधिक कर्मचारियों को लगभग 31.33 करोड़ रुपये का भुगतान करेगी। कर्मचारियों ने आरोप लगाया था कि कंपनी ने उन्हें स्थिर शेड्यूल नहीं दिए और मनमाने ढंग से काम के घंटे घटाए। कंपनी के चेयरमैन और सीईओ ब्रायन निकोल निकोल ने इससे पहले कहा था कि कंपनी की संरचना को सुधारने का उद्देश्य निर्णय लेने की क्षमता को बढ़ाना है और उन सिलोस को खत्म करना है जो संचार को धीमा करते हैं।

अमेरिका में जिम्नास्टिक कोच पर यौन शोषण के आरोप

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के आयोवा में एक जिम्नास्ट कोच पर यौन शोषण को लेकर कार्रवाई न करने पर यूएसए जिम्नास्टिक और यूएस सेंटर फॉर सेफपोर्ट नामक संस्था के खिलाफ लापरवाही का मुकदमा दर्ज किया है। पीड़िता की शिकायत के अनुसार 2017 में उन्होंने कोच के उन्हें अनुचित तरीके से छूने की जानकारी संस्थाओं को दी गई थी। लेकिन उन्होंने न तो मामले में पड़ताल करना जरूरी समझा और न ही कोई कार्रवाई। इसके चलते कोच को 2018 में आयोवा के एक अन्य जिम में नौकरी मिली। वहां भी वह बेखौफ होकर नाबालिग लड़कियों का यौन शोषण करता रहा।

नेपाल : मधेश प्रदेश सभा की बैठक तत्काल बुलाने की मांग

काठमांडू, एजेंसी। मधेश राज्य सरकार में विपक्षी दलों के गठबंधन ने प्रदेश सभा की बैठक तुरंत बुलाने की मांग की है। नेपाल के सुप्रीम कोर्ट ने मुख्यमंत्री सरोजकुमार यादव को 24 घंटे में विश्वास का मत हासिल करने का आदेश दिया है। इसी के चलते गठबंधन में शामिल दलों ने प्रदेश सभा की बैठक का आग्रह किया। सीएम विश्वास मत नहीं लेते हैं या बहुमत जुटाने में नाकाम रहते हैं तो संविधान के अनुच्छेद 168 (2) के तहत नई सरकार गठन की प्रक्रिया शुरू करनी होगी। अदालती आदेश जारी होने के अगले ही दिन नेपाली कांग्रेस, माओवादी केंद्र, जनता समाजवादी पार्टी नेपाल, लोकतांत्रिक समाजवादी पार्टी नेपाल सहित विपक्षी दलों ने उप सभामुख बबीता राउत से प्रदेश सभा की बैठक शाम 4 बजे बुलाने का अनुरोध किया। उच्च सूत्रों के अनुसार, विपक्षी दलों ने अपने सांसदों को जिले से बाहर न जाने का निर्देश भी दिया है।

उत्तर-पश्चिम पाकिस्तान में टीटीपी के 7 आतंकवादी ढेर

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के अशांत क्षेत्र खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में सुरक्षा बलों ने दो अलग-अलग अभियानों में सात टीटीपी आतंकवादियों को मार गिराया। सेना ने मंगलवार को यह जानकारी दी। सेना की मीडिया शाखा इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) के अनुसार, दोनों ऑपरेशन उत्तरी वजीरिस्तान जिले में किए गए। सुरक्षा बलों द्वारा मीर अली तहसील में एक खुफिया-आधारित अभियान (आईबीओ) चलाया गया, जिसके दौरान छह आतंकवादी मारे गए। आईएसपीआर ने बताया कि जिले के स्पिनवाम क्षेत्र में आईबीओ में एक अन्य आतंकवादी मारा गया। बयान में कहा गया है कि आतंकवादियों से हथियार और गोला-बारूद जब्त किया गया है, जो सुरक्षा बलों, कानून प्रवर्तन एजेंसियों के खिलाफ कई आतंकवादी गतिविधियों और निर्दोष नागरिकों की हत्या में सक्रिय रूप से शामिल रहे हैं। क्षेत्र में पाए जाने वाले अन्य आतंकवादियों को खत्म करने के लिए सफाई अभियान चलाया जा रहा है।

ट्रम्प के दामाद के साथ पुतिन की 5 घंटे बैठक

रूसी राष्ट्रपति बोले- डोनबास लिए बिना कोई शांति नहीं, जंग रोकने पर फैसला नहीं

मॉस्को, एजेंसी। रूस में राष्ट्रपति पुतिन और अमेरिका के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ और राष्ट्रपति ट्रम्प के दामाद जैरेड कुशनर के बीच मंगलवार को यूक्रेन युद्ध को लेकर पांच घंटे बैठक हुई। इतनी लंबी बैठक के बाद भी दोनों पक्ष किसी समझौते पर नहीं पहुंचे। पुतिन के फॉरेन पॉलिसी एडवाइजर यूरी उशाकोव ने कहा कि बातचीत फायदेमंद रही, लेकिन अभी तक कोई ऐसा प्रस्ताव सामने नहीं आया जिस पर सहमति बन सके। पुतिन का साफ कहना है जब तक यूक्रेन, रूस को डोनबास का इलाका नहीं सौंपेगा कोई समझौता नहीं होगा। उशाकोव ने बताया कि पुतिन ने अमेरिकी शांति प्रस्ताव के कुछ हिस्सों से सहमति जताई, लेकिन कई बातों पर साफ तौर पर नापसंदगी दिखाई। उनके मुताबिक अभी कई मुद्दों पर और काम करना होगा।

पुतिन-ट्रम्प की बैठक तय नहीं : उशाकोव ने यह भी कहा कि फिलहाल पुतिन और ट्रम्प की कोई नई बैठक तय नहीं है और आगे यह इस बात पर निर्भर करेगा कि शांति योजना पर कितना डेवलपमेंट होता है। जब ये बातचीत चल रही थी, उसी समय यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने सोशल मीडिया पर कहा कि यूक्रेन अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल की ओर से मिलने वाले इशारे का इंतजार कर रहा है।

उन्होंने कहा कि अमेरिकी अधिकारी बातचीत के बाद सीधे यूक्रेन को बताएंगे कि बैठक में क्या हुआ और उसके बाद ही यूक्रेन अपना अगला कदम तय करेगा। यूक्रेन के एक अधिकारी ने कहा कि उन्हें पहले से अंदाजा था कि पुतिन का रुख कैसा रहेगा। वे कुछ बातों पर कुछ बातों पर सहमति और कुछ पर सख्त आपत्ति जताएंगे। अब असली सवाल यह है कि अमेरिका इस पर कैसे रिस्पांस करता है।

पुतिन ने कहा था- हम युद्ध नहीं चाहते : इस बैठक से ठीक पहले पुतिन ने यूरोप पर आरोप लगाया कि वह अमेरिका की शांति योजना में ऐसे बदलाव कर रहा है जिससे बातचीत आगे न बढ़ सके। पुतिन ने यह भी कहा कि रूस युद्ध नहीं चाहता, लेकिन अगर यूरोप लड़ाई शुरू करना चाहता है, तो रूस तैयार है। उधर, व्हाइट हाउस ने बैठक से पहले कहा था कि उन्हें उम्मीद है कि बातचीत से कुछ डेवलपमेंट हो सकता है। अमेरिकी अधिकारियों ने हाल ही में यूक्रेनी प्रतिनिधियों से फ्लोरिडा में मुलाकात की थी, जहां शांति योजना में कई बदलावों पर चर्चा हुई। बताया जा रहा है कि मौजूदा शांति योजना पहले की 28 बिंदुओं वाली योजना में सुधार करके बनाई गई है, क्योंकि पुरानी योजना को यूक्रेन और यूरोपीय देशों ने रूस के पक्ष में बताया था।

जेलेंस्की बोले- हर तरह की डिप्लोमेटिक कोशिशें करेंगे : जेलेंस्की इस समय यूरोपीय देशों से भी बात कर रहे हैं। उन्होंने फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों से मुलाकात की और आयरलैंड पहुंचकर वहां के प्रधानमंत्री से मिलने वाले हैं। उनका कहना है कि यूक्रेन किसी भी कूटनीतिक प्रयास को बेहद गंभीरता से ले रहा है और उसकी पूरी कोशिश है कि एक मजबूत शांति और सुरक्षा गारंटी मिले।

उन्होंने यह भी कहा कि रूस शांति से पहले भ्रम फैलाने की कोशिश कर रहा है ताकि दूसरे देशों को प्रभावित किया जा सके। विटकॉफ और पुतिन के बीच यह इस साल की छठी बैठक थी। इतनी कोशिशों के बावजूद अब तक कोई ठोस समझौता नहीं बन सका है। अमेरिका और यूक्रेन को उम्मीद है कि बातचीत आगे बढ़ेगी, जबकि पुतिन लगातार इस बात पर अड़े हैं कि यूक्रेन को उन इलाकों से पीछे हटना होगा जिन्हें रूस अपना हिस्सा मानता है।

अमेरिका में दो लोगों की मौत के मामले में भारतीय व्यक्ति पर गैर इरादतन हत्या का आरोप

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में एक ट्रक से टक्कर के बाद कार में सवार दो लोगों की मौत के मामले में भारतीय मूल के एक व्यक्ति पर गैर इरादतन हत्या के आरोप लगाए गए हैं। राजिंदर कुमार (32) पर गैर इरादतन हत्या और लापरवाही के कारण किसी की जान को खतरे में डालने का आरोप लगाया गया है।

हादसे में कार में सवार विलियम मिका कार्टर (25) और जेनिफर लिन लोवर (24) की मौत हो गई थी। जिस ट्रक से उनकी टक्कर हुई थी, उसे कुमार ही चला रहा था। अमेरिका के होमलैंड सुरक्षा विभाग (डीएचसी) ने कहा कि आव्रजन एवं सीमा शुल्क प्रवर्तन (आईसीई) ने कुमार की गिरफ्तारी के लिए वारंट जारी कर दिया है।

ओरेगन राज्य की पुलिस ने कहा कि उसके अधिकारियों को 24 नवंबर की रात डेशूट्स काउंटी में दो वाहनों की टक्कर की सूचना मिली थी, जिसके बाद वह घटनास्थल पर पहुंची। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि कुमार का ट्रक सड़क के बीचोंबीच खड़ा था, जिसकी वजह से दोनों ओर से आवाजाही बंद हो गई थी। उसी दौरान राजमार्ग पर तेज रफ्तार में आ रही कार्टर की कार ट्रक से टकरा गई थी।

कार्टर और लोवर को घटनास्थल पर ही मृत घोषित कर दिया गया था जबकि कुमार को कोई चोट नहीं लगी थी। इसके बाद कुमार को गिरफ्तार करके डेशूट्स काउंटी जेल भेज दिया गया था। डीएचएस के अनुसार कुमार भारत से आया अवैध प्रवासी है और वह 28 नवंबर 2022 को अरिजोन के ल्यूकविल के पास गैर कानूनी तरीके से अमेरिका में दाखिल हुआ था।

लंदन में 'मेगा' दूतावास बनाने की चीन की योजना में और देरी

लंदन, एजेंसी। मध्य लंदन में चीन के एक विशाल दूतावास के निर्माण की विवादास्पद योजना पर एक लंबे समय से लंबित निर्णय को एक बार फिर टाल दिया गया है। अधिकारियों ने बढ़ती सुरक्षा चिंताओं के मद्देनजर यह जानकारी दी है। लंदन के वित्तीय जिले और संवेदनशील डेटा केबलों के करीब एक बहुत बड़ी साइट पर बनने वाले इस 'मेगा दूतावास' की योजना वर्षों से रुकी हुई है। आलोचकों ने चिंता जताई है कि इस इमारत का इस्तेमाल जासूसी के अड्डे के रूप में किया जाएगा, और राजनीतिक गलियारों के सांसदों ने सरकार से इस प्रस्ताव को खारिज करने का आग्रह किया है। अधिकारियों को 10 दिसंबर तक दूतावास पर निर्णय लेना था, लेकिन प्लानिंग इंस्पेक्टरेट ने कहा कि इस पर पूरी तरह से विचार करने के लिए अधिक समय देने हेतु समय सीमा को बढ़ाकर 20 जनवरी कर दिया गया है। प्रधान मंत्री कीर स्टार्मर के प्रवक्ता टॉम वेल्स ने पत्रकारों से कहा, 'गृह कार्यालय और विदेश कार्यालय ने विशेष सुरक्षा निहितार्थों पर विचार दिए हैं, और शुरू से ही यह स्पष्ट किया है कि जब तक हम यह पुष्टि नहीं कर देते कि उन विचारों को पूरा या सुलझा लिया गया है, तब तक कोई निर्णय नहीं लिया जाना चाहिए।' यह देरी हाल के हफ्तों में चीनी जासूसी के कई आरोपों से निपटने को लेकर ब्रिटिश सरकार पर बढ़ते दबाव के बीच हुई है।

कैलिफोर्निया में 2006 के बाद 2025 में कम हुए नरसंहार : कैलिफोर्निया, एजेंसी। अमेरिका के कैलिफोर्निया में साल 2006 के बाद नरसंहार के मामले 2025 में सबसे कम रहे। कैलिफोर्निया में बच्चों की जन्मदिन पार्टी में हुई हालिया गोलीबारी में चार लोगों की मौत हुई थी। ये इस साल की 17वां नरसंहार था। विशेषज्ञों का कहना है कि यह कमी स्थायी सुरक्षा का संकेत नहीं, बल्कि औसत स्तर पर लौटने जैसा है। क्रिमिनोलॉजिस्ट जेम्स ऐलन फॉक्स के अनुसार, 2025 में सामूहिक हत्याएं 2024 की तुलना में 24 फीसदी कम रहीं।

पश्तून सांसद की खरी-खरी, कहा- एक गांव भी बिना सिस्टम के नहीं चलता, यहां पूरा पाकिस्तान ऐसे ही चल रहा

इस्लामाबाद, एजेंसी। खैबर पख्तूनख्वा के मुद्दों को पाकिस्तानी संसद में बेबाकी से उठाने वाले सांसद महमूद खान अचाकजई ने तीखा हमला बोला है। उन्होंने सेना एवं सरकार की ओर से अत्याचारों का विरोध किया है और कहा कि यहां तो पूरा देश ही मनमर्जी से चल रहा है। अचाकजई ने कहा कि पाकिस्तान में संविधान और व्यवस्था नाम की कोई चीज ही नहीं बची है। इस देश में संविधान अब एक औपचारिकता मात्र है। उन्होंने मंगलवार को पश्तून नायक खान अब्दुल समद खान की 52वीं बरसी के मौके पर आयोजित कार्यक्रम के दौरान सरकार पर खैबर पख्तूनख्वा की उपेक्षा करने का भी आरोप लगाया है। पाकिस्तानी अखबार डॉन की रिपोर्ट के अनुसार पख्तूनख्वा मिल्ली अवामी पार्टी के चेयरमैन महमूद खान ने कहा कि इस देश में संविधान अब एक औपचारिकता मात्र रह गया है। आखिर कोई देश कैसे बिना किसी नियम और कानून के चल सकता है। एक गांव भी इस तरह नहीं चल सकता, लेकिन यहां तो पूरा पाकिस्तान ऐसे ही चलाया जा रहा है। यही नहीं उन्होंने शहबाज शरीफ सरकार पर भी सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि चुराए हुए जनादेश से बहुमत तैयार कर लिया गया। संसद बन गई। पैसे और प्रभाव से संविधान को खत्म करने और व्यवस्था को कमजोर करने को अनुमति नहीं दी जा सकती। यही नहीं उन्होंने इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ का भी पक्ष लिया। उन्होंने कहा कि संसद में बहुमत हासिल करने के लिए पीटीआई के लोगों पर अत्याचार किए गए। उन्होंने कहा कि हजारों घरों में रेड मारी गई। पुलिस थानों में कार्यकर्ताओं को टॉर्चर किया गया। वहां डिटेंशन सेंटर बना दिए गए। यहां तक कि उनकी गरिमा का भी उल्लंघन हुआ। इसके बाद भी पब्लिक ने पीटीआई को ही जनादेश दिया, लेकिन जब वोटों की गिनती हो रही थी तो दूसरे, तीसरे और चौथे नंबर पर रहे लोगों को विजेता घोषित कर दिया गया।

कुछ लोगों को लाखों रुपये ले-देकर विजेता बना दिया गया। उन्होंने कहा कि इसके बाद भी जब बहुमत मिलता नहीं दिखा तो अदालतों से फैसले दिलाकर कई लोगों को अयोग्य ही घोषित करा दिया गया। उन्होंने कहा कि आज स्थिति यह है कि पाकिस्तान में अदालतें कोई सही फैसला नहीं दे सकतीं। वे बिना दबाव के निष्पक्ष तरीके से काम नहीं कर पा रही हैं।

वेनेजुएला पर अमेरिका सख्त: ट्रंप ने चेताया- अब जमीन पर भी होंगे हमले, कैरिबियन सागर में हमलों के बाद बढ़ा तनाव

वॉशिंगटन, एजेंसी। कैरिबियन सागर में कथित वेनेजुएला के ड्रग तस्करों की नौकाओं पर अमेरिकी हमलों के बाद अब तनाव और बढ़ने के संकेत मिल रहे हैं। कारण है कि कैबिनेट बैठक के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दो टूक चेतावनी दी है कि सागर में हमले के बाद अब अमेरिका जल्द ही वेनेजुएला के अंदर भी जमीनी हमले शुरू कर सकता है। ट्रंप की ये चेतावनी ऐसे समय में सामने आई है जब ट्रंप प्रशासन कैरिबियन सागर में किए गए हमले को लेकर जांच के घेरे में है। बता दें कि इन हमलों में हुए 80 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई थी, ऐसे में इस हमले को लेकर उठ रहे सवाल के बीच ट्रंप ने अपने रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ का बचाव किया। साथ ही ट्रंप ने कहा कि हम जल्द ही जमीन पर भी हमले शुरू करेंगे। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि जमीनी हमले आसान है, क्योंकि हमें पता है कि ड्रग तस्कर कहां रहते हैं। हम बहुत जल्द हमला शुरू करने वाले हैं।

80 से ज्यादा लोगों की मौत, ट्रंप प्रशासन पर सवाल : हाल में अमेरिका की ट्रंप प्रशासन को उन नौकाओं पर किए गए हमलों को लेकर कड़ी आलोचना झेलनी पड़ रही है जिन पर नशा-तस्करी का आरोप था। इन हमलों में अब तक 80 से अधिक लोग मारे जा चुके हैं। ऐसे में ट्रंप ने रक्षा मंत्री हेगसेथ का बचाव करते हुए कहा कि न तो उन्हें और न ही हेगसेथ को दूसरे हमले की जानकारी थी। ट्रंप ने कहा कि मुझे दूसरे हमले के बारे में कुछ नहीं पता था। मुझे बस इतना पता था कि एक नाव को निशाना बनाया गया था।

पहले हमला लाइव देखा- हेगसेथ : दूसरी ओर रक्षा मंत्री हेगसेथ ने कहा कि उन्होंने पहला हमला लाइव देखा, लेकिन उसके बाद अपनी अगली मीटिंग में चले गए। उन्होंने कहा कि कुछ घंटे बाद मुझे दूसरे हमले के बारे में पता चला। मैंने कोई जीवित व्यक्ति नहीं देखा, क्योंकि वह नाव पूरी तरह आग में घिरी हुई थी। हालांकि दूसरे हमले को लेकर व्हाइट हाउस ने बताया कि अमेरिकी स्पेशल ऑपरेशंस कमांड के प्रमुख एडमिरल फ्रैंक मिच ब्रैडली ने दूसरे हमले का आदेश दिया था।

पाकिस्तान सरकार ने रावलपिंडी में धारा 144 लगाई, रैली-जुलूस निकालने पर रोक

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान सरकार ने रावलपिंडी में धारा 144 लगा दी है। यह फैसला पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की मौत की अफवाहों और देश में अशांति फैलने के डर के बीच आया है। इसके तहत 3 दिसंबर तक कोई भी सार्वजनिक सभा, रैली, जुलूस, धरना, प्रदर्शन करने, 5 या उससे ज्यादा लोगों के इकट्ठे होने को पूरी तरह बैन कर दिया गया है। डिप्टी कमिश्नर डॉ. हसन वकार ने इसे लेकर एक आदेश जारी किया है। आदेश में हथियार, लाठी, गुलेल, पेट्रोल बम, विस्फोटक सामग्री ले जाने पर रोक लगा दी गई है। इसके अलावा नफरत भरे भाषण देना, पुलिस की बैरिकेडिंग हटाने की कोशिश करना, दो लोगों के एक मोटरसाइकिल पर पीछे बैठने और लाउडस्पीकर के इस्तेमाल करने पर भी पूरी तरह से रोक लगा दी गई है। यह रोक इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के मंगलवार को इस्लामाबाद हाई कोर्ट के बाहर और रावलपिंडी (अडियाला जेल) में बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन के फैसले के बाद आया है। दावा-संदिग्ध संगठन कानून-व्यवस्था बिगाड़ने की फिराक में आदेश में कहा गया है कि जिला खुफिया समिति ने रिपोर्ट दी है कि कुछ संगठन और तत्व बड़े पैमाने पर लोगों को इकट्ठा करके कानून-व्यवस्था बिगाड़ने की फिराक में हैं। ये लोग संवेदनशील ठिकानों, सरकारी इमारतों और चुनिंदा जगहों पर हमला कर सकते हैं, इसलिए जनता की सुरक्षा और शांति बनाए रखने के लिए ये पाबंदियां लगाई जा रही हैं। पीटीआई नेता बोले- कोर्ट आदेश को लागू करने में नाकाम, इमरान से नहीं मिल पा रहे पीटीआई नेता असद कायसर ने कहा कि संसद के दोनों सदनों से विपक्षी सांसद इस्लामाबाद हाई कोर्ट के बाहर प्रदर्शन करेंगे और फिर अपनी धरना अडियाला जेल ले जाएंगे। उन्होंने कहा, 'प्रदर्शन करने का फैसला इसलिए लिया गया है क्योंकि कोर्ट अपने आदेश को लागू करने में नाकाम रही है और जेल प्रशासन भी कोर्ट के आदेशों का पालन करने को तैयार नहीं है।' पिछले हफ्ते, खैबर पख्तूनख्वा के मुख्यमंत्री ने जेल के बाहर धरना दिया था, जब उन्हें आठवीं बार इमरान खान से मिलने से रोका गया। इसी तरह, खान के परिवार के सदस्यों को कई हफ्तों से उनसे मिलने नहीं दिया जा रहा है। न्याय राज्य मंत्री बोले- खैबर पख्तूनख्वा में राष्ट्रपति शासन लगाने की तैयारी इससे पहले पाकिस्तान के न्याय राज्य मंत्री अकील मलिक ने सोमवार को कहा, 'पख्तूनख्वा में सुरक्षा और प्रशासन की हालत बहुत खराब हो चुकी है।' पाकिस्तान सरकार खैबर पख्तूनख्वा (केपी) में राष्ट्रपति शासन लगाने पर विचार कर रही है। जियो न्यूज के मुताबिक मलिक ने कहा, 'खैबर पख्तूनख्वा के मुख्यमंत्री सोहेल अफरीदी वहां की स्थिति को सुधारने में बुरी तरह फेल रहे हैं। वह न तो केंद्र सरकार से कोई तालमेल रख रहे हैं और न ही जरूरी जगहों पर कोई कार्रवाई कर रहे हैं। सेना के आदेश पर अफरीदी को पुलिस ने पीटा था।

असीम मुनीर के इशारे पर जेल में किया जा रहा टॉर्चर, बहनों से मुलाकात पर इमरान ने क्या बताया

करांची, एजेंसी। इमरान खान की बहनों ने उनसे मुलाकात के बाद मीडिया से बात की। बैठक के बाद पत्रकारों से बात करते हुए डॉ. खानम ने कहा कि अल्हम्दुलिल्लाह (ईश्वर की स्तुति हो), वह ठीक हैं... लेकिन मानसिक रूप से प्रताड़ित किए जाने से वह नाराज थे। उन्हें पूरे दिन उनकी कोठरी में बंद रखा जाता है... केवल कुछ समय के लिए ही बाहर निकल सकते हैं और उन्हें किसी से बातचीत करने की अनुमति नहीं है। इमरान खान का कहना है कि पाकिस्तानी सेना प्रमुख असीम मुनीर के निर्देश पर उन्हें अदियाला जेल में प्रताड़ित किया जा रहा है। इमरान खान को पाकिस्तानी जेल में एकांत कारावास में रखा गया है और बाहरी दुनिया से उनकी कोई पहुँच नहीं है। इमरान खान की बहनों ने उनसे मुलाकात के बाद मीडिया से बात की। बैठक के बाद पत्रकारों से बात करते हुए डॉ. खानम ने कहा कि अल्हम्दुलिल्लाह (ईश्वर की स्तुति हो), वह ठीक हैं... लेकिन मानसिक रूप से प्रताड़ित किए जाने से वह नाराज थे। उन्हें पूरे दिन उनकी कोठरी में बंद रखा जाता है... केवल कुछ समय के लिए ही बाहर निकल सकते हैं और उन्हें किसी से बातचीत करने की अनुमति नहीं है। उन्होंने अपनी पार्टी के नेतृत्व के साथ-साथ उस अलोकतांत्रिक शासन के लिए भी संदेश दिया, जिसे उन्होंने अलोकतांत्रिक शासन कहा था। हालांकि, सूत्रों ने बताया कि इमरान खान ने यह भी आरोप लगाया कि पाकिस्तान के सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर उस

मानसिक यातना के लिए ज़िम्मेदार हैं, जिसका दावा वे जेल में कर रहे हैं। मुलाकात के बाद बोलते हुए उज़मा खान ने कहा कि इमरान जेल प्रशासन से जुड़े कुछ मुद्दों को लेकर नाराज़ थे, हालाँकि उन्होंने इस बात की पुष्टि की कि उनका 'मनोबल अभी भी ऊँचा है। उज़मा की यह यात्रा ऐसे समय में हुई है जब पीटीआई ने इस्लामाबाद उच्च न्यायालय और अदियाला जेल के बाहर प्रदर्शन किया था और इमरान खान के मुलाकात के अधिकार पर लगाए गए गैरकानूनी प्रतिबंधों की निंदा की थी। पार्टी और परिवार ने बार-बार शिकायत की थी कि सप्ताह में दो बार मुलाकात की अनुमति देने वाले अदालती आदेश के बावजूद, कई हफ़्तों से मुलाकात की अनुमति नहीं दी गई थी।

जानकारी

क्या आप भी चेहरे पर वैक्सिंग कराती हैं? जानें कितना सुरक्षित है फेस वैक्सिंग

कई महिलाएं चेहरे पर वैक्सिंग कराती हैं। जिन महिलाओं के चेहरे पर ज्यादा बाल होते हैं, वो चेहरे पर ब्लीच, थ्रेडिंग या वैक्सिंग कराती हैं। लेकिन जो महिलाएं चेहरे पर वैक्सिंग कराती हैं, उन्हें चेहरे पर वैक्सिंग कराने के साइड इफेक्ट्स के बारे में भी मालूम होना चाहिए। चेहरे पर वैक्सिंग कराते समय आपको कुछ बातों का ध्यान रखना चाहिए। यहां पर हम आपको बता रहे हैं कि चेहरे पर वैक्सिंग कराते समय किन बातों का ध्यान जरूर रखें।

चेहरे पर वैक्सिंग कराते समय इन बातों का ध्यान रखें

- चेहरे पर वैक्सिंग कराते समय जरा सी गलती होने पर चेहरे की खूबसूरती बिगड़ सकती है इसलिए चेहरे पर वैक्सिंग बहुत सोच-समझकर कराएं।
- चेहरे की त्वचा बहुत सॉफ्ट होती है और चेहरे पर वैक्सिंग कराने से चेहरे पर बहुत जल्दी झुर्रियां यानी रिंकल्स हो सकते हैं, इसलिए बहुत जरूरी हो तो ही चेहरे पर वैक्सिंग कराएं।
- वैक्सिंग से हेयर फॉलिकल्स को नुकसान पहुंचता है, जिससे चेहरे पर सूजन, दाग पड़ जाना, इंफेक्शन जैसी समस्याएं हो सकती हैं।
- यदि आपके चेहरे पर बाल कम हैं, तो वैक्सिंग की बजाय चेहरे पर ब्लीच कर लें।
- यदि आपके चेहरे पर बहुत मोटे बाल हैं, तो आपके लिए लेजर हेयर रिमूवल ट्रीटमेंट बेस्ट है।
- यदि आप अपने हाथ-पैर की वैक्सिंग खुद घर पर ही करती हैं, तो भी चेहरे की वैक्सिंग खुद न करें, क्योंकि चेहरे की वैक्सिंग मुश्किल होती है। चेहरे की वैक्सिंग करते समय वैक्स का टेम्प्रेचर, वैक्सिंग स्ट्रिप की क्वालिटी आदि का ध्यान रखना बहुत जरूरी होता है इसलिए हमेशा एक्सपर्ट से ही चेहरे की वैक्सिंग कराएं।
- वैक्सिंग कराते समय अपने स्किन टाइप का भी जरूर ध्यान रखें। यदि आपकी स्किन सेंसिटिव है, तो एक्सपर्ट से इस बारे में पहले ही डिस्कस कर लें, वरना चेहरे पर इंफेक्शन हो सकता है।
- चेहरे की वैक्सिंग कराते समय हाइजीन का विशेष ध्यान रखें, वरना चेहरे पर इंफेक्शन होने की संभावना बढ़ सकती है।
- चेहरे पर वैक्सिंग कराने के तुरंत पहले या बाद में ब्लीच न करें, इससे आपके चेहरे को नुकसान हो सकता है। चेहरे पर ब्लीच करना है या नहीं इसके बारे में एक्सपर्ट से सलाह लें।
- वैक्सिंग कराने के बाद चेहरे पर वैक्सिंग लोशन या फेस सीरम लगाना न भुलें, वरना चेहरे पर रैशेज हो सकते हैं।
- वैक्सिंग कराने के तुरंत बाद धूप में न जाएं और न ही किचन में गैस के सामने खड़े होकर काम करें।
- जब तक जरूरत न हो, चेहरे पर वैक्सिंग न कराएं, जल्दी-जल्दी वैक्सिंग कराने से चेहरे की त्वचा को नुकसान हो सकता है।

थोरेसिक स्पाइन के इलाज में एक नया आयाम वैट सर्जरी

महानगरों की भागदौड़ और तनाव भरी जिंदगी, सोने तथा चलने के तौर तरीकों में बदलाव की बदौलत पीठ तथा गर्दन दर्द के रोगियों की संख्या दिन-प्रतिदिन बढ़ती ही जा रही है। एक मोटे तौर के अनुसार देश में हर सातवां व्यक्ति पीठ तथा गर्दन दर्द से परेशान है। पीठ तथा गर्दन दर्द के रोगियों में महिलाओं की संख्या काफी तादात में है। कमर दर्द के अनेक कारण हैं, लेकिन लगातार झुककर बैठना, रोजाना देर तक स्कूटर व मोटरसाइकिल चलाना, दफ्तर में झुककर काम करना और देर तक कंप्यूटर या टाइपराइटर पर काम करने वाले लोगों में यह दर्द ज्यादा होता है।

वर्तमान समय में कंप्यूटर के बढ़ते इस्तेमाल के कारण गर्दन दर्द का प्रकोप तेजी से बढ़ रहा है। अनेक अध्ययनों से पता चला है कि देश के बड़े शहरों एवं महानगरों में कंप्यूटर के बढ़ते इस्तेमाल के कारण कमर दर्द से ग्रस्त लोगों की संख्या में तेजी से इजाफा हो रहा है। यूं तो बच्चों से लेकर बुजुर्ग सभी कमर दर्द से प्रभावित हो सकते हैं। बढ़ती उम्र, भारी शारीरिक कार्य, लंबी अवधि तक एक ही स्थिति में काम करने वाले लोग (जैसे सेक्रेटरी, रिसेप्शनिस्ट, काल सेंटर के कार्मिक) भारी सामान उठाने वाले, वाइब्रेटर टूल आपरेटर आदि अधिक प्रभावित होते हैं। यदि इस के उपचार की बात की जाए तो कई प्रकार के उपचार भी मौजूद हैं। जैसे- बेड रेस्ट, इंजेक्शन, शल्य-चिकित्सा, स्पाइनल फ्यूजन, डिस्क प्रत्यारोपण, वर्टिब्रोप्लास्टी, पिन होल सर्जरी और मिनिमल इंवेसिव सर्जरी आदि। लेकिन हर उपचार की अपनी कुछ सीमाएं हैं। मगर अब वैट सर्जरी (वीडियो एसिस्टिड थोरोस्कोपी) नामक एक नई सर्जरी की शुरुआत की गई है।

थोरेसिक स्पाइन की आम बीमारियां क्या हैं?

थोरेसिक स्पाइन में गर्दन व कमर की तरह कई सारी बीमारियां हो सकती हैं जैसे कि स्लिप्ड डिस्क, ट्यूमर, संक्रमण जैसे टी.बी., फेक्चर, कूबड़ इत्यादि। इन बीमारियों में सीने के पीछे कमर में दर्द व सीने में खिंचाव रहता है और ये दर्द कभी कभी नीचे पैरों तक भी जा सकता है। इसके साथ पैरों का सुन्न होना, चलने में मुश्किल व दैनिक क्रिया करम में दिक्कत पैदा हो सकती है। इन सभी कष्टों का कारण होता है नसों पर दबाव। अब वैट सर्जरी के द्वारा इस दबाव को आसानी से कम किया जा सकता है। इसके साथ-साथ कूबड़ के मरीजों की कमर का टेढ़ापन आसानी से दूर किया जा सकता है।

वैट सर्जरी के क्या फायदे हैं?

वैट सर्जरी में एक पतली सी दूरबीन द्वारा सीने की रीढ़ की हड्डी तक पहुंचकर टीवी स्क्रीन पर देखते हुए, वो सारे आपरेशन संभव हो गए हैं जो कि पहले सीने को खोलकर संभव हो पाते थे। इसमें एक विशेष किस्म की बेहोशी करके मरीज के एक फेफड़े को पिचका दिया जाता है, जिससे कि बिना किसी रुकावट के ट्यूमर या डिस्क को आसानी से निकाला जा सकता है। यह पूरी सर्जरी केवल एक या दो घंटे में पूरी हो जाती है। इसका मुख्य फायदा यह है कि मरीज अगले दिन से चल फिर सकता है। खून बहने व संक्रमण का रिस्क नहीं होता और मरीज को तीन दिनों में अस्पताल से छुट्टी मिल जाती है, जिससे कि दवाईयां व अस्पताल का खर्च बच जाता है। वास्तव में यह सर्जरी बहुत ही उपयोगी व मरीजों के लिए एक वरदान के समान है।

डॉ. सतनाम सिंह छाबड़ा, सर गंगाराम अस्पताल, नई दिल्ली

स्लिप्ड डिस्क किस उम्र में खतरा ज्यादा होता है

- आमतौर पर 30 से 50 वर्ष की उम्र में कमर के निचले हिस्से में स्लिप्ड डिस्क की समस्या हो सकती है।
- 40 से 60 वर्ष की आयु तक गर्दन के पास सर्वाइकल वर्टिब्रा में समस्या होती है।
- विशेषज्ञों के अनुसार अब 20-25 वर्ष के युवाओं में भी स्लिप डिस्क के लक्षण तेजी से देखे जा रहे हैं। देर तक बैठ कर कार्य करने के अलावा स्पीड में बाइक चलाने या सीट बेल्ट बांधे बिना ड्राइविंग करने से भी यह समस्या बढ रही है। अचानक ब्रेक लगाने से शरीर को झटका लगता है और डिस्क को नुक्सान हो सकता है।

सामान्य लक्षण

- नसों पर दबाव के कारण कमर दर्द, पैरों में दर्द या पैरों, एडी या पैर की अंगुलियों का सुन्न होना।
- पैर के अंगूठे या पंजे में कमजोरी।
- स्पाइनल कॉर्ड के बीच में दबाव पडने से कई बार हिप या थाईज के आसपास सुन्न महसूस करना।
- समस्या बढने पर यूरिन-स्टूल पास करने में परेशानी।
- रीढ के निचले हिस्से में असहनीय दर्द।
- चलने-फिरने, झुकने या सामान्य काम करने में भी दर्द का अनुभव। झुकने या खांसने पर शरीर में करंट सा अनुभव होना।

जांच और उपचार

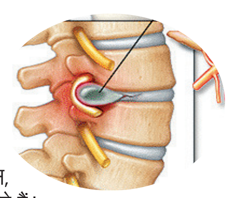

दर्द लगातार बना रहना, एक्स-रे या एमआरआइ, लक्षणों और शारीरिक जांच से डॉक्टर को पता चलता है कि कमर या पीठ दर्द का सही कारण क्या है और क्या यह स्लिप्ड डिस्क है।जांच के दौरान स्पॉन्डलाइटिस, डिजेनरेशन, ट्यूमर, मेटास्टेज जैसे लक्षण भी पता लग सकते हैं।

सेहत

मेथी के 16 फायदे

मेथी हर रसोई में मिल जाएगी, खाने का फ्लेवर बढ़ाने के साथ ही ये कई बीमारियों को भी दूर रखती है। ठंड के मौसम में मिलने वाले मेथी के पत्तों की सब्जी बनाकर खाएं। स्वाद में भले ही ये थोड़ी कड़वी होती है, मगर सेहत के लिए बहुत फायदेमंद है। खासकर महिलाओं के लिए। वैसे सिर्फ मेथी के पत्ते ही नहीं, मेथी दाना भी सेहत का खजाना है। मेथी में कैलोरी की मात्रा बहुत कम होती है।

- डिलीवरी के बाद महिलाओं को मेथी के लड्डू खाने को कहा जाता है। इससे प्रेग्नेंसी के बाद शरीर मजबूत बनता है और कमजोरी महसूस नहीं होती। ब्रेस्टफीड करानेवाली महिलाओं के लिए मेथी के पत्तों की सब्जी बहुत फायदेमंद होती है। मेथी कैल्शियम का भी बेहतरीन स्रोत है।
- पेट में जलन होने पर मेथी की सूखी पत्तियों और शहद को मिलाकर काढ़ा बनाएं। दिन में दो बार इसे पीने से पेट की जलन से राहत मिलती है।
- मेथीदाना को पीस लें और गुड़ में मिलाकर लड्डू बनाएं। ठंड के मौसम में रोजाना एक लड्डू खाने से सर्दी-खांसी की समस्या नहीं होगी।
- मेथी की सब्जी बनाकर खाएं। इससे डाइजेशन ठीक रहता है।
- मेथी बैड कोलेस्ट्रॉल को कंट्रोल करके हार्ट डिसीज के खतरे को कम करती है।
- मेथी डायबिटीज पेशेंट के लिए भी रामबाण से कम नहीं है. ये शुगर लेवल को कम करने में मदद करती है।
- यह शरीर से हानिकारक टॉक्सिंस को निकालने में मदद करती है।
- मेथी याददाश्त बढ़ाने में भी मददगार है।
- वजन कम करने में भी मेथी कारगर है। इसमें पाए जाने वाले फाइबर्स पेट के लिए फायदेमंद होते हैं।
- मेथी के दानों को रातभर पानी में भिगोकर रखें और सुबह खाएं, बहुत ज्यादा होगा।
- यदि स्किन प्रॉब्लम्स जैसे- रिंकल्स, ब्लैकहेड्स, पिंपल्स, ड्राईनेस आदि से परेशान हैं, तो मेथी की पत्तियों का पेस्ट बनाकर चेहरे पर लगाएं और करीब 20 मिनट बाद गुनगुने पानी से धो लें।
- हार्मोनल बैलेंस बनाए रखने में भी मेथी बेहद कारगर होती है।
- मेथी एक बेहतरीन घरेलू दवा का काम करती है। ये बुखार और कई अन्य मौसमी बीमारियों को ठीक करने में मदद करती है।
- मेथी के पत्तों से हर्ब टी बनाई जा सकती है, इसे पीने से दिमाग शांत और फ्रेश रहता है।
- मेथी में आयरन भी भरपूर मात्रा में होता है, इससे शारीरिक कमजोरी दूर होती है।
- मेथी के नियमित सेवन से महिलाओं को पीरियड्स और मेनोपात के दौरान होने वाली समस्याओं से राहत मिलती है।

मेथी सलाद

एक गड्डी मेथी को धोकर नमक लगाकर 30 मिनट रखकर पानी निचोड़ लें। फिर मेथी के पत्तों को बारीक काट लें। आधा-आधा कप बारीक कटे प्याज और टमाटर, मेथी, आधा टीस्पून लालमिर्च पाउडर, 1 टीस्पून तेल और नमक डालकर अच्छी तरह मिला लें। तैयार मेथी सलाद का मजा लें।

मेथी टमाटर

एक गड्डी मेथी को साफ करके काट कर उबाल लें। कड़ाही में 1 टेबलस्पून तेल गरम करके हींग, राई और जीरे का छौंक लगाएं। अब 1 टमाटर बारीक कटा हुआ, आधा-आधा टीस्पून धनिया पाउडर व लालमिर्च पाउडर डालकर 2 मिनट तक भूनें। 2-3 टेबलस्पून पानी डालकर एक उबाल आने पर मेथी व नमक डालकर अच्छी तरह मिला लें। धीमी आंच पर 5-7 मिनट पकने के बाद आंच से उतार लें।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष — चू चे चो ला ली लू ले लो आ
अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। किसी से वाद-विवाद अथवा कहासुनी होने का भय रहेगा। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। जल्दबाजी में कोई भूल संभव है। आय-व्यय की स्थिति समान्य रहेगी। शुभांक-5-7-8

वृष — इ उ ए ओ वा वी वू वे वो
आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। दूसरों के कार्यों में अनावश्यक हस्तक्षेप न करें। निर्मूल शंकाओं के कारण मनस्ताप भी पैदा हो सकते है। भय तथा शत्रुहानि की आशंका रहेगी। एकाकी प्रवृति का त्याग करें। यात्रा न करें। शुभांक-4-6-7

मिथुन — का की कू घ ड छ के को हा
शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। मन प्रसन्न बना रहेगा। अचल संपति की खरीद अथवा कृषि उद्यम में रुचि पैदा होगी। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। शुभांक-4-6-8

कर्क — ही हू हे हो डा डी डू डे डो
नये-नये व्यापारिक अनुबंध होंगे। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। हरि करे सो खरी इसीलिए पूरे मनोयोग से कार्य करें। शुभांक-3-6-9

सिंह — मा मी मू मे मो टा टी टू टे
कार्यक्षेत्र में खुशनुमा माहौल बनेगा। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने के प्रयास होंगे। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर-प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। अत:आलस्य का त्याग करें। शुभांक-4-6-8

कन्या — टो पा पी पू ष ण ठ पे पो
भावनाओं का उद्वेग बढ़ेगा। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। आपसी प्रेम-भाव में बढ़ोतरी होगी। धार्मिक कार्य शुभ रहेगा। शुभांक-2-4-6

तुला — रा री रु रे रो ता ती तू ते
योजना क्रियान्वन के लिए समय अच्छा व सकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। जीवन साथी अथवा यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। सफलता मिलेगी। सुनियोजित तरीके से कार्यारम्भ करें। शुभांक-3-6-7

वृश्चिक — तो ना नी नू ने नो य यी यू
व्यवसाय में प्रतिद्वंद्वी परेशान कर सकते हैं। समय व्ययकारी सिद्ध होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। दिमाग में निर्मूल तर्क-कुतर्क पैदा होंग। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। मनोरथ सिद्धि का योग है। शुभांक-2-5-7

धनु — ये यो भा भी भू धा फा ढा भे
लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। धार्मिक यात्रा का योग बना है। शुभांक-2-5-7

मकर — भे जा जी खी खू खे खो गा गी
मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सबेरे ही निपटा लें। पुराने मित्र के कारण कार्य बाधा हटेगी। शुद्ध गोचर का लाभ। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। आर्थिक लाभ हेतु किये गए कार्यों का तत्काल प्रतिफल मिलेगा। शुभांक-3-6-8

कुंभ — गू गे गो सा सी सू से सो दा
मनोरंजन के साधनों पर धन-व्यय होगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंग। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। शुभांक-6-8-9

मीन — दी दू थ झ ञ दे दो चा ची
सुबह-सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह रहेगा। किसी लाभदायक कार्य के लिए व्ययकारक स्थितियां पैदा होगी। अल्प-परिश्रम से ही लाभ होगा। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। नियोजित धन से लाभ होने लगेगा। जान-पहचान का दायरा बढ़ेगा। शुभांक-5-8-9

काकुरो पहेली - 2667

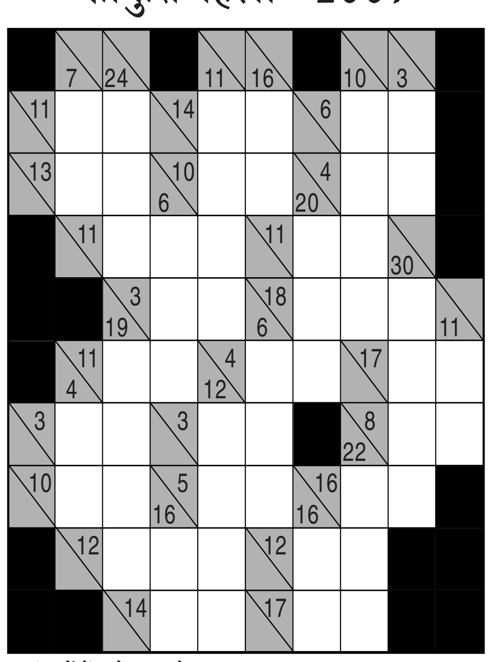

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

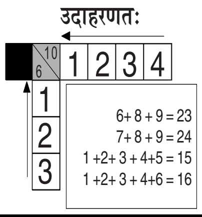

6+8+9=23
7+8+9=24
1+2+3+4+5=15
1+2+3+4+6=16

काकुरो - 2666 का हल

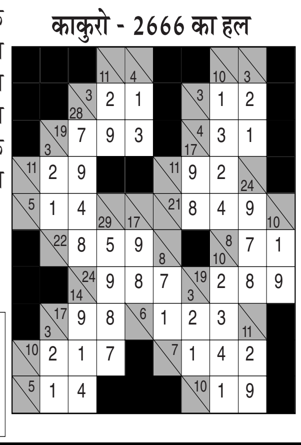

हंसी के फूव्वारें

जज ने अभियुक्त से कहा-'तुम पर मोटर तेज चलाने का इल्जाम है. क्या तुम अपना इल्जाम स्वीकार करते हो?'
'जी हां, मीलार्ड, मगर ?'
'मैंने कोई अपराध नहीं किया.' अभियुक्त सफाई देते हुए बोला-'मेरी मोटर के ब्रेक खराब थे,इसलिये मैंने सोचा कि जल्दी से घर पहुँच जाऊं. कहीं ऐसा न हो कि कोई एक्सीडेंट हो जाए !'

□ □ □

एक सेठ बीमार पड़ गया.
डाक्टरों ने उसे राय दी कि वह विदेश जाकर दवा कराये तो उसने अपने मुंशी से पूछा-'मुंशी जी ! विदेश जाकर दवा कराने में कितना खर्च होगा ?'
'लगभग बीस हजार !'
'और क्रिया-कर्म में ?'
'लगभग पांच हजार !'
'तो फिर इलाज से मरना ही ज्यादा फायदेमंद रहेगा.' सेठ ने ठण्डी सांस लेते हुए कहा.

□ □ □

रमेश ने महेश से पूछा-'जब सेब पेड़ से नीचे गिरा तो न्यूटन को बहुत आश्चर्य हुआ.'
महेश-'पागल था वह ?'
रमेश-'वह कैसे ?'
महेश-'आश्चर्य की बात तो तब होती जब सेब नीचे से ऊपर जाता.'

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली- 2667

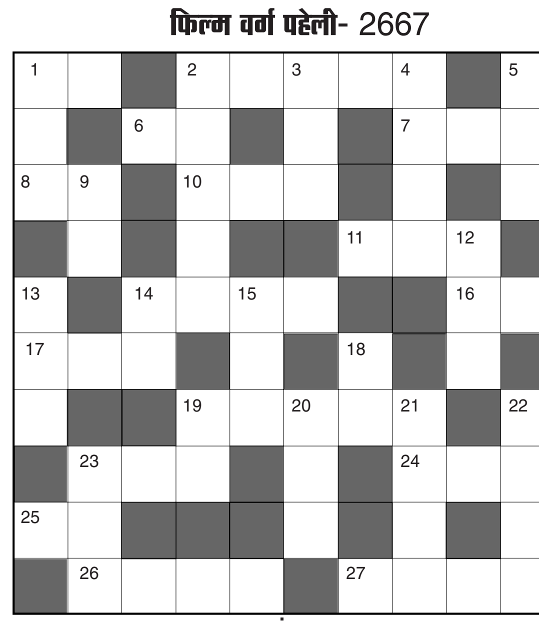

बायें से दायें:-

१. फरदीन, करीना की अमिताभ बच्चन की शीर्षक भूमिका वाली फिल्म-२
२. 'चल दरिया में डूब' गीत वाली राजेश खन्ना, हेमा, मुमताज की फिल्म-२,३
६. करणनाथ, मनीषा, नतान्या की 'दिल तो उड़ने लगा' गीत वाली फिल्म-२
७. 'बाहर है प्रॉबलम' गीत वाली अमृता सिंह, अमिताभ, मीनाक्षी की फिल्म-३
८. अनिलकपूर, अक्षय, ऐश्वर्या की 'इस टूटे दिल की पीर' गीत वाली फिल्म-२
१०. 'सुनता है मेरा खुदा' गीत वाली अनिलकपूर, माधुरी की फिल्म-३
११. जीतेंद्र, श्रीदेवी की 'गोरी तेरे अंग अंग में' गीत वाली फिल्म-३
१४. 'बोल बेबी बोल' गीत वाली अनिलकपूर, मीनाक्षी की फिल्म-२,२
१६. बॉबी देओल, मनीषा, काजोल की 'दुनिया हसीनों का मेला' गीत वाली फिल्म-२
१७. 'कोई माने या ना माने' गीत वाली फिरोजखान, रेखा की फिल्म-३
१९. देवआनंद, वहीदा की 'है अपना दिल तो आवारा' गीत वाली फिल्म-३,२
२३. 'गिर गया झुमका' गीत वाली धर्मेन्द्र, हेमा मालिनी की फिल्म-३
२४. फिल्म 'तीसरी कसम' में राजकपूर के साथ नायिका कौन थी ?-३
२५. प्राण, नवीन निश्चल, रेखा की 'ना सतरा से ऊपर' गीत वाली फिल्म-२
२६. 'तुझे प्यार करते करते' गीत वाली अजय देवगन, जूही की फिल्म-४
२७. अजय देवगन, रानी मुखर्जी की 'ना ना मेहंदी ना मुझको लगाना' गीत वाली फिल्म-२,२

ऊपर से नीचे:-

१. संजीवकुमार, शबाना आजमी की फिल्म-३
२. देवआनंद, वहीदा रहमान की 'रंगीला रे तेरे रंग में' गीत वाली फिल्म-२,३
३. 'कितना बेचैन होके' गीत वाली आफ ताब, लिसा रे की फिल्म-३
४. फिल्म 'रफूचक्कर' में ऋषिकपूर के साथ नायिका कौन थी ?-२,२
५. फिल्म 'छैला बाबू' में राजेश खन्ना के साथ नायिका कौन थी ?-३
९. अमिताभ, रितिक, प्रीती जिंटा की 'अगर मैं कहूँ' गीत वाली फिल्म-२
१२. 'तुम रूठ के मत जाना' गीत वाली भारतभूषण, मधुबाला की फिल्म-३
१३. किशोर कुमार, चॉद उस्मानी की 'छोटा सा घर होगा' गीत वाली फिल्म-३
१४. 'दिल मेरा अकेला' गीत वाली आमिर, फैजल, टिवंकल की फिल्म-२
१५. फरदीनखान, उर्मिला की 'दो प्यार करने वाले' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'तेरे प्यार का छाया नशा' गीत वाली आफताब, युक्ता मुखी की फिल्म-२
१९. फिल्म 'काश आप हमारे होते' का नायक कौन है ?-२
२०. मिथुन चक्रवर्ती, टीना मुनीम की 'तुम सा नहीं देखा' गीत वाली फिल्म-३
२१. 'ये लड़की जरा सी' गीत वाली कुमार गौरव, विजेयता पंडित की फिल्म-२,२
२२. मिथुन चक्रवर्ती, ऋतुपर्णा की 'गोरे रंग का जमाना' गीत वाली फिल्म-४
२३. 'मिर्ची ये मिर्ची' गीत वाली फिल्म-३

फिल्म वर्ग पहेली- 2666

आ	ई	मि	ल	न	की	बे	ला		शा
गा		ल		र्गि		ना		मि	ली
ज	मी	न		स	न	म			मा
	ना		सु		गी		पिं	ज	र
ज		प	र	वा	न			ल्ला	
ग	द	र		स्त		दो	ब	द	न
ल		ख		व	ध		ल		व
	क		ना		न	ग	मा		रं
श	ह	जा	दा		वा			रं	ग
	र		न	या	न	शा		भा	

सूडोकु -2667

		5			8			
	7			3	5			
3						6		
							8	5
	6						1	
4	2							
		1						8
			7	4			3	
			2			7		

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -2666 का हल

5	7	4	1	3	9	6	2	8
2	8	9	6	5	7	1	4	3
3	6	1	2	8	4	5	7	9
9	3	7	8	1	6	4	5	2
6	5	8	4	9	2	3	1	7
1	4	2	5	7	3	8	9	6
7	9	6	3	4	1	2	8	5
4	2	5	9	6	8	7	3	1
8	1	3	7	2	5	9	6	4

शब्द पहेली - 2667

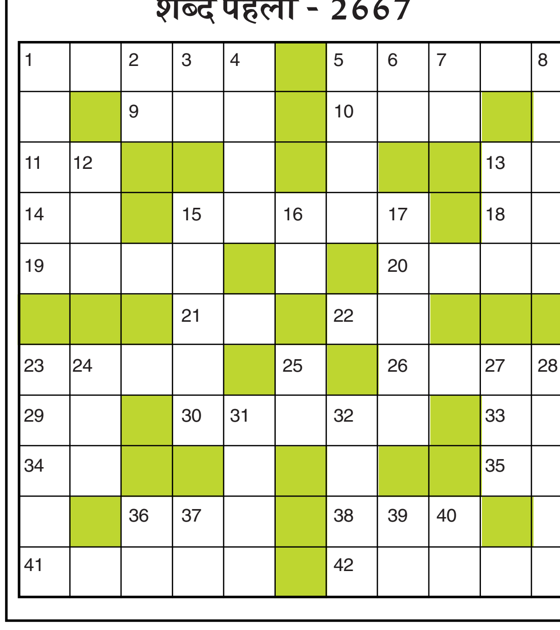

बाएँ से दाएँ

1.मन मोहने वाला-5
5.प्रस्थान करना,रवानगी-5
9.राशिचक्र की दसवीं राशि-3
10.तेल में पकाना-3
11.प्रेम,प्यार-2
13.थोड़ा,जरा-2
14.मैं का बहुवचन-2
15.उम्मीद करना-5
18.धन,संपदा-2
19.पक्षियों की चहचहाट-4
20.अभिप्राय-4
21.सद्,अच्छा-2
22.दम,ताकत-2
23.प्रकाशवान-4
26.ठसाठस-4
29.माईल,दूरी नामपे की इकाई-2
30.क्रोधित होना-2,3
33.विदेशी शराब-2
34.झुका हुआ-2
35.भाग्य (अंग्रेजी-2)
36.आखेट मंच-3
38.खुजली-3
41.मनमोहकता-5
42.नाटक लिखने वाला-5

ऊपर से नीचे

1.आकर्षक.चिताकर्षक-5
2.वैक्स,मधुज-2
3.अधिकार-2
4.फिल्म 'मदर इंडिया' की नायिका-4
5.जागरण-4
6.दीवार (अंग्रेजी-2)
7.मां के पिता-2
8.असफल-5
12.गर्भ,कोख-3
13.करामात-3
15.खातिरदारी -5
16.उद्देश्य-2
17.नामकरण-2,3
23.भूस्वामी-2,3
24.सही का विलोम-3
25.मृत्यु-2
27.इमामदस्ता-3
28.कांतिमान, चमकीला-5
31.उदारता,बड़प्पन-4
32.मालगोदाम-4
36.रत्न,नग-2
37.टी,चहा-2
39.याचिका,वाद (अंग्रजी-2)
40.वहम,संदेह-2

शब्द पहेली -2666 का हल

का	ज		आ	ग		सा	थ		सु	रा
ल		ता	ना		आ	स		ख	ब	र
	ली	ला		सा	या		क	ल	ह	
म	न		रा	त		र	म	ल		वि
स्ती		फि	जा		अ	ग	ला		सा	दा
	शू	र		की	च	ड़		ता	र	
कु	ल		अ	म	ल		ख	त		मी
ली		ग	ल	त		प	ता		जा	न
	दो	ज	ख		क	ल		ता	ल	
घा	य	ल		दा	म		उ	म्र		मो
त	म		प	ग		कृ	ष्ण		क	र

टीबी मुक्त भारत के तहत जेपी नड्डा ने महाराष्ट्र के सांसदों के साथ की बैठक

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने महाराष्ट्र के सांसदों के साथ 'पार्लियामेंटेरियन्स चैम्पियनिंग ए टीबी मुक्त भारत' के तहत बैठक की। यह बैठक संसद के शीतकालीन सत्र के दौरान नई महाराष्ट्र सदन के प्रेस कॉन्फ्रेंस हॉल में आयोजित हुई, जिसमें लोकसभा और राज्यसभा के सांसद उपस्थित रहे। बैठक का उद्देश्य टीबी-मुक्त भारत अभियान को गति देना और सांसदों की भूमिका को और मजबूत करना था। जेपी नड्डा ने भारत की टीबी उन्मूलन यात्रा में हासिल हुई प्रगति की सराहना करते हुए कहा कि 2015 से 2024 के बीच भारत ने टीबी मामलों में 21 प्रतिशत की कमी दर्ज की है, जो वैश्विक औसत की तुलना में लगभग दोगुनी है। उन्होंने बताया कि भारत में टीबी उपचार सफलता दर 90 प्रतिशत तक पहुंच गई है, जबकि वैश्विक औसत 88 प्रतिशत है। उन्होंने महाराष्ट्र को टीबी-मुक्त भारत अभियान में अग्रणी राज्य बताते हुए सांसदों के योगदान की सराहना की। स्वास्थ्य मंत्री ने बैठक में कहा कि एआई-सक्षम हैंड-हेल्ड एक्स-रे मशीनों और ट्रूनैट तकनीक ने टीबी की जांच को तेज, सटीक और अधिक सुलभ बनाया है। उन्होंने बताया कि अब देश में संवेदनशील और पिछड़े वर्गों को प्राथमिकता के आधार पर चिह्नित कर उनकी स्क्रीनिंग सुनिश्चित की जा रही है।

मौलाना मदनी के जिहाद वाले बयान पर रज़वी बरेलवी ने दी कड़ी प्रतिक्रिया बोले- भारत में जिहाद नाजायज़

बरेली। जमीयत उलेमा-ए-हिंद के अध्यक्ष मौलाना महमूद मदनी के हालिया बयान पर ऑल इंडिया मुस्लिम जमात के राष्ट्रीय अध्यक्ष मौलाना मुफ़्ती शहाबुद्दीन रज़वी बरेलवी ने कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। ऑल इंडिया मुस्लिम जमात के राष्ट्रीय अध्यक्ष मौलाना मुफ़्ती शहाबुद्दीन रज़वी बरेलवी ने कहा कि मौलाना मदनी बार-बार जिहाद की बातकर समाज को बांटने और देश की एकता को कमजोर करने की कोशिश कर रहे हैं। मौलाना रज़वी ने पूछा कि आखिर मौलाना मदनी भारत में किस तरह का जिहाद करना चाहते हैं? उनके बयानों से हिंदू-मुस्लिम भाईचारे को नुकसान पहुंच रहा है और साम्प्रदायिक तनाव बढ़ने का खतरा है। ऐसे हालात में सबसे बड़ा नुकसान मुसलमानों को ही झेलना पड़ेगा। रज़वी बरेलवी ने कहा कि भारत में न जिहाद जायज़ है और न ही हिजरत। आला हज़रात इमाम अहमद रज़ा खां बरेलवी ने भी भारत को दरुस्सलाम यानी सलामती वाला देश बताया है। भारत एक आज़ाद मुल्क है, जहां मुसलमान नमाज, रोजा, मस्जिद, मदरसा व दरगाह सहित सभी धार्मिक कार्य स्वतंत्र रूप से कर रहे हैं। यहां किसी तरह की धार्मिक पाबंदी नहीं है।मौलाना रज़वी ने मौलाना मदनी के उस बयान की भी आलोचना की, जिसमें उन्होंने स्कूलों में 'जिहाद' पढ़ाए जाने की बात कही थी। उन्होंने कहा कि इससे नई पीढ़ी भटक जाएगी और देश में मतभेद व अराजकता बढ़ेगी। भारत में अमन-शांति का माहौल है।

उत्तर प्रदेश, बिहार में भाजपा के सांगठनिक बदलाव को लेकर उच्च स्तरीय बैठक हुई

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में उत्तर प्रदेश एवं बिहार की इकाइयों में सांगठनिक बदलाव एवं नई नियुक्तियों को लेकर आज यहां एक उच्च स्तरीय बैठक हुई। सूत्रों के अनुसार प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केन्द्रीय मंत्री जगत प्रकाश नड्डा और पार्टी के राष्ट्रीय संगठन महामंत्री बीएल संतोष संसद भवन परिसर में प्रधानमंत्री कार्यालय में इस बैठक में शामिल हुए। करीब पौने घंटे की इस बैठक के बाद गृहमंत्री के कक्ष में अमित शाह, नड्डा एवं बीएल संतोष ने लंबी विचार मंत्रणा की। इस दौरान ने संसद भवन के गलियारों में उत्तर प्रदेश भाजपा के कई नेता गृहमंत्री एवं अन्य नेताओं से मिलने का प्रयास करते दिखाई दिये। उल्लेखनीय है कि संतोष सोमवार एवं मंगलवार को लखनऊ की यात्रा करके लौटे हैं जहां उन्होंने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सह सरकार्यवाह अरूण कुमार, सह सरकार्यवाह अतुल लिमये, भाजपा के प्रदेश महामंत्री संगठन धर्मपाल, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक के साथ अलग-अलग बैठकों में उत्तर प्रदेश के नये प्रदेश अध्यक्ष एवं अन्य सांगठनिक मुद्दों पर गहन विचार विमर्श किया था।

पंजाब में ड्रग डी-ऐडिक्शन सेंटर ड्रग तस्करी का अड्डा बनाः स्वाति मालीवाल

नई दिल्ली। राज्यसभा सांसद स्वाति मालीवाल ने सदन में शून्यकाल के दौरान कहा कि पंजाब सरकार करोड़ों रुपये विज्ञापन पर खर्च कर रही है लेकिन उसका नतीजा शून्य है। उन्होंने कहा कि पंजाब में ड्रग डी-ऐडिक्शन सेंटर नशा छुड़वाने की जगह ड्रग तस्करी के अड्डे बन गए हैं। इस साल जुलाई में हुई ईडी की छापेमारी में यह सामने आया कि पंजाब में 22 ड्रग डी-ऐडिक्शन सेंटर ऐसे चल रहे हैं जहां से ड्रग्स की सप्लाई हो रही है। स्वाति मालीवाल ने कहा कि पंजाब सरकार बड़े-बड़े होर्डिंग्स और विज्ञापनों पर करोड़ों रुपये खर्च कर रही है लेकिन पंजाब आज भी ड्रग्स की चपेट में है।

चेन्नई और तिरुवल्लूर जिलों में भारी बारिश का अनुमान, स्कूल बंद

एजेंसी

चेन्नई। बंगाल की खाड़ी में आए साइक्लोनिक तूफान दितवाह की वजह से लगातार कई दिनों तक हुई भारी बारिश के बाद आम जनजीवन प्रभावित है। अधिकारियों ने छात्रों की सुरक्षा के लिए एहतियाती कदम के तौर पर चेन्नई और तिरुवल्लूर जिलों में स्कूलों को बंद करने की घोषणा की है। चेन्नई, तिरुवल्लूर और आस-पास के जिलों के कई तटीय इलाकों में तेज हवाओं के साथ जोरदार बारिश हुई, क्योंकि कमजोर सिस्टम अभी भी इस इलाके के ऊपर बना हुआ था। लगातार बारिश और शहर भर में पानी भरने की वजह से, चेन्नई के डिस्ट्रिक्ट कलेक्टर रश्मि सिद्धार्थ जगदे ने गुरुवार को स्कूलों में छुट्टी बढ़ा दी। यह जिले में लगातार तीसरा दिन है जब स्कूल बंद रहे। पड़ोसी तिरुवल्लूर में, डिस्ट्रिक्ट कलेक्टर प्रताप ने कुछ इलाकों में भारी बारिश के कारण गुरुवार को सिर्फ स्कूलों में छुट्टी की घोषणा की।

चेन्नई के उलट, दूसरे सरकारी दफ्तर और संस्थान सामान्य रूप से काम करते रहे। गुरुवार सुबह तक, शहर के कई हिस्सों में बारिश थोड़ी कम हो गई थी, जिससे उन निवासियों को कुछ राहत मिली जो हफ्ते की शुरुआत से ही जलभराव, ट्रैफिक जाम और लंबे समय से गीले हालात से जूझ रहे थे।आसमान कुछ देर के लिए साफ हुआ, जिससे और सुधार की उम्मीद जगी। क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केंद्र ने कहा कि अगले 24 घंटों में बारिश धीरे-धीरे कम होने की उम्मीद है क्योंकि सिस्टम और कमजोर हो जाएगा। हालांकि, चेंगलपट्टू जिले के कुछ इलाकों में अभी भी भारी बारिश जारी रही। चेंगलपट्टू और कट्टनकुलथुर यूनियन के तहत आने वाले इलाकों, कोलाथुर, बालूर और अप्पुर, में गरज और बिजली के साथ तेज बारिश हुई। निन्नाकराई जंगल इलाके से भारी मात्रा में पानी कैरामपेडु इलाके से गुजरा, जिससे कुडुवनचेरी-कोट्टामेडु रोड के किनारे के इलाके पानी में डूब गए। पेरुमट्टुनल्लूर बस स्टैंड के पास, सड़क के दोनों ओर बारिश का पानी एक धारा की तरह बह रहा था, जिससे गाड़ियों को पानी भरे रास्तों से धीरे-धीरे गुजरना पड़ा। गुडुवनचेरी के पास विष्णुप्रिया नगर में, लगभग हर गली पानी में डूब गई थी, और सौ से ज्यादा घरों में पानी घुस गया, जिससे निवासियों को परेशानी हुई और तेजी से विकसित हो रहे उपनगरों में जल निकासी की तैयारी को लेकर चिंताएं बढ़ गईं।

दिल्ली में प्रदूषण नियंत्रण पर सरकार सख्त, लापरवाही पर होगी कार्रवाई

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली में बढ़ते प्रदूषण पर रोक लगाने के लिए सरकार अब पूरी तरह एक्शन मोड में आ गई है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने साफ कहा है कि प्रदूषण नियंत्रण में किसी भी तरह की कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने लापरवाही बरतने वाले सरकारी संस्थानों के खिलाफ चालान काटने से लेकर

एफआईआर दर्ज करने तक के निर्देश दे दिए हैं। दिल्ली सचिवालय में हुई बैठक में मुख्यमंत्री ने सभी विभागों को अगल-बगल की जमीनी स्थिति सुधारने और आगामी दिनों में युद्धस्तर पर काम करने के आदेश दिए। बैठक में पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा, मुख्य सचिव राजीव वर्मा सहित पीडब्ल्यूडी, एमसीडी, डीपीसीसी, डीडीए, डीएसआईआईडीसी, दिल्ली मेट्रो व अन्य कई विभागों के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे।

भारतीय संस्कृति विविधता का सम्मान कर एकता को पोषित करती है : अमीश त्रिपाठी

एजेंसी

वाराणसी। काशी तमिल संगमम के चौथे संस्करण के दूसरे दिन काशी हिंदू विश्वविद्यालय के पंडित ओंकार नाथ ठाकुर ऑडिटोरियम में पहले एकेडमिक सेशन का आयोजन किया गया। 'काशी इन तमिल इमैजिनेशनः महाकवि सुब्रमण्यम भारती एंड हिज़ लेगेसी' विषयक सेशन में तमिलनाडु से आए 216 छात्रों के दल ने पूरे उत्साह से भाग लिया।

सेशन में बतौर मुख्यातिथि लेखक अमीश त्रिपाठी ने कहा कि हमारी भारतीय संस्कृति विविधता का सम्मान करते हुए एकता को पोषित करती है। उन्होंने भारतीय धार्मिक परंपराओं, ऐतिहासिक प्रसंगों और सभ्यतागत एकता का उल्लेख करते हुए कहा कि हमें इस साझा विरासत को आत्मसात करना चाहिए और काशी तमिल संगमम जैसी पहलें इस दिशा में अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। अपने संबोधन की शुरुआत 'मैं माता तमिल को प्रणाम करता हूं' कहकर लेखक ने काशी और तमिलनाडु की संस्कृतियों के बीच कई मिलती-जुलती बातों के बारे में बात की। उन्होंने तमिल शब्द वणक्कम और संस्कृत शब्द वंदे, दोनों का मतलब 'झुकना' है, के बीच भाषा की समानताओं का ज़िक्र किया और बताया कि कैसे भारतीय संस्कृति विविधता का सम्मान करती है।

वक्ता प्रो. आर. मेगनाथन (एनसीईआरटी) ने महाकवि सुब्रमण्यम भारती के जीवन, दर्शन और साहित्यिक योगदान को बताया। उन्होंने भारती के 'शक्ति, भक्ति और ज्ञान' पर आधारित विचारों, उनकी राष्ट्रवादी चेतना, वैश्विक दृष्टि और श्री अरबिंदो के साथ उनके वैचारिक संवाद की चर्चा की। उन्होंने 'अचमिल्लै अचमिल्लै' जैसी कविताओं को उद्धृत करते हुए बताया कि भारती ने राष्ट्र की एकता और मानवता की सार्वभौमिकता को कैसे अपनी रचनाओं के केंद्र में रखा। इसी सत्र में एनसीईआरटी द्वारा निर्मित महाकवि भारती पर आधारित डॉक्यूमेंट्री तथा तमिल भाषा सीखने के लिए विकसित ट्यूटोरियल भी प्रदर्शित किया गया। अन्य वक्ताओं ने कहा कि भारत की विविधताओं में निहित समानताएं ही हमें एक सूत्र में जोड़ती हैं और यही हमारी भारतीय पहचान का मूल आधार है। इस सत्र की अध्यक्षता करते हुए बीएचयू कुलपति प्रो. अजित कुमार चतुर्वेदी ने कहा कि काशी तमिल संगमम् उत्तर और दक्षिण भारत के बीच संवाद और समझ को मजबूत कर रहा है। उन्होंने कहा कि भारतीय राज्यों में मौजूद समानताएं हमारी विविधता को कम नहीं करतीं बल्कि भारतीयता को और अधिक समृद्ध बनाती हैं। कुलपति ने 'शब्द' नामक एआई आधारित अनुवाद उपकरण का उल्लेख करते हुए कहा कि तकनीक संवाद को और सुलभ बना रही है और केटीएस का उद्देश्य भी 'एकता के विविध आयामों को पहचानना और उनका उत्सव मनाना' है। अतिथियों का स्वागत प्रो. पी. वी. राजीव (आईएमएस, बीएचयू) ने किया।

भोपाल में मिलेगा कश्मीर का अनुभव, बड़ी झील में चलेंगी 20 शिकारा नाव

एजेंसी

भोपाल। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में भी अब कश्मीर की प्रसिद्ध डल झील के पर्यटन का अनुभव प्राप्त होगा। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव झीलों की नगरी भोपाल के सौंदर्य में अभिवृद्धि करते हुए सुबह 9 बजे बड़ी झील (बड़े तालाब) के बोट क्लब पर 20 नवीन 'शिकारा नाव' की सेवा का शुभारंभ करेंगे। विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम में विधानसभा सदस्यों की गरिमामयी उपस्थिति रहेगी।जनसम्पर्क अधिकारी अनुराग उइके ने बताया कि मध्य प्रदेश में पर्यटन विकास के नए आयाम स्थापित करते हुए मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में पर्यटन सुविधाओं का निरंतर विस्तार किया जा रहा है। भोपाल के बड़े तालाब में कश्मीर की प्रसिद्ध डल झील की तर्ज पर शिकारे संचालित करने की यह अनूठी पहल की गई है। यह पहल न केवल प्रदेश के जल-पर्यटन को राष्ट्रीय पटल पर एक नई पहचान देगी, बल्कि पर्यटकों के लिए प्रकृति के सानिध्य में सुकून के कुछ पल बिताने का एक जरिया भी बनेगी। उन्होंने बताया कि इस

पहल का मुख्य उद्देश्य प्रदेश में जल-पर्यटन (वॉटर टूरिज्म) को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान दिलाना है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव की मंशानुसार, प्रदेश में पहली बार इतने वृहद स्तर पर शिकारों का संचालन किया जा रहा है। विशेष रूप से पर्यावरण संरक्षण के प्रति संवेदनशीलता को ध्यान में रखते हुए, इन सभी 20 शिकारों का निर्माण प्रदूषण रहित आधुनिक तकनीक से किया गया है। इनका निर्माण 'फाइबर रीइंफोर्स्ड पॉलीयूरिथेन' और उच्च गुणवत्ता वाली नॉन-रिएक्टिव सामग्री से हुआ है, जो जल के साथ किसी भी प्रकार की रासायनिक क्रिया नहीं करती। इससे बड़े तालाब की पारिस्थितिकी और जल की शुद्धता पूर्णतः सुरक्षित रहेगी। ये शिकारे अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त संस्था द्वारा निर्मित किए गए हैं, जिनके द्वारा निर्मित शिकारे पूर्व में केरल, बंगाल और असम में भी पर्यटकों द्वारा अत्यंत पसंद किए जा रहे हैं। भोपाल का बोट क्लब इन आकर्षक शिकारों के साथ पर्यटकों के स्वागत के लिए तैयार होगा।

सीएम भजनलाल शर्मा की अध्यक्षता में आयोजित मंत्रिमण्डल बैठक में 3 अहम नीतियों का अनुमोदन

एजेंसी

जयपुर । मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की अध्यक्षता में आयोजित मंत्रिमण्डल की बैठक में ईज ऑफ लिविंग और ईज ऑफ डूइंग बिजनेस को बढ़ावा देने के लिए राजस्थान जन विश्वास (उपबंधों का संशोधन) अध्यादेश- 2025 लाने, प्रवासी राजस्थानियों के योगदान और जुड़ाव को बढ़ाने के लिए प्रवासी राजस्थानी नीति-2025, छोटे व्यापारियों को अधिक अवसर उपलब्ध कराने के लिए राजस्थान ट्रेड प्रमोशन पॉलिसी और पर्यटन में निवेश को बढ़ावा देने के लिए राजस्थान पर्यटन नीति के अनुमोदन सहित कई महत्वपूर्ण फैसले किए गए। संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल और खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री सुमित गोदारा ने कैबिनेट में लिए गए निर्णयों की जानकारी देते हुए पत्रकार वार्ता में बताया कि विभिन्न अधिनियमों में मामूली उल्लंघन या तकनीकी गलती के लिए कारावास

जैसे आपराधिक दण्ड हटा कर उनके स्थान पर पेनल्टी के प्रावधान करने का निर्णय किया है। इससे ईज ऑफ लिविंग और ईज ऑफ डूइंग बिजनेस को बढ़ावा मिलने के साथ ही वादकरण में भी कमी आएगी। उन्होंने कहा कि इसके लिए भारत सरकार के जन विश्वास (प्रावधानों में संशोधन) अधिनियम-2023 की तर्ज पर राज्य में भी राजस्थान जन विश्वास (उपबंधों का संशोधन) अध्यादेश- 2025 के प्रारूप को मंत्रिमंडल द्वारा मंजूरी प्रदान की गई। संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने बताया कि इस अध्यादेश के द्वारा 11 अधिनियमों में से आपराधिक प्रावधान हटाए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि राजस्थान वन अधिनियम-1953 में धारा 26 (1) (ए) में वन भूमि में मवेशी चराने पर कारावास का प्रावधान था। अब तक इस पर 6 माह तक कारावास या 500 रुपए तक जुर्माने अथवा दोनों दण्ड का प्रावधान था। संशोधन के बाद अब इस उल्लंघन पर जुर्माना ही लगाया जाएगा। वन को हुए नुकसान के लिए वन अधिकारी द्वारा नियमानुसार निर्धारित क्षतिपूर्ति भी देनी होगी। इस संशोधन से उन आदिवासियों एवं ग्रामीणों को लाभ होगा जो अनजाने में मवेशी चराते हुए वन भूमि में प्रवेश कर जाते हैं। पटेल ने बताया कि राजस्थान राज्य सहायता (उद्योग) अधिनियम-1961 में सहायता प्राप्त करने वाले उद्योग के प्रभारी पर मामूली प्रक्रियात्मक अपराधों, जैसे कि बहीखाते, खाते या अन्य दस्तावेज निरीक्षण के लिए प्रस्तुत न करने पर कारावास का प्रावधान था। इन आपराधिक प्रावधानों को अब अधिनियम से हटा कर अर्थदण्ड तक सीमित किया जा रहा है। संसदीय कार्य मंत्री ने बताया कि जयपुर वाटर सप्लाय एण्ड सीवरेज बोर्ड अधिनियम-2018 में जल की बर्बादी, दुरुपयोग, गैर-घरेलू कार्यों के लिए उपयोग, बोर्ड की सीवरेज लाइन में रुकावट डालने, बिना लिखित अनुमित सीवरलाइन से कनेक्शन जोड़ने आदि पर कारावास का प्रावधान था।

शारीरिक बनावट नहीं करती है क्षमता का निर्धारणः योगी आदित्यनाथ

एजेंसी

लखनऊ । उत्तर प्रदेश में विश्व दिव्यांग दिवस 2025 के अंतर्गत आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस बात पर बल दिया कि शारीरिक बनावट क्षमता के निर्धारण और लक्ष्यों की प्राप्ति में बाधा नहीं बनती है। लखनऊ के इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में दिव्यांगजन सशक्तिकरण, छात्रवृत्ति वितरण, सहायक उपकरण प्रदान करने तथा उत्कृष्ट कार्य करने वाले व्यक्तियों और संस्थाओं के सम्मान के लिए आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि भारत की ऋषि परंपरा ने हमेशा हमें इस बात के लिए प्रेरित किया है कि व्यक्ति की शारीरिक बनावट उसकी क्षमता का निर्धारण नहीं करती है। भारतीय मनीषा का मानना है कि वास्तविक शक्ति मन, संकल्प और आत्मबल में है। भारत ही नहीं, पूरी दुनिया ने उस संकल्प शक्ति को, आत्मबल को वास्तविक और व्यावहारिक जीवन में दिव्यांगजन के सामर्थ्य से उद्घाटित होते हुए देखा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विश्व दिव्यांग दिवस पर सभी की मंगलकामना करते हुए कहा कि आज देश के प्रथम राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद की भी पावन जयंती है। उनकी स्मृतियों को नमन करते हुए मैं विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। उन्होंने कहा कि हमारे यहां एक ग्रंथ है अष्टावक्र गीता जिसे ऋषि अष्टावक्र ने रचा था। उनके बारे में अनेक धारणाएं हैं, और कहते हैं कि विदेह जनक को भी आत्मज्ञान की प्रेरणा उन्होंने दी। मध्यकाल में संत सूरदास इसके उदाहरण हैं। दुनिया में भी अनेक ऐसे उदाहरण हैं जहां दिव्यांगजनों को थोड़ा भी संबल मिला तो उन्होंने अपने सामर्थ्य और अपनी शक्ति से समाज के लिए वह सब कुछ कर दिखाया जिस पर सामान्य जन को सहज विश्वास भी नहीं होता है।

छत्तीसगढ़ के अमेरा खदान एक्सटेंशन पर बवाल : पुलिस-ग्रामीण आमने-सामने, पथराव-लाठीचार्ज में कई घायल

एजेंसी

अंबिकापुर। छत्तीसगढ़ के सरगुजा जिले के लखनपुर विकासखंड स्थित एसईसीएल अमेरा खदान विस्तार को लेकर क्षेत्र युद्धभूमि में बदल गया। खदान विस्तार पर चर्चा के लिए सुबह करीब 10:30 बजे प्रशासनिक अमला, प्रबंधक, अपर कलेक्टर, एसडीएम, तहसीलदार और भारी पुलिस बल ग्रामीणों से बात करने मौके पर पहुँचा, लेकिन बातचीत तनाव में बदल गई और देखते ही देखते दोनों ओर से जमकर पथराव शुरू हो गया। टकराव में 20 से अधिक पुलिसकर्मी और करीब 15-20 ग्रामीणों के घायल होने की पुष्टि हुई। दो घंटे की मशक्कत के बाद मामला शांत हुआ, लेकिन दोपहर करीब 2 बजे फिर स्थिति बेकाबू हो गई, जब विरोध प्रदर्शन के दौरान एक स्कूली छात्रा की गिरफ्तारी ने भीड़ को उग्र बना दिया। छात्रा को छुड़ाने के लिए बड़ी संख्या में ग्रामीण जमा हो गए और पत्थरों एवं डंडों से पुलिस पर हमला बोल दिया, जिसके बाद हालात बेकाबू होते देख पुलिस ने आँसू गैस के गोले दागकर भीड़ को तितर-बितर करने का प्रयास किया।

लगभग छह महीने से भूमि अधिग्रहण के विरोध में खनन क्षेत्र में झोपड़ियां बनाकर आंदोलन कर

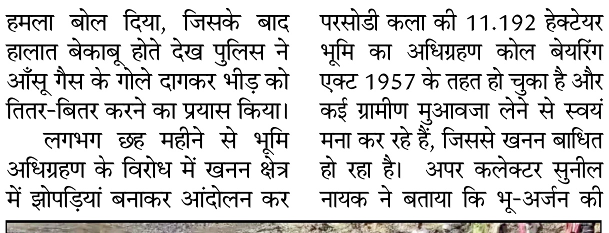

रहे ग्रामीणों को हटाने के लिए भारी पुलिस बल तैनात किया गया। झोपड़ियों को तोड़ते हुए आग के हवाले किया गया, जिसके बाद टकराव और भड़क उठा। ग्रामीणों का आरोप है कि कुल 238 प्रभावित परिवारों में से महज 15-16 लोगों को ही मुआवजा दिया गया है, और वे किसी भी कीमत पर अपनी जमीन खदान के लिए नहीं सौंपेंगे। प्रशासन का कहना है कि 2016 में ग्राम परसोडी कला की 11.192 हेक्टेयर भूमि का अधिग्रहण कोल बेयरिंग एक्ट 1957 के तहत हो चुका है और कई ग्रामीण मुआवजा लेने से स्वयं मना कर रहे हैं, जिससे खनन बाधित हो रहा है। अपर कलेक्टर सुनील नायक ने बताया कि भू-अर्जन की सभी प्रक्रिया पूरी है, प्रभावित परिवारों को मुआवजा एवं पुनर्वास लाभ प्रदान किए जा रहे हैं और खदान संचालन में बाधा डालने वालों को समझाइश दी जा रही है। तनावपूर्ण घटनाक्रम के बीच दो बार पुलिस और ग्रामीणों के बीच लाठीचार्ज और पथराव हुआ। 20 से अधिक पुलिसकर्मी घायल बताए जा रहे हैं और आधा दर्जन से अधिक ग्रामीण भी गंभीर रूप से चोटिल हुए।

अमेरिका में आईआईटी खड़गपुर के ग्लोबल आउटरीच कार्यक्रम का शुभारंभ

बोस्टन/खड़गपुर। आईआईटी खड़गपुर के प्लैटिनम जुबिली ग्लोबल आउटरीच कार्यक्रम का शुभारंभ अमेरिका में उत्साहपूर्ण वातावरण में हुआ। संस्थान के निदेशक प्रो. सुमन चक्रवर्ती ने अमेरिकी प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों के साथ उच्च-स्तरीय शैक्षणिक सहयोग को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से अपनी बहुप्रतीक्षित विदेश यात्रा आरंभ की। इस कार्यक्रम की अवधारणा एवं मेजबानी संस्थान के विशिष्ट पूर्व छात्र तथा अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त नेतृत्व विशेषज्ञ डॉ. पार्थ घोष ने की। आउटरीच कार्यक्रम की शुरुआत बोस्टन स्थित टफ्ट्स यूनिवर्सिटी में हुई, जहां प्रो. चक्रवर्ती और विश्वविद्यालय के शीर्ष नेतृत्व के बीच भावी शैक्षणिक साझेदारियों को लेकर सार्थक विमर्श हुआ। बैठक में टफ्ट्स यूनिवर्सिटी के अध्यक्ष डॉ. सुनील कुमार, चीफ ऑफ स्टाफ डॉ. मार्टी रे तथा गॉर्डन इंस्टीट्यूट के वरिष्ठ सदस्य उपस्थित थे।

देश को गुलामी की मानसिकता में धकेलने के लिए कांग्रेस जिम्मेदार : डॉ. दिनेश शर्मा

एजेंसी

नई दिल्ली। राज्य सभा सांसद डॉ. दिनेश शर्मा ने आरोप लगाया कि देश को गुलामी की मानसिकता में धकेलने के लिये कांग्रेस पूरी तरह से जिम्मेदार है। राज्य सभा में शून्यकाल में 'भारत के अमृत काल का उदय : विदेशी आक्रांताओ का प्रतीक और औपनिवेशिक युग की मानसिकता का जड़ से उन्मूलन' पर विस्तृत चर्चा करते हुए उन्होंने आक्रांताओं के नाम पर दिल्ली की सड़कों के नामों से सदन को अवगत कराया। दिनेश शर्मा ने कहा कि औपनिवेशिक मानसिकता की छाया से मुक्त होने पर ही हम सच्चे अर्थों में स्वयं को आजाद कह सकते हैं। दिल्ली की सड़कों के नाम आक्रांता मुगल बादशाहों और क्रूर ब्रिटिश वायसराय तथा अधिकारियों के नाम पर हैं। देश के अन्य स्थानों के साथ-साथ श्री राम लला की नगरी अयोध्या में भी ये नाम, हमारे ऐतिहासिक आख्यान का हिस्सा हैं, स्वतंत्रता के बाद कांग्रेस ने सभी समुदायों के धार्मिक गुरूओं, स्वतंत्रता सेनानी और देश भक्तों के सर्वोच्च बलिदान का अपमान

किया और आक्रमणकारियों, विदेशी आक्रांताओ को महत्व दिया और इसके बजाय दिल्ली की अधिकांश गलियों, कॉलोनियों, सड़कों, पार्कों या उद्यानों के नाम आक्रमणकारियों के नाम पर रखे गए हैं ताकि उनका महिमामंडन किया जा सके।

उन्होंने आंकड़े बताते हुए कहा कि अकबर रोड, शाहजहां रोड, हुमायूं रोड, लोदी रोड, मिंटो रोड और मिंटोब्रिज, कनॉट प्लेस सर्कल, सफदरजंग रोड सभी के नाम मुगल काल से जुड़े हैं। यही नहीं, जलियांवाला बाग में गोली चलाई जाने का आदेश देने वाले अंग्रेज चेम्सफोर्ड के नाम पर रोड, हेली रोड के नाम ब्रिटिश आक्रांता के नाम पर हैं। ये नाम, जबकि ऐतिहासिक रूप से मौजूद हैं, एक स्वतंत्र और गर्वित भारत के आदर्शों का प्रतिनिधित्व नहीं करते हैं। वे उन लोगों के नामों के समान राष्ट्रीय गौरव की भावना को प्रेरित नहीं करते हैं, जिन्होंने वास्तव में हमारे राष्ट्र का निर्माण किया, उसके लिए लड़ाई लड़ी और उसे समृद्ध किया।

सांसद ने कहा कि अब समय आ गया है कि हम खुद से पूछें- हम वास्तव में किसकी कहानियां सुनाना चाहते हैं? हम चाहते हैं कि हमारे बच्चे अपने दैनिक जीवन में नेविगेट करते हुए किसके योगदान को याद करें और उनका सम्मान करें? दिनेश शर्मा ने प्रधानमंत्री का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उन्होंने राजभवन को लोक भवन, केंद्रीय सचिवालय का नाम कर्तव्य भवन और पीएमओ का नाम सेवा तीर्थ करके यह सिद्ध किया है कि राज सत्ता में सेवा भाव सर्वोपरि है और हमारे दिमाग को औपनिवेशिक मानसिकता से मुक्त करने की ओर एक कदम है, भारत की अदम्य पवित्र भावना को श्रद्धांजलि है।

छत्तीसगढ़ के सुकमा एसपी ने इनामी नक्सली कमांडर बारसे देवा के आत्मसमर्पण का किया खंडन

एजेंसी

जगदलपुर। छत्तीसगढ़ के बस्तर में इनामी नक्सली कैडर बारसे देवा (पीएलजीए बटालियन नं. 01 के कमांडर) के आत्मसमर्पण और पुनर्वास को लेकर आज मंगलवार को खबरें प्रसारित हो रही हैं। हिड़मा का करीबी और भरोसेमंद साथी बारसे देवा के आत्मसमर्पण करने एवं उसके जंगल से बाहर निकलने के लिए सुकमा इलाके में उसके लिए सुरक्षित कॉरिडोर तैयार किये जाने का सुकमा पुलिस अधीक्षक किरण चव्हाण ने खंडन किया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि ज़िले में ऐसी जानकारी या परिस्थितियां 02 दिसंबर 2025 की शाम तक सामने नहीं आई हैं। पीएलजीए बटालियन नं.01 का कमांडर नक्सली कैडर बारसे देवा पर 25 लाख का इनाम घोषित है। टेकलगुडेम, बुरकापाल, मिनपा, ताड़मेटला, टहकवाड़ा में उसकी टीम ने ही बड़े हमले किए थे, जिसमें सैकड़ों जवानों का बलिदान हुआ था। दरअसल, छत्तीसगढ़ के गृह मंत्री विजय शर्मा कुछ दिन पहले पूवर्ती गांव गए थे। वहां उन्होंने देवा और हिड़मा इन दोनों की मां से मुलाकात की थी। इनके माध्यम से उनसे सरेंडर करने की अपील की थी। वहीं हिड़मा नहीं माना और आंध्र प्रदेश के जंगल में पुलिस के साथ हुई मुठभेड़ में पत्नी राजे समेत 6 साथियों के साथ मारा गया। अब देवा बारसे बाकी बचा है।

गौरतलब है कि 18 नवंबर को नक्सलियों के सेंट्रल कमेटी सदस्य माड़वी हिड़मा का आंध्र प्रदेश के अल्लूरी सितारामा राजू जिले में हुए मुठभेड़ के बाद बस्तर में नक्सल संगठन पूरी तरह टूट गया है। क्योंकि हिड़मा ही एक ऐसी कड़ी था जो नक्सली संगठन और बस्तर को जोड़े रखा था। वहीं हिड़मा का करीबी और भरोसेमंद साथी बारसे देवा एक मात्र बस्तर का स्थानीय नक्सली कमांडर बाकी है, जिसकी तलाश पुलिस को है। अब देखना है कि नक्सली कमांडर बारसे देवा आत्मसमर्पण करता है या सुरक्षा बलों के साथ उसकी मुठभेड़ होती है। नक्सली कमांडर बारसे देवा के साथ ही बस्तर से नक्सली नेतृत्व का पूरी तरह से खात्मा हो जायेगा। बस्तर आईजी सुंदरराज पट्टलिंगम ने आज बताया कि सरकार की आत्मसमर्पण एवं पुनर्वास नीति के तहत किए जा रहे सतत प्रयास बस्तर रेंज में उल्लेखनीय परिणाम दे रहे हैं। सिर्फ पिछले दो महीनों में ही 570 से अधिक नक्सली कैडर, जिनमें केंद्रीय समिति सदस्य सतीश उर्फ रूपेश तथा दंडकारण्य विशेष क्षेत्रीय समिति (डीकेएसजेडसी) सदस्य रणिता, राजमन मांडवी, राजू सलाम, वेंकटेश और श्याम दादा शामिल हैं, हिंसा का रास्ता छोड़कर सामाजिक मुख्यधारा में लौटने का निर्णय ले चुके हैं।

ब्रिस्बेन टेस्ट : स्टार्क ने झटके 6 विकेट, जो रूट ने ऑस्ट्रेलियाई जमीन पर ठोका अपना पहला शतक

ब्रिसबेन (एजेंसी)। जो रूट (नाबाद 135) शतकीय और जैक क्रॉली (76) रनों की अर्धशतकीय पारियों के दम पर इंग्लैंड ने एशेज के दूसरे टेस्ट मैच के पहले दिन गुरुवार को दिन का खेल समाप्त होने के समय ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ नौ विकेट पर 325 रन बनाकर अपनी स्थिति मजबूत कर ली है। रुट ने ऑस्ट्रेलिया की जमीन पर अपना शतक सूखा समाप्त करते हुए 202 गेंदों पर नाबाद 135 रन में 15 चौके और एक छक्का लगाया। रुट का ओवरआल यह 40वां शतक है।

ऑस्ट्रेलिया की तरफ से मिचेल स्टार्क ने जबरदस्त स्पेल किया, जबकि जो रूट ने शानदार शतक लगाया। ब्रिस्बेन की लाइट्स में आज के जमाने के दो महान खिलाड़ियों ने सबका ध्यान खींचा। स्टार्क पहली ही गेंद से लय में थे, उन्होंने ऑस्ट्रेलिया को दो शुरुआती ब्रेकथ्रू देकर एकदम सही शुरुआत दी और जब भी इंग्लैंड संभलता हुआ लगा, उन्होंने फिर से स्ट्राइक किया। जब भी किसी पार्टनरशिप में मजबूती का इशारा मिला, उन्होंने उसे तोड़ने का कोई न कोई तरीका निकाल ही लिया। हालांकि, रूट तूफान में शांति की तरह थे। जैसे-जैसे उनके आस-पास विकेट गिर रहे थे, उन्होंने एक शांत और ज़बरदस्त पारी खेलकर इंग्लैंड की पारी को संभाला, और आखिरकार ऑस्ट्रेलियाई ज़मीन पर अपना पहला टेस्ट शतक बनाया; यह उस मौके के लिए एकदम सही था। क्रॉली के भरोसेमंद योगदान ने भी अपनी भूमिका निभाई, जैसा कि रूट और आर्चर की आखिरी विकेट की जोशीली साझेदारी ने किया, जिनकी तेज 61 रन की साझेदारी ने इंग्लैंड को पहले दिन 320 रन के पार पहुंचा दिया। पिंक-बॉल टेस्ट में इतने बड़े स्कोर के साथ, इंग्लैंड अगले फेज़ में असली मजबूत स्थिति में है। आज यहां इंग्लैंड ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। इंग्लैंड की शुरुआत बेहद खराब रही और उसने मात्र 5 रन के स्कोर पर अपने 2 विकेट गंवा दिए। मिचेल स्टार्क ने बेन डकेट और ऑली पोप को आउट किया। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये जो रूट ने जैक क्रॉली के साथ पारी को संभाला। दोनों बल्लेबाजों के बीच 117 रनों की साझेदारी हुई। 28वें ओवर में माइकल नीसर ने जैक क्रॉली को आउटकर इस साझेदारी को तोड़ा। जैक क्रॉली ने 93 गेंदों में 11 चौकों की मदद से 76 रन बनाये। हैरी ब्रूक (31), कप्तान बेन स्टोक्स और विल जैक्स 19-19 बनाकर आउट हुए।

इसी दौरान 66वें ओवर में बोलैंड की गेंद पर चौका लगाकर जो रूट ने अपना शतक पूरा किया। जो रूट का यह 40वां टेस्ट शतक है। इसी के साथ रूट, लेलैंड के बाद गाबा टेस्ट के पहले दिन शतक बनाने वाले दूसरे इंग्लिश खिलाड़ी हैं। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट क्रिकेट में उनके लंबे समय से चला आ रहा शतक सूखा भी समाप्त हो गया है। ऑस्ट्रेलिया में, उन्होंने नौ अर्धशतक लगाए थे, लेकिन शतक तक पहुंचने में असफल रहे थे। गस ऐटकिंसन (चार) और ब्राइडन कार्स (शून्य) को मिचेल स्टार्क ने 67वें ओवर में आउट किया। दिन का खेल समाप्त होने के समय इंग्लैंड ने 9 विकेट पर 325 रन बना लिए थे और (जो रूट नाबाद 135) और जोफ्रा आर्चर (नाबाद 32) क्रीज पर मौजूद थे। ऑस्ट्रेलिया के लिए मिचेल स्टार्क ने 6 विकेट लिए। माइकल नीसर और स्कॉट बोलैंड ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

बीसीसीआई की नाराजगी को देखते हुए विजय हजार ट्रॉफी में खेलने को तैयार हुए विराट

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली ने कहा है कि वह दिल्ली की ओर से आगामी विजय हजारे ट्रॉफी में खेलने को तैयार है। माना जा रहा है कि विराट ने ये फैसला भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के दबाव में लिया है। इसका कारण है कि बोर्ड पहले एकदिवसीय के बाद उनके दिये बयान से नाराज था जिसको देखते हुए विराट को 15 साल के बाद इस घरेलू टूर्नामेंट में खेलने के लिए मजबूर होना पड़ा है।वहीं पहले वह इसमें खेलने को तैयार नहीं थे। वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार बीसीसीआई विराट के सार्वजनिक रुप से दिखे उस बयान से नाराज थी। उसके बाद ही उन्होंने घरेलू क्रिकेट खेलने का फैसला किया।विजय हजारे ट्रॉफी में दिल्ली की टीम अपना पहला मुकाबला 24 दिसंबर को आंध्र प्रदेश के खिलाफ खेलेगी।

कोहली ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले ही एकदिवसीय में 135 रनों की मैच विजेता पारी खेलने के बाद कहा था कि मैं कभी भी बहुत ज्यादा तैयारी में भरोसा नहीं करता। मेरा पूरा क्रिकेट मानसिक है। जब तक मैं मानसिक रूप से मजबूत महसूस करता हूं तो मैं खेल सकता हूं। उन्होंने कहा, 'मैंने 300 एकदिवसीय मैच खेल खेले हैं और 15-16 साल में काफी अधिक क्रिकेट खेला है। इसको देखते हुए मेरा मानना है कि अगर आप नेट में बिना कोई ब्रेक लिए डेढ़, दो घंटे खेल सकते हैं तब आप हर जरूरत को पूरी कर रहे हैं।'कोहली के इसी बयान से बीसीसीआई भड़की हुई थी। उसने इससे पहले इन दोनो को घरेलू क्रिकेट खेलने की सलाह दी थी ताकि ये दोनो भारत की ओर से एकदिवसीय प्रारुप खेलने के लिए तैयार रहें। वहीं रोहित ने पहले ही कहा दिया था कि वह मुंबई की ओर से विजय हजारे ट्रॉफी खेलने के लिए लिए तैयार हैं।

जडेजा की धीमी बल्लेबाजी से हारे : इरफान पठान

रायपुर (एजेंसी)। पूर्व क्रिकेटर इरफान पठान ने कहा है कि दूसरे एकदिवसीय में भारतीय टीम की हार का कारण अनुभवी बल्लेबाज रविन्द्र जडेजा की धीमी बल्लेबाजी रही है। भारतीय टीम ने इस मैच में दक्षिण अफ्रीका को 359 रनों का लक्ष्य दिया था पर इसके बाद भी वह इसे बचा नहीं पायी। पठान ने कहा कि दक्षिण अफ्रीका अफ्रीका ने 39 से 49 ओवरों के बीच कसी हुई गेंदबाजी की, जिससे भारतीय टीम 370 तक नहीं पहुंच पायी। इरफान के अनुसार 15 से 20 रन और बनते तो शायद परिणाम अलग होता। उन्होंने कहा कि जडेजा ने धीमी बल्लेबाजी की है। जडेजा ने सातवें नंबर पर आने के बाद 27 गेंदों में केवल 24 रन बनाए। उन्होंने कप्तान केएल राहुल के साथ छठे विकेट के लिए 54 गेंदों में 69 रन बनाये थे।

इरफान ने कहा, राहुल ने अच्छा फिनिश किया। उन्होंने एक और कप्तानी पारी खेली। उनका अच्छा फिनिश करना जरूरी थी, अगर वो नहीं होता तो इतने रन भी भारत के नहीं बनते। मेरे हिसाब से जो जडेजा की पारी ठीक नहीं थी। उन्होंने 27 गेंदों में नाबाद 24 रन बनाए। भारतीय टीम के अधिकतर बल्लेबाजों ने 100 के स्ट्राइक रेट से ज्यादा बनाये पर जडेजा ने 88 के स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी की। जिस प्रकार के वह बल्लेबाज हैं उसमें ये आंकड़ा सही नहीं है। जडेजा का रवैया आक्रामक नहीं रहा। वहीं दूसरी ओर दक्षिण अफ्रीका ने शुरु में संभलकर खेलने के बाद आक्रामक रुख दिखाया। दक्षिण अफ्रीका ने 49.2 ओवर में ही 359 रनों का लक्ष्य हासिल कर लिया। साउथ अफ्रीका की ओर से एडेन मार्करम ने 110 जबकि मैथ्यू ब्रीट्जके ने 68 और डेवाल्ड ब्रेविस ने 54 रन बनाये।

हार्दिक पांड्या का भारी क्रेज, सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी मैच का वेन्यू बदला गया

बड़ौदा बनाम गुजरात मैच फैंस की भारी भीड़ और सुरक्षा कारणों से हैदराबाद के राजीव गांधी स्टेडियम में शिफ्ट

हैदराबाद (एजेंसी)। मौजूदा सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के दौरान एक अभूतपूर्व फैसले में बड़ौदा बनाम गुजरात का मुकाबला भारी भीड़ और सुरक्षा व्यवस्था की बढ़ती जरूरत के चलते राजीव गांधी इंटरनेशनल स्टेडियम, हैदराबाद स्थानांतरित कर दिया गया है। यह फैसला हार्दिक पांड्या के प्रति उमड़ रही असाधारण फैन-फॉलोइंग के चलते लिया गया है।

अधिकारियों के अनुसार, टीम होटल, अभ्यास स्थल और टिकट काउंटरों के बाहर असामान्य रूप से बड़ी संख्या में प्रशंसकों की भीड़ देखी गई जो सामान्य घरेलू मैचों की तुलना में कई गुना अधिक थी। आयोजकों का मानना है कि यह भीड़ पूरी तरह हार्दिक पांड्या को देखने की दीवानगी के कारण उमड़ी। एक वरिष्ठ आयोजक ने बताया, 'हार्दिक पांड्या के प्रति उत्साह अविश्वसनीय है। फैन टर्नआउट, पूछताछ और भीड़ का दबाव हमारी अपेक्षाओं से कहीं ज्यादा था। सुरक्षित और सुचारू आयोजन सुनिश्चित करने के लिए मैच को राजीव गांधी स्टेडियम में स्थानांतरित करना आवश्यक हो गया।' राजीव गांधी इंटरनेशनल स्टेडियम, जो अंतरराष्ट्रीय मैचों और IPL मुकाबलों की मेजबानी के लिए जाना जाता है, बेहतर सुरक्षा व्यवस्था और उच्च क्षमता के कारण इस अप्रत्याशित भीड़ को संभालने के लिए सबसे उपयुक्त विकल्प माना गया।हैदराबाद में पिछले दो दिनों में IPL जैसी हलचल देखी गई प्रशंसक अभ्यास सत्रों के बाहर इकट्ठा हो रहे हैं, पोस्टर-बैनर लेकर घूम रहे हैं, टिकट के लिए लाइनें लगा रहे हैं, और सोशल मीडिया पर जबरदस्त उत्साह जता रहे हैं यह सब सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में हार्दिक पांड्या की मौजूदगी को लेकर है।

सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी मुकाबले के बारे में

बड़ौदा बनाम गुजरात मैच भारत की प्रमुख घरेलू टी20 प्रतियोगिता सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी का हिस्सा है और वेन्यू बदलने के बाद अब इसके रिकॉर्ड भीड़ जुटाने की उम्मीद है।

अश्विन बोले, इस बार ग्रीन पर आईपीएल नीलामी में लग सकती है सबसे बड़ी बोली

मुम्बई । स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने कहा है कि 16 दिसंबर को आबूधाबी में 2026 इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) सत्र के लिए होने वाली नीलामी में ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर कैमरन ग्रीन पर सबसे अधिक बोली लग सकती है । ग्रीन फिट नहीं होने के कारण पिछले साल आईपीएल से बाहर थे । अश्विन के अनुसार आंद्रे रस्सेल और ग्लेन मैक्सवेल के सन्यास के कारण ग्रीन ही अब सबसे बेहतर विदेशी ऑलरांउर के तौर पर उलब्ध हैं, ऐसे में उनकी मांग बढ़ना तय है । अश्विन के अनुसार सभी फ्रेंचाइजियां ऐसे खिलाड़ी को लेना चाहेंगी जो तेज गेंदबाजी के साथ ही मध्य क्रम में आक्रामक बल्लेबाजी कर सके और ये सभी खूबियां ग्रीन में हैं । अश्विन ने कहा, ग्रीन के अलावा इस बार उनके साथी खिलाड़ी लियाम लिविंगस्टोन के पास भी मोटी रकम हासिल करने का अवसर है । ग्रीन इस समय विश्व के बेहतरीन टी20 खिलाड़ियों में शामि हैं ।एक अच्छे आक्रामक बल्लेबाज होने के साथ ही वह 140 से अधिक की रफ्तार से गेंदबाजी करते हैं । उनके प्रदर्शन में निरंतरता बनी रहती है ।ग्रीन ने 40 से अधिक के औसत और तेज स्ट्राइक रेट से रन बनाए हैं ।इस ऑलराउंडर ने अब तक दो सही सत्र खेले हैं और 29 मैचों में 707 रन बनाये हैं इसके अलावा 16 विकेट लेकर दिखाया है कि वह एक मैच विजेता हैं ।ग्रीन ने दबाव के बीच ही मैच विजेता पारियां खेली हैं ।

अपने गेंदबाजी कौशल को निखारने मोर्कल और अर्शदीप से सलाह ले रहे हर्षित राणा

मुम्बई ।युवा तेज तेज गेंदबाज हर्षित राणा भारतीय टीम में आने के बाद से ही टीम में अपनी जगह पक्की करने का प्रयास कर रहे हैं । हर्षित का सकारात्मक पक्ष ये है कि वह गेंदबाजी के साथ ही अच्छी बल्लेबाजी भी करते हैं हालांकि वह इस बार के लिए निशाने पर रहते हैं कि मुख्य कोच गंभीर का करीबी होने से उन्हे खेलने के अवसर मिल रहे हैं । वहीं इन आलोचनाओं पर ध्यान नहीं देते हुए हर्षित नई गेंद से अपने कौशल को सुधारने के लिए गेंदबाजी कोच मोर्ने मोर्कल और बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह के साथ काम कर रहे हैं । हर्षित ने कहा, ''नई गेंद से मैं मोर्ने (मोर्कल) के साथ बहुत अभ्यास कर रहा हूं और मैं अर्शदीप से बहुत बात करता रहता हूं। मुझे लगता है कि अर्शदीप के पास बहुत अनुभव है और वह अभ्यास के दौरान मेरी मदद और मार्गदर्शन करते रहते हैं ।' पारी के 34वें ओवर के बाद एक गेंद के नियम को लेकर हर्षित ने कहा कि भारतीय टीम इस बात पर नजर रखती है कि दोनों गेंदों में से कौन सी गेंद अधिक पुरानी हो रही है जिससे कि उसे चुना जा सके । उन्होंने कहा, ''आजकल के क्रिकेट में गेंदबाज को इतनी मदद नहीं मिलती इसलिए यह नियम हमारे लिए बहुत सहायक है और यह हमेशा दिमाग में रहता है कि कौन सी गेंद पुरानी हो रही है । और हर कोई उस गेंद को चुनने में शामिल होता है ।'' हर्षित ने कहा कि अनुभवी बल्लेबाजों विराट कोहली और रोहित शर्मा के टीम में रहने से भी उनको काफी कुछ सीखने को मिला है ।उन्होंने कहा, ''यह मेरे लिए और जाहिर है कि पूरी टीम के लिए बहुत बड़ी बात है क्योंकि अगर ऐसे अनुभवी खिलाड़ी मैदान और ड्रेसिंग रूम में आपके साथ रहते हैं तो टीम का माहौल बहुत अच्छा होता है । यहां तक कि अगर आप ड्रेसिंग रूम में हैं तो यह पूरी टीम के लिए एक खुशी का माहौल है ।''

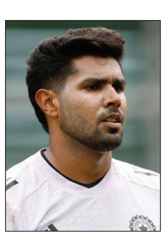

2026 फीफा विश्वकप के सफल आयोजन के लिए प्रयास कर रहे : गिउलिआनी

वाशिंगटन (एजेंसी)। 2026 फीफा वर्ल्ड कप को लेकर अमेरिका में जोर-शोर से तैयारियां चल रही हैं। विश्व कप के लिए बनाये गये व्हाइट हाउस टास्क फोर्स के कार्यकारी निदेशक एंड्रयू गिउलिआनी ने कहा है कि ये विश्वकप सबसे सुरक्षित और यादगार रहेगा। गिउलिआनी के अनुसार इसके लिए सभी प्रकार के इंतजाम किये जाएंगे।

उन्होंने कहा कि अमेरिका फुटबॉल के इस सबसे बड़े खेल आयोजन की मेजबानी के लिए पूरी तरह से तैयार है। इसमें आने वाले लाखों प्रशंसकों को एक सुरक्षित और आरामदेह माहौल उपलबध कराया जाएगा। गिउलिआनी ने कहा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इस आयोजन को सफल बनाने के लिए निर्देश दिये हैं जिन्हें पूरा किया जाएगा। उन्होंने कहा, यह सुनिश्चित किया जाये कि देश में एक सुरक्षित, स्वागत योग्य और यादगार विश्व कप का आयोजन हो। 2026 के टूर्नामेंट को लेकर गिउलिआनी ने कहा कि विश्व कप अमेरिका की 250वीं स्वतंत्रता वर्षगांठ के साथ ही होगा, जिसमें 4 जुलाई, 2026 को फिलाडेल्फिया में एक मैच होना है। उन्होंने कहा, यह हमें अमेरिका का सबसे अच्छा रूप दिखाने का अवसर देता है, जिसमें हमारी मेहमाननवाजी और हमारा इनोवेशन तो है ही, साथ ही ये उस अमेरिकी भावना को भी दिखाता है जिस पर हमें बहुत गर्व है।

गिउलिआनी ने कहा कि विश्व कप में 48 देश, 104 मैच 49 टीम बेस कैंप और लाखों अंतरराष्ट्रीय मेहमान शामिल होंगे। इससे पर्यटन, इंफ्रास्ट्रक्चर, स्थानीय व्यवसायों और 11 अमेरिकी मेजबान शहरों को फायदा होगा। यह एकता का एक वैश्विक क्षण रहेगा। यह सिर्फ एक प्रतियोगिता से कहीं ज्यादा है।

जीत के बाद बोले बावुमा, भारतीय टीम के खिलाफ खेलना बेहद कठिन

रायपुर (एजेंसी)। दक्षिण अफ्रीका क्रिकेट टीम के कप्तान तेंबू बावुमा ने भारतीय टीम के खिलाफ दूसरे एकदिवसीय में मिली रिकार्ड जीत पर खुशी जतायी है।

बावुमा की कप्तानी में दक्षिण अफ्रीका की टीम ने भारत के खिलाफ दूसरे एकदिवसीय में 359 रनों के कठिन लक्ष्य को भी हासिल कर लिया। यह एकदिवसीय में लक्ष्य का पीछा करते हुए विदेशी धरती पर किसी भी टीम की संयुक्त रूप से सबसे बड़ी जीत है।

बावुमा ने दूसरा एकदिवसीय चार विकेट से जीतने के बाद कहा, मुझे खुशी है कि हमने जीत की दहलीज पार कर ली। इस मैच में आते हुए हमारा ध्यान था कि गेंदबाजी कैसे बेहतर की जा सके। वहीं बल्लेबाजी में शीर्ष क्रम ने अच्छा प्रदर्शन किया। एडेन मार्करम और मैथ्यू ब्रीटजके के अलावा कॉर्बिन बॉश ने भी अच्छा खेल दिखाया है। फिनिशिंग भी अच्छी रही। यह प्रकार से ये कठिन लक्ष्य हासिल किया गया। उससे साफ है कि भारतीय टीम के खिलाफ खेलना कितना मुश्किल है। हमें आगे भी इसी प्रकार के प्रदर्शन की जरुरत होगी। जब मैं क्रीज पर आया तो एडेन गेंद को खेल रहा था। मैं उसके साथ साझेदारी बनाने की कोशिश कर रहा था। कप्तान ने साथ ही कहा, इस मैच से हमें बहुत आत्मविश्वास मिला है। एक अच्छी सीरीज तैयार हुई है। मुझे लगता है कि जो लोग यहां हैं, वे हमारे अच्छे खिलाड़ी हैं। हर स्थान के लिए कड़ी टक्कर थी। इसलिए मुझे लगता है कि बल्लेबाज जानते हैं कि उन्हें अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना है। यह स्थिति गेंदबाजों के साथ भी है। इस तरह के प्रदर्शन से मनोबल बढ़ता है।

राहुल ने टॉस को बताया हार के लिए जिम्मेदार, ओस के कारण गेंदबाजी थी मुश्किल

रायपुर ।भारतीय क्रिकेट टीम की मेहमान टीम दक्षिण अफ्रीका के दूसरे एकदिवसीय में 358 रन बनाने के बाद हुई हार के लिए कप्तान के एल राहुल ने टॉस हारने को कारण बताया है । राहुल ने कहा , इस परिणाम को पचाना ज्यादा कठिन नहीं हैं क्योंकि रात के समय काफी ओस रहती है जिससे गेंदबाजी में काफी परेशानी आती है ।अंपायरों ने कई बार गेंद बदली जिसके बाद भी गेंदबाजी आसान नहीं थी । मैं लगातार दो टॉस हारने पर निराश हूं हालांक कुछ चीजें होती हैं जिन्हें हम बेहतर कर सकते थे पर कर नहीं पाये । मुझे पता है कि 350 अच्छा स्कोर लगता है हालांकि पिछले मैच के बाद भी ड्रेसिंग रूम में यही हो रही थी कि किस प्रकार हम 20 से 25 रन कैसे और बना सकते थे जिससे गेंदबाजों को गीली गेंद से गेंदबाजी करते समय स्कोर का बचाव करने में आसानी हो। गेंदबाजों ने पूरा प्रयास किया लेकिन इसके बाद भी सुधार की जरुरत है । हमने मैदान में कुछ आसान रन भी दिए जो भारी पड़ गये । अगर हम गेम के तीनों पहलुओं को देखें तो थोड़े और बेहतर हो सकते थे । शायद उन 20–25 रनों से हमें लाभ होता । राहुल ने ऋतुराज गायकवाड़ और विराट कोहली की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा, ऋतुराज को बल्लेबाजी करते हुए देखना काफी अच्छा अनुभव था । विराट को हमने 53 बार ऐसा करते देखा है ।वह अपना काम करते रहते हैं, हमें यह देखने की आदत है ।वहीं ऋतुराज जिस तरह से बल्लेबाजी की । उसकी जितनी तारीफ करें कम है । उसने स्पिनरों का बेहतर तरीके से सामना किया और फील्डरों के बीच में से गेंद निकाली । उसने अर्धशतक बनाने के बाद जबरदस्त तेजी दिखायी और उसी से हमें 20 रन ज्यादा मिले । अगर निचला क्रम और रन बनाता तो हम और बेहतर हालत में होते । राहुल ने अपने बल्लेबाजी क्रम पर कहा, आज पहली बार मुझे छह नंबर पर रखा गया हालांकि मैं नंबर–5 पर बल्लेबाजी करने आया ।

बेल्जियम के खिलाफ क्वार्टर फाइनल में होगी भारत की असली परीक्षा

चेन्नई (एजेंसी)। भारत ने अपेक्षाकृत आसान पूल में लगभग प्रत्येक विभाग में अच्छा प्रदर्शन किया लेकिन स्न्नढ्ढ पुरुष जूनियर हॉकी विश्व कप में उसकी असली परीक्षा बेल्जियम के खिलाफ शुक्रवार को यहां होने वाले क्वार्टर फाइनल मैच में होगी।

चिली, ओमान और स्विट्जरलैंड के साथ पूल बी में शामिल भारत ने शानदार प्रदर्शन करके पहले स्थान पर रहते हुए नाकआउट दौर में प्रवेश किया। भारतीय टीम ने पूल चरण में 29 गोल किए और एक भी गोल नहीं खाया, जो टूर्नामेंट में भाग ले रही सभी 24 टीमों में सर्वश्रेष्ठ स्ट्राइक रेट है। लेकिन पीआर श्रीजेश की कोचिंग वाली टीम यह बात अच्छी तरह जानती है कि इन परिणामों का आगे कोई महत्व नहीं होगा, क्योंकि टूर्नामेंट के अंतिम चरण में उनका सामना मजबूत टीमों से होगा।

यहां से कोई भी चूक भारत के 9 साल बाद घरेलू मैदान पर खिताब जीतने के सपने को चकनाचूर कर सकती है। भारत ने आखिरी बार 2016 में लखनऊ में खिताब जीता था। भारत पूल चरण में शानदार प्रदर्शन करके इस उपलब्धि को दोहराने की स्थिति में दिख रहा है। उसने अभी तक 18 मैदानी गोल किए हैं। इसके अलावा उसने नौ गोल पेनल्टी कॉर्नर से और दो पेनल्टी स्ट्रोक से किए हैं। लेकिन यहां से भारतीय टीम की राह आसान नहीं होगी और किसी भी तरह का अति आत्मविश्वास उसे खिताब की दौड़ से बाहर कर सकता है।

चिली और ओमान के खिलाफ पहले दो मैचों में भारत ने दबदबा बनाए रखा और मनचाहे गोल दागे। उसने स्विट्जरलैंड को 5-0 से हराया, लेकिन स्विस टीम ने भारत की रक्षापंक्ति के सामने कड़ी चुनौती पेश की। इस मैच में गोलकीपर प्रिंस दीप सिंह और बिक्रमजीत सिंह ने कुछ शानदार बचाव किए। पेनल्टी कॉर्नर पर गोल करना अभी भी चिंता का विषय बना हुआ है। पिछले मैच में शिलानंद लाकड़ा ने दो बार पेनल्टी कार्नर को गोल में बदला लेकिन भारत कप्तान रोहित और अनमोल एक्का से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद करेगा।

भारतीय स्ट्राइकरों ने पूल चरण में शानदार प्रदर्शन किया। दिलराज सिंह (06 गोल), मनमीत (05), अर्शदीप सिंह (04), अजीत यादव और गुरजोत सिंह (दोनों दो-दो गोल) सभी ने अपना प्रभाव छोड़ा है। रोसन कुजूर, एड्रोई एक्का, अंकित पाल और इंगलेम्बा लुवांग थोउनाओजम ने मध्यपंक्ति में अच्छा प्रदर्शन किया है लेकिन उनकी असली परीक्षा अब होगी। श्रीजेश भी पूल चरण के प्रदर्शन को लेकर ज्यादा उत्साहित नहीं हैं।

उन्होंने कहा, 'निश्चित रूप से कुछ क्षेत्रों में सुधार की जरूरत है। अगले मैच से असली टूर्नामेंट शुरू होगा और हमारे लिए उन क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करना बहुत महत्वपूर्ण है।% बेल्जियम अपने पूल में दूसरे स्थान पर रहकर क्वार्टर फाइनल में पहुंचा लेकिन भारत को उसे किसी भी तरह से हल्के से लेने की गलती नहीं करनी होगी। बेल्जियम ने अभी तक टूर्नामेंट में 22 गोल किए हैं और वह सर्वाधिक गोल करने वाली टीमों में तीसरे नंबर पर है। उसने 11 मैदानी गोल किए जबकि इतने ही पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदला।

श्रीजीश ने कहा, 'जूनियर विश्व कप कोई आसान टूर्नामेंट नहीं है। मेरा मतलब है कि इनमें से कोई भी टीम आपको आसानी से जीत हासिल नहीं करने देगी। टूर्नामेंट की असली शुरुआत तो अब होगी और कोई भी गलती भारी पड़ सकती है।% क्वार्टर फाइनल के अन्य मैचों में स्पेन का सामना न्यूजीलैंड से, फ्रांस का सामना जर्मनी से और नीदरलैंड का सामना अर्जेंटीना से होगा।

रोहित, विराट पर घरेलू क्रिकेट खेलने का दबाव नहीं बनाया जाना चाहिये : एमएस के प्रसाद

मुम्बई ।चयन समिति के पूर्व अध्यक्ष एमएस के प्रसाद ने कहा है कि अनुभवी बल्लेबाजों रोहित शर्मा और विराट कोहली पर घरेलू क्रिकेट खेलने का दबाव नहीं बनाया जाना चाहिये ।प्रसाद ने ये बात भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) को उसे निर्देश को लेकर कही है जिसमें बोर्ड ने केन्द्रीय अनुबंध वाले खिलाड़ियों के लिए घरेलू क्रिकेट खेलने का अनिवार्य बनाया है ।केवल फिट नहीं होने पर ही खिलाड़ियों को घरेलू क्रिकेट से बाहर रहने की अनुमति दी गयी है । ऐसे में माना जा रहा है कि विराट और रोहित आने वाले समय में विजय हज़ारे ट्रॉफी खेलते हुए दिख सकते हैं ।वहीं प्रसाद का मानना है कि बोर्ड को इन सीनियर खिलाड़ियों पर घरेलू मैच खेलने का दबाव नहीं डालना चाहिए ।उन्होंने कहा कि रोहित और कोहली न सिर्फ टीम के अनुभवी खिलाड़ी हैं बल्कि युवा खिलाड़ियों से कहीं बेहतर प्रदर्शन कर रहे हैं । वहीं बोर्ड का मानना है सभी अनुबंधित खिलाड़ी अवसर मिलने पर घरेलू क्रिकेट खेलें, जिससे उनकी फिटनेस के साथ ही लय भी बनी रहेगी । इसी के बाद दिल्ली जिला क्रिकेट संघ ने कहा था कि विराट आगामी विजय हज़ारे ट्रॉफी में हिस्सा लेंगे । इसके अलावा उसने रोहित के भी मुम्बई की ओर से मैदान पर उतरने की उम्मीद जतायी । इस नियम का उद्देश्य घरेलू स्तर पर स्टार खिलाड़ियों की मौजूदगी बढ़ाना है, जिससे युवा खिलाड़ियों को प्रेरणा और अनुभव मिल सके ।वहीं प्रसाद ने वर्तमान मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर को आगाह किया है कि कोहली और रोहित जैसे बड़े खिलाड़ियों पर घरेलू क्रिकेट खेलने का दबाव न बनाया जाए । साथ ही कहा कि इससे उनपर मानसिक दबाव पड़ेगा । रेलू क्रिकेट खेलना अच्छा है, लेकिन इसे जबरदस्ती की तरह पेश नहीं करना चाहिए ।

मैं राजनीति के लिए नहीं बनी, बॉलीवुड के पेमेंट गैप पर भी बोलीं

बॉलीवुड की धक-धक गर्ल माधुरी दीक्षित क्या राजनीति की दुनिया में एंट्री लेंगी? उन्हें लेकर अक्सर लोग कयास लगाते रहते हैं। हकीकत क्या है? इसे लेकर हाल ही में माधुरी दीक्षित ने खुद स्पष्ट कर दिया है। अभिनेत्री ने न्यूज एजेंसी एएनआई के साथ बातचीत में राजनीति में आने की अटकलों पर प्रतिक्रिया दी है। साथ ही बॉलीवुड में पेमेंट गैप पर भी बात की। कहा- पॉलिटिक्स के लिए नहीं बनी माधुरी दीक्षित ने पॉलिटिक्स जॉइन करने की अटकलों पर विराम लगा दिया है। उनका मानना है कि वे पॉलिटिक्स के लिए नहीं बनी हैं। उनके पॉलिटिकल डेब्यू को लेकर अफवाहें पिछले साल तब तेज हुईं, जब रिपोर्ट्स में दावा किया गया कि एक्ट्रेस 2024 का लोकसभा चुनाव लड़ सकती हैं। हालांकि ऐसा कभी नहीं हुआ, लेकिन कई इंटरव्यू और पब्लिक अपीयरेंस में उनके बारे में अटकलें चलती रहीं। हाल ही में बातचीत में माधुरी ने राजनीति में उतरने की बात को नकार दिया। साथ ही यह भी बताया कि वे खुद को पॉलिटिक्स में क्यों नहीं देखतीं?

आर्टिस्ट के रोल में ज्यादा कंफर्टेबल हैं

अभिनेत्री ने इस बात पर जोर दिया कि उनकी पर्सनैलिटी और ख्वाहिशें चुनावी जिम्मेदारियों के बजाय क्रिएटिव एक्सप्रेशन से ज्यादा जुड़ी हुई हैं। माधुरी दीक्षित ने कहा कि उन्हें नहीं लगता कि वे पॉलिटिक्स के लिए सही हैं। उन्होंने बताया कि वे आर्टिस्ट के रोल में ज्यादा कम्फर्टेबल महसूस करती हैं। इसके जरिए वे ज्यादा प्रेरित कर सकती हैं। एक्ट्रेस ने कहा, मुझे नहीं पता। मुझे नहीं लगता कि मैं पॉलिटिक्स के लिए बनी हूं। मैं एक आर्टिस्ट होने और उस मायने में असर डालने के लिए बनी हूं। उन्होंने आगे कहा, मैंने सच में कभी पॉलिटिक्स में आने का सपना नहीं देखा है या मैं खुद को वहां नहीं देखती।

बॉलीवुड में पेमेंट गैप पर कहा

इसके अलावा अभिनेत्री ने बॉलीवुड मे पे-गैप पर भी बात रखी। उन्होंने कहा कि यह चुनौती सिर्फ फिल्मों तक ही सीमित नहीं है, बल्कि सभी प्रोफेशन में आम है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि सही सैलरी के लिए लड़ाई जारी है और सभी फील्ड में एक जैसी सैलरी के लिए संघर्ष एक बड़ी चिंता का विषय बना हुआ है। शाहरुख खान, सलमान खान, आमिर खान, अनिल कपूर और संजय दत्त जैसे बड़े बॉलीवुड स्टार्स के साथ स्क्रीन शेयर कर चुकीं माधुरी दीक्षित को क्या अपने करियर के शीर्ष पर कभी एक जैसी सैलरी के लिए खुद को मजबूत करने की जरूरत पड़ी थी? इस पर उन्होंने कहा कि यह अंतर महिलाओं के लिए हर जगह रहा है, चाहे वे किसी भी सेक्टर में काम करती हों। वर्क फ्रंट की बात करें तो माधुरी अपने अगले प्रोजेक्ट, थ्रिलर-ड्रामा सीरीज मिसेज देशपांडे को लेकर सुर्खियों में हैं। सीरीज का प्रीमियर 19 दिसंबर, 2025 को जियोहॉटस्टार पर होगा।

राशि खन्ना के लिए बेहद खास रहा यह जन्मदिन

अपनी हालिया रिलीज फिल्म 120 बहादुर की सफलता से गदगद अभिनेत्री राशि खन्ना का इस बार जन्मदिन भी बेहद खास रहा। एक्ट्रेस ने यह भी बताया कि उन्होंने अपना 35वां जन्मदिन कैसे सेलिब्रेट किया। राशि ने अपना 35वां जन्मदिन बेहद खास अंदाज में मनाया। इस बार उनका बर्थडे शोर-शराबे से दूर, अपनों के बीच प्यार और शांति से भरा रहा। राशि ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर जन्मदिन पर प्यार लुटाने वालों का आभार जताया। उन्होंने परिवार और दोस्तों के साथ कुछ खूबसूरत तस्वीरों को इंस्टाग्राम पर शेयर करते हुए फैंस के साथ ही शुभचिंतकों का दिल से आभार जताया। राशि खन्ना ने लिखा, कुछ जन्मदिन बहुत शोरगुल वाले होते हैं, यह वाला बहुत गर्मजोशी भरा था, प्यार से भरे फैन मीट से लेकर घर पर अपनों के बीच शांत सत्संग तक, यह जन्मदिन सच में बहुत खास था। राशि खन्ना ने आगे बताया कि उन्हें मिले ढेरों शुभकामनाओं की वजह से वह बेहद खुश हैं और इसके लिए आभार भी व्यक्त किया। उन्होंने लिखा, बहुत आभारी हूं। उन सभी का धन्यवाद जिन्होंने मुझे विश करने के लिए समय निकाला। ढेर सारा प्यार। तस्वीरों में राशि अपने परिवार और करीबी दोस्तों के साथ हंसते-मुस्कुराते और जन्मदिन का जश्न मनाती नजर आईं। पोस्ट की गई तस्वीरों में से एक में वह पारंपरिक कुर्ती-पायजामा पहने सत्संग के बीच शांत भाव से बैठी दिखीं, तो दूसरी तस्वीरों में केक काटते और अपनों से गले मिलते हुए बेहद खुश नजर आईं। फैंस के साथ हुई मुलाकात की कुछ झलकियां भी उन्होंने पोस्ट की। राशि खन्ना की पोस्ट पर फैंस के साथ ही एक्ट्रेस वाणी कपूर भी कमेंट करती नजर आईं। कमेंट सेक्शन में हार्ट इमोजी डालते हुए उन्होंने राशि के प्रति अपने प्यार का इजहार किया।

किरदार भी बदल सकता है जिंदगी शेफाली शाह को मिला रिया का सबसे बड़ा अवॉर्ड

अभिनेत्री शेफाली शाह ने अपने करियर में ऐसी कई फिल्मों में काम किया, जो दर्शकों के दिलों में घर कर गईं, फिर चाहे उनकी फिल्म जूस, जलसा, या फिर थ्री ऑफ अस हो। इन्हीं में से उनकी फिल्म मॉनसून वेडिंग, जिसमें रिया के किरदार ने तमाम महिलाओं की जिंदगी को बदल दिया था। दरअसल, इस फिल्म में अभिनेत्री शेफाली शाह ने रिया वर्मा का किरदार निभाया था, जो बचपन में यौन शोषण का शिकार हुई थी। फिल्म को याद करते हुए अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें उन्होंने लिखा, फिल्म मॉनसून वेडिंग की शूटिंग के समय सारे कलाकार और क्रू एक बड़े परिवार की तरह थे। हम लोग सुबह साथ मेंयोगा और नाश्ता करते थे और बाद में नसीरुद्दीन शाह के साथ एक्टिंग वर्कशॉप होती थी। दोपहर में डायरेक्टर मीरा नायर अलग-अलग सीन पर काम करवाती थीं। मीरा नायर द्वारा निर्देशित इस फिल्म को इटली के वेनिस फिल्म फेस्टिवल में गोल्डन लॉयन अवॉर्ड से सम्मानित किया जा चुका है। मीरा नायर ये सम्मान पाने वाली सत्यजीत रे के बाद दूसरी भारतीय बनी थीं। फिल्म को लेकर अभिनेत्री ने लिखा कि जब वे इस फिल्म की शूटिंग कर रही थीं, तो उन्हें नहीं पता था कि यह फिल्म वेनिस फिल्म फेस्टिवल में गोल्डन लॉयन अवॉर्ड जीतेगी और उनका किरदार 'रिया' लाखों लोगों की आवाज बनेगी। अभिनेत्री शेफाली ने बताया, रिया एक ऐसी लड़की थी, जिसने अपने साथ हुए गलत के लिए खुद को दोषी नहीं माना, बल्कि, वह शर्म और अपराध को त्यागकर गुनहगार को जवाबदेह ठहराती है। यही बात कई चुप्पी साधे बैठी महिलाओं को हिम्मत दे गई। अभिनेत्री ने लिखा, मुझे नहीं पता कितनी महिलाओं को रिया से हिम्मत मिली, पर मैं जानती हूं कि यह किरदार उन तमाम महिलाओं की कहानियों को दर्शाता है जिन्हें मैं जानती थी या नहीं। शेफाली ने दिल्ली का एक किस्सा शेयर करते हुए बताया, दिल्ली में एक कार्यक्रम के दौरान मेरी मुलाकात एक बुजुर्ग दंपती से हुई थी। वहां पर पति ने मेरी तारीफ की और पत्नी चुपचाप उनका हाथ पकड़े खड़ी थी। जाने से पहले पति ने मुझसे कहा, इन्होंने भी वही दर्द झेला है जो रिया ने झेला था। आपकी वजह से इन्हें सालों बाद अपनी बात कहने की हिम्मत मिली। शेफाली लिखती हैं, मैं अक्सर सोचा करती थी कि मैं न तो डॉक्टर, वकील और न ही वैज्ञानिक हूं। मैं ऐसा क्या कर रही हूं जो समाज में नया बदलाव लेकर आए, लेकिन उस दिन मुझे पता चला कि एक किरदार भी आम इंसान की जिंदगी बदल सकता है।

बिग बॉस 19 से बाहर आने के बाद अशनूर ने खुलकर रखी अपने दिल की बात

रियलिटी शो बिग बॉस 19 से टीवी एक्टर अशनूर कौर को शो से बाहर कर दिया गया। इस एविक्शन ने न सिर्फ फैंस को चौंकाया, बल्कि सोशल मीडिया पर भी बहस छेड़ दी। शो से बाहर आने के बाद अब पहली बार अशनूर ने अपने दिल की बात खुलकर रखी है।

एविक्शन के बाद अशनूर ने अपने फैंस से इंस्टाग्राम लाइव के जरिए बात की। हफ्तों तक घर की दीवारों के भीतर रहने के बाद उनकी आवाज में राहत भी थी और थोड़ा दर्द भी। उन्होंने बताया कि शो से बाहर निकलने का फैसला उनके लिए भी उतना ही अचानक था जितना दर्शकों के लिए। अशनूर ने कहा कि बाहर आते ही उन्हें फैंस का जो प्यार देखने को मिला, उसने उन्हें संभाल लिया। उन्होंने इस बात को स्वीकार किया कि फिनाले से एक हफ्ते पहले बाहर होना दुख देता है, लेकिन वह इसे अपनी किस्मत मानकर आगे बढ़ रही हैं। उन्होंने कहा कि घर में रहते हुए वो फैंस को काफी मिस करती थीं, इसलिए सबसे पहले लाइव आकर उन्होंने यह भरोसा दिलाया कि वह अब ठीक हैं। बिग बॉस हाउस से उनकी विदाई एक टास्क के दौरान हुई घटना के बाद हुई थी, जहां उन पर तान्या मित्तल को लकड़ी के पट्टे से चोट पहुंचाने का आरोप लगा। शो के होस्ट सलमान खान ने इसे नियमों का उल्लंघन बताया। भले ही अशनूर ने इसे अनजाने में हुई गलती बताया, लेकिन दर्शकों और शो की टीम ने इसे फिजिकल वायलेंस की श्रेणी में रखा। उनके बाहर होते ही सोशल मीडिया पर अनफेयर एविक्शन ट्रेंड करने लगा। कई दर्शकों ने इसे अनुचित बताते हुए कहा कि शो में इससे पहले भी कई बार शारीरिक टकराव हुए हैं, लेकिन हर बार ऐसी सख्त कार्रवाई नहीं की गई। अशनूर ने भी इस मुद्दे पर फैंस के सवाल का जवाब दिया। उन्होंने कहा कि जो हो चुका है, उसे बदला नहीं जा सकता। हालांकि फिनाले तक जाने का सपना उनका भी था, लेकिन वह इस फैसले को स्वीकार करती हैं। लाइव चैट में जब एक फैन ने पूछा कि क्या वो बिग बॉस 19 के फिनाले में नजर आएंगी, तो उन्होंने हामी भरते हुए फैंस को खुश कर दिया है। शो का ग्रैंड फिनाले 7 दिसंबर को होना है, जहां वो बतौर पूर्व कंटेस्टेंट शामिल होंगी।

परिवार को समय देने के सवाल पर बोले मनोज बाजपेयी

द फैमिली मैन के तीसरे पार्ट में इन दिनों नजर आ रहे अभिनेता मनोज बाजपेयी ने हाल ही में कई पहलुओं पर बात की है। खास बातचीत में मनोज ने किरदार, ओटीटी के दौर, परिवार और इंडस्ट्री की चुनौतियों पर खुलकर बात की।

इतने साल बाद जयदीप अहलावत के साथ स्क्रीन शेयर करने का अनुभव बताएं

उसके साथ मैंने पहली बार जिस फिल्म में काम किया था, वो थी चिट्टागोंग। उस फिल्म में सिर्फ वही नहीं बल्कि कई और लोग भी थे जो मेरे एफटीआईआई के बैचमेट थे - राजकुमार राव, विजय वर्मा्ज्ये सब। वहीं से मैंने जयदीप को जाना। दरअसल, उस समय जब अनुराग से मेरी बात होती थी, तो उसकी एक आदत मैंने नोटिस की थी। जब भी हम बात करते और अगर वो कोई नई फिल्म बना रहा होता, तो मुझसे हमेशा एक रेकमेंडेशन मांगता था। अगर उसे किसी तरह का एक्टर चाहिए होता है, तो पूछ लेता है कि कौन इस रोल के लिए ठीक रहेगा। तो उस दिन भी बात हो रही थी और मैंने जयदीप का नाम सुझाया था। राजकुमार और विजय के बारे में उसे पहले से पता था। उस समय से मैं इन लोगों को जानता हूं। इनके शुरुआती दौर से जानता हूं। इसलिए एक जान-पहचान भी है और ये लोग मुझे इज्जत भी बहुत देते हैं। एक अच्छा संबंध है- एक्टर वाला संबंध। सीनियर और जूनियर दोनों तरह का रिश्ता है।

जब सेट पर आप और जयदीप साथ होते थे, तो माहौल कैसा रहता था?

सेट पर माहौल काफी अच्छा रहता था। ऑफ कैमरा भी हल्की-फुल्की बातें होती थीं। सच कहूं तो मैं ज्यादातर जब बात करता हूं, तो खाने की ही बात करता हूंज नहीं तो मैं अपने काम में डूबा रहता हूं। जब अगला शॉट होना होता, तो मेरा फोकस पूरी तरह उसी पर होता था और बीच-बीच में थोड़ी हंसी-मजाक भी हो जाती थी। मैं खुद मटन बनाता हूं, तो सेट पर भी कभी-कभी मटन बना लेता था। लेकिन जयदीप को मटन से ज्यादा चिकन पसंद है। तो हम दोनों के बीच ऐसी ही बातचीत होती थी जैसी साथी कलाकारों के बीच सामान्य रूप से होती है।

कभी काम से पहले परिवार को चुनना पड़ा?

परिवार और मेरा काम कभी एक-दूसरे के आड़े नहीं आते। इसका पूरा श्रेय मेरी पत्नी को जाता है। अगर वह कुछ चाहती हैं और मैं खाली होता हूं, तो मैं समय देने की पूरी कोशिश करता हूं। सच यह है कि वर्क और फैमिली का बैलेंस हर आदमी के लिए एक चुनौती है। सबसे आसान स्थिति उन लोगों की होती है जो सुबह ऑफिस जाते हैं और शाम को लौट आते हैं। वो काम भी कर लेते हैं और परिवार के साथ समय भी बिता पाते हैं। लेकिन फ्रीलांस जॉब में यह बहुत मुश्किल हो जाता है। यह उसी तरह का काम होता है जैसे इंटेलिजेंस के लोग करते हैं - जिनकी जरूरत हमेशा रहती है और जिनका काम 24 घंटे का होता है। यही वजह है कि श्रीकांत (किरदार का नाम) के लिए चीजें कठिन होती हैं और एक्टर्स के लिए भी। जब काम होता है तो अचानक बहुत काम होता है और जब छुट्टी होती है तो पूरी छुट्टी होती है। जो लोग ऑफिस में काम करते हैं, उनके लिए यह शायद थोड़ा आसान होता है, क्योंकि उन्हें पता होता है कि शाम को घर लौटना है। वहीं, हम कई-कई दिनों तक घर नहीं जा पाते और बाहर रहते हैं। ऐसे में अगर फैमिली समझदार और अंडरस्टैंडिंग न हो, तो घर संभालना मुश्किल हो जाता है। इसलिए मैं सारा श्रेय अपनी पत्नी को देता हूं।

क्या कभी ऐसा हुआ कि आपकी पत्नी ने आपके काम को लेकर कहा हो कि समय नहीं मिल रहा?

बैलेंस की बात करें तो शुरुआती दिनों में सचमुच मुश्किल थी। लेकिन क्योंकि निशा खुद भी एक्ट्रेस हैं, इसलिए वो इस प्रोफेशन की चुनौतियों को समझती हैं। उनकी समझ की वजह से बहुत सी बातें आसानी से संभल जाती हैं। मैं जब उनके साथ होता हूं, तो पूरी तरह उनके साथ रहता हूं। अभी दिसंबर में हम एक लंबी छुट्टी पर जाने वाले हैं। परिवार में बीच-बीच में हल्की तकरार तो होती ही है, और यह बिल्कुल नैचुरल है। अगर कभी कोई खटपट न हो, तो रिश्ते उबाऊ भी लग सकते हैं। जो लोग सुबह ऑफिस जाते हैं और शाम को लौट आते हैं, उनके घरों में भी ऐसा होता है। यह हर परिवार का हिस्सा है और इसी से रिश्ते जीवंत बने रहते हैं।

बच्चों, कुछ दिन पहले ही यूरोप और एशिया के कई देशों के पहाड़ी इलाकों में बड़े पैमाने पर बर्फबारी हुई थी। अभी भी उसका असर साफ देखा जा सकता है। लेकिन ये बर्फबारी होती कैसे है? आकाश में बर्फ कैसे बनती है और नीचे क्यों गिरती है?

कैसे होती है बर्फबारी

दोस्तों, तुम जानते होगे कि हमारी धरती पर जल एक लगातार चक्र में चलता है। सूरज की गर्मी से नदियों, तालाबों, झीलों से जल भाप बनकर उड़ जाता है और वातावरण में पहुंच जाता है। जब इस तरह के बहुत सारे वाष्प कण इकट्ठे हो जाते हैं तो वे बादल का रूप ले लेते हैं। जब ये बादल आपस में टकराते हैं तो बारिश होती है। लेकिन जब ये बादल वातावरण में अधिक ऊपर चले जाते हैं तो वहां का तापमान बहुत कम हो जाता है और वातावरण बहुत ठंडा हो जाता है। बादल का तापमान बहुत नीचे पहुंचने पर, बादलों में मौजूद वाष्प कण नन्हे-नन्हे बर्फ कणों में बदल जाते हैं। हवा इन बर्फ कणों का वजन सहन नहीं कर पाती और ये कण बादल से नीचे की ओर गिरने लगते हैं। जब वो गिरते हैं तो एक-दूसरे से टकरा कर जुड़ने लगते हैं। इस तरह इनका आकार बड़ा होने लगता है। जब ये कण हमारी पृथ्वी पर गिरते हैं तो हम उसे बर्फबारी कहते हैं।

अब तुम यह कह सकते हो कि बर्फ दरअसल जमा हुआ पानी है। बर्फबारी में धरती पर अकसर बर्फ की सफेद चादर-सी बिछ जाती है। गिरती हुई यह बर्फ हमेशा नर्म नहीं होती है। यह बर्फ गिरते हुए एक जगह इकट्ठी न गिरकर हवा के साथ इधर-उधर फैल जाती है, इसलिए यह कहीं बहुत ज्यादा और कहीं बहुत कम गिरती है। कभी यह छोटे-छोटे पत्थर के रूप में, तो कभी बारिश के साथ गिरने वाले सख्त बर्फ यानी ओलों के रूप में भी गिरती है। बर्फ चाहे जिस रूप में भी गिरे, जहां यह गिरती हैं वहां का तापमान काफी गिर जाता है। आसपास के इलाके भी सर्द हवाओं की चपेट में आ जाते हैं।

अब तुम्हारे मन में यह सवाल जरूर उठ रहा होगा कि यह बर्फबारी पहाड़ी इलाकों में ही क्यों होती है?

बर्फ उन स्थानों पर अधिक गिरती है जो इलाके या तो समुद्र से काफी ऊपर होते हैं या फिर ऊंचाई पर होते हैं। वातावरण में बर्फ काफी अधिक बनती है, जिसका एक छोटा हिस्सा ही नीचे पहाड़ों पर गिरता है। बाकी हिस्सा बारिश के रूप में नीचे आता है।

अब तुम सोच रहे होगे कि बर्फ बनती और नीचे बारिश गिरती है, वो कैसे? वातावरण में मौजूद ओजोन की गर्म परतों के बीच से जब बर्फ के कण गुजरते हैं तो यह बर्फ पिघल जाती है और बारिश के पानी में बदल जाती है, जबकि ऊंचे पहाड़ों में तापमान पहले से ही शून्य डिग्री से काफी कम होता है, इसलिए वहां पर बर्फबारी होती है।

क्या होता है फायदा

पहाड़ों पर गिरी यह बर्फ गर्मियों में सूरज की तपिश से पिघलकर नदियों में पानी की आपूर्ति करती है, जिसे खेती-बाड़ी, बिजली बनाने और अन्य कामों के लिए उपयोग किया जाता है।

आओ चलें बर्फ की दुनिया में

पहाड़ों में बर्फबारी देखकर सभी का मन वहां जाकर बर्फ की बॉल बनाकर खेलने को करता है। चूंकि यह बर्फ कुछ दिन रहती है, इसलिए कुछ लोग जा पाते होंगे तो कुछ नहीं। लेकिन आज हम विश्व के सबसे बड़े, आकर्षक और एक महीने चलने वाले स्नो शो के बारे में बताने जा रहे हैं।

चीन के सबसे सर्द शहर हार्बिन में एक स्नो शो मनाया जा रहा है, जहां का तामपान-20 डिग्री सेल्सियस होता है। यह स्थान चीन की सोंधुआ नदी के किनारे स्थित है। इस स्नो शो की शुरुआत 5 जनवरी को हुई थी। यह पूरा स्थान 150 एकड़ में फैला है। यह शो रात में बहुत ही आकर्षक दिखता है। बर्फ की पूरी बिल्डिंग बनाई गयी है। यह पारंपरिक तरीके से सजाया गया है।

हाई तकनीक बीम लाइट की मदद से रोशनी की गई है, जो रात में खास लगती है। इस फेस्टिवल की नींव 1963 में रखी गई थी। चीन का हार्बिन इंटरनेशनल आइस एंड स्नो शो हर साल दुनिया में चर्चा का विषय बनता है। यह शो पिछले 30 सालों से हर साल मनाया जा रहा है। इस साल बर्फ की

इस दुनिया को बनाने में करीब 15000 मजदूरों ने अपना योगदान दिया है। इस साल इस फेस्टिवल की थीम रखी गई है, ग्लोबल आइस एंड स्नो ड्रीम, वर्ल्ड कार्टून टूर। मतलब तुम बच्चों की कार्टून की दुनिया को यहां हकीकत में बदलने की कोशिश की गई है। एक महीने तक चलने वाले इस फेस्टिवल को अब तक करीब 10 लाख लोग देख चुके हैं। यहां आने वाले पर्यटक हॉट एयर बैलून, बर्फ के स्टैचू, आइस स्विमिंग के अलावा अन्य खेलों का आनंद भी ले सकते हैं।

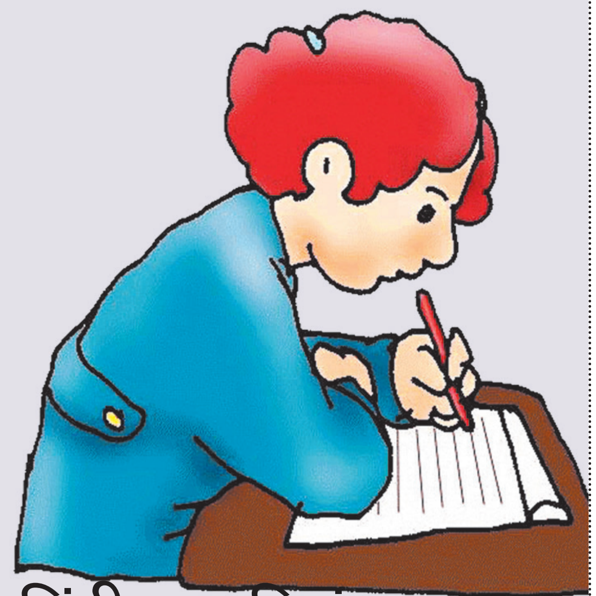

हिंदी का निबंध ऐसे लिखो...

हिंदी में निबंध याद करना तुम्हें कुछ कठिन लगता होगा ना। इतना बड़ा निबंध याद करते-करते थक जाते होगे। अगर खुद लिखना पड़ जाए तो नानी याद आ जाती है। समझ ही नहीं आता कि क्या लिखें, कितना लिखें। चलो आज हम तुम्हें बताते हैं कि इसे कैसे लिखना चझ्राहिए। पहले ये समझ लो कि अच्छे निबंध के गुण क्या-क्या होते हैं

बंधे हों वाक्य

निबंध का अर्थ है बंधा हुआ। निबंध की पहली विशेषता है कि निबंध एक सूत्र में बंधा होना चाहिए। एक क्रम में लिखा होना चाहिए। कोई बात कहीं भी नहीं लिखनी चाहिए। आलतू-फालतू बातों का निबंध मैं कोई स्थान नहीं होता।

ज्यादा बड़ा न हो

तुम हमेशा यह सोचते हो कि निबंध का अर्थ है 4-5 पेज का लम्बा-चौड़ा। लेकिन ऐसा नहीं है, अगर सटीक, सही बातों को लिखा हो तो वो भी निबंध कहलाता है। निबंध छोटा होना चाहिए।

भाषा

यह निबंध की सबसे महत्वपूर्ण विशेषता है। निबंध की भाषा सरल, सहज, सटीक होनी चाहिए। शब्दों का प्रयोग अच्छा होना चाहिए। व्याकरण का प्रयोग भी सही होना चाहिए।

ऐसे लिख डालो

भूमिका

सबसे पहले आती है भूमिका, अर्थात निबंध के विषय के बारे में लिखने से पहले तुम निबंध के विषय से संबंधित भूमिका बांधो। परंतु यह अधिक लम्बी नहीं होनी चाहिए, नहीं तो बोरिंग हो जाती है।

विषय से संबंधित

जब कोई निबंध लिखना हो तो रफ लिख लेना चाहिए कि पहले क्या बताना है, फिर प्वाइंट बना लो, इसके बाद उन्हें पैराग्राफ में लिखो।

उपसंहार

इसमें निबंध का निष्कर्ष होता है, अर्थात इस विषय से तुम क्या सोचते हो, यह लिख डालो।

रटो नहीं, समझकर करो तैयारी

बच्चों, ये सच है कि जिस भी विषय को रटकर याद करते हो, वह ज्यादा दिन तक तुम्हारा साथ नहीं देता। इसलिए विषय को समझ कर पढ़ने की आवश्यकता है। वैसे भी अब तुम्हारी परीक्षा पास है। ऐसे में तनाव होना स्वाभाविक है। इस तनाव को दूर करने का एक ही तरीका है, विषय को रटने की बजाए उसे समझकर याद करो। वह विषय चाहे लैंग्वेज हो या साइंस या फिर मैथ्स, हर विषय के साथ तुम इसे आजमा सकते हो। समझने से अर्थ यह है कि विषय को जिसे तुम तैयार करना चाहते हो, उसे स्टेप बाई स्टेप पढ़ो, फिर लिखकर अभ्यास करने से वह विषय पूरी तरह से तुम्हारे साथ हो जाता है। परीक्षा के बाद भी तुम उसे नहीं भूलते। यही तो कमाल की बात है, जो तुम्हें रटने में नहीं मिलता, क्योंकि रटी हुई चीजें जिस रफ्तार से याद होती हैं, उसी तेजी से वह हमारी स्मृतियों से गायब भी हो जाती हैं। मान लो तुम्हें अंग्रेजी या हिन्दी की तैयारी करनी है तो तुम उसके शब्दों, अर्थों, वाक्यांशों को टुकड़ों में करके याद करो। दुबारा उन्हें लिखकर देखो कि उनमें से कितनी चीजें याद हुईं। जहां भी गलती हुई उसे दुबारा लिखकर अभ्यास करने से हिन्दी या अंग्रेजी के मैटर तुम्हें याद हो जाएंगे। पाठ के अंत में दिए गए सवालों को पढ़कर उत्तर देने होते हैं ऐसे में मूल पाठ को ठीक से पढ़ना चाहिए। फिर उनके उत्तर उन्हीं वाक्यांशों में ढूंढ़ना चाहिए। जो शब्द समझ में नहीं आते हों उन्हें या तो डिक्शनरी में देखो या फिर अपने टीचर से उनका अर्थ पूछ लो। रटने से हमेशा बचना चाहिए, साथ ही पढ़ने-लिखने से विषय की बारीकियों को समझने में आसानी होती है। इसलिए विषय को रटो नहीं, बल्कि उसे समझकर लिखने का अभ्यास करो।